मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	43.6	30.6
जमशेदपुर	44.1	28.4
डालटनगंज	43.6	25.3

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* * *

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

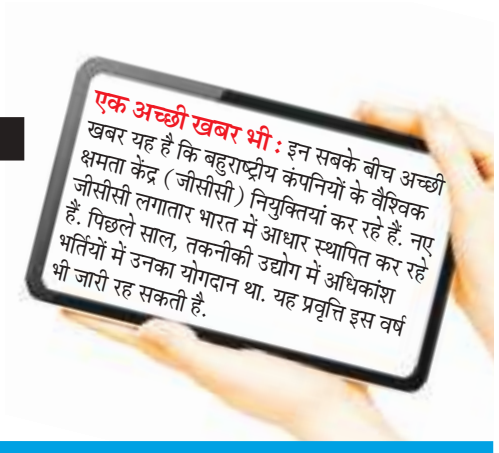

www.lagatar.in | रविवार 21 अप्रैल 2024 चैत्र शुक्ल पक्ष 13 , संवत 2081 | पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ | वर्ष : 2, अंक : 13 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

एआई इफेक्टः इंजीनियरिंग स्नातकों के लिए अच्छी खबर नहीं, आईटी क्षेत्र में घटती जाएंगी नौकरियां

तीन शीर्ष आईटी कंपनियों ने 64,000 कर्मचारियों को निकाला

शुभम संदेश नेटवर्क। बेंगलुरु

देश की तीन प्रमुख आईटी कंपनियों टीसीएस, इंफोसिस व विप्रो का प्रदर्शन हाल के दिनों में रोजगार के लिहाज से अच्छा नहीं रहा. तीनों कंपनियां हाल के दिनों में भर्ती से कहीं ज्यादा कर्मियों को निकालने की वजह से चर्चा में रही हैं.

टीसीएस, इंफोसिस व विप्रो ने बीते वित्त वर्ष में 64 हजार कर्मचारियों को नौकरी से निकाला. कंपनियों का कहना है कि उन्हें 64 हजार कर्मचारियों को निकालने का निर्णय लेना पड़ा, क्योंकि बाजार में कमजोरी देखने को मिल रही है. विप्रो ने चौथी तिमाही के परिणाम घोषित करते हुए बताया कि मार्च तक उसके कर्मियों की संख्या घट कर 2, 34, 054 रह गई, जो एक साल पहले की 2,58,570 थी. इस तरह विप्रो के कर्मियों की संख्या में 24,516 की कमी की गई है. देश की दूसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी इन्फोसिस के वर्कफोर्स के आंकड़ों के अनुसार 2024 के मार्च में उसके पास कर्मचारियों की संख्या 317,240 थी, जो पिछले साल की की इसी अवधि में 343,234 थी. इस तरह कंपनी के कर्मचारियों की संख्या में 25,994 की कमी देखने को मिली है. आईटी सेक्टर में देश की सबसे बड़ी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी यानी टीसीएस में भी कर्मचारियों की संख्या में 13,249 की गिरावट देखने को मिली है. विप्रो के मुख्य मानव संसाधन अधिकारी सौरभ गोविल का मानना है कि कर्मचारियों की संख्या में कमी मुख्य रूप से बाजार और मांग की दशाओं के साथ ही परिचालन दक्षता के कारण देखने को मिली है. अब एआई का दौर है, धीरे-धीरे कर्मचारियों का काम एआई के जरिए होने लगेगा.

संकेत खराब : टीसीएस, इंफोसिस और विप्रो में हुई जम कर छंटनी आईटी कंपनियों के राजस्व में भी कमी का है अनुमान

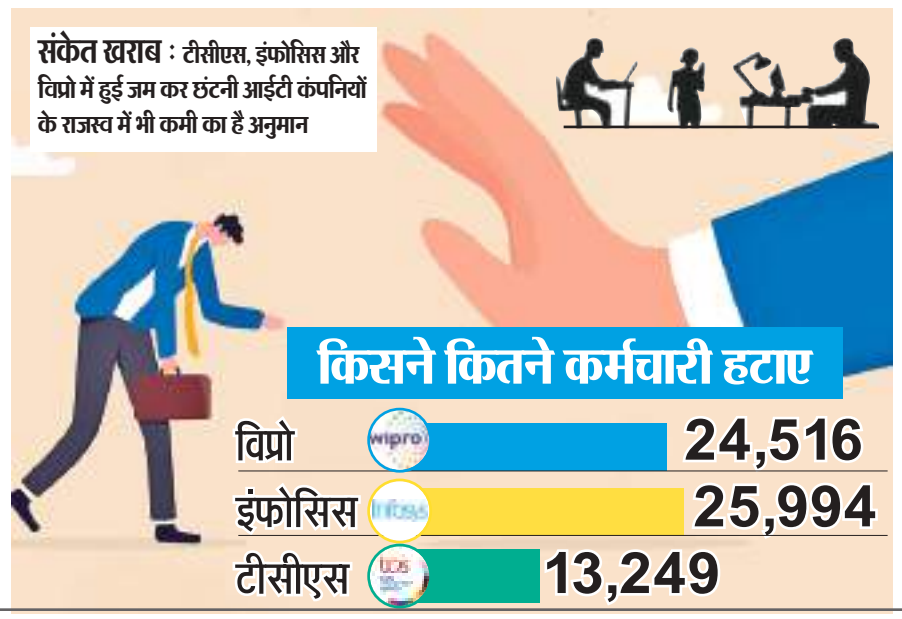

क्या कहते हैं एक्सपर्ट

आईटी कंसल्टिंग फर्म एवरेस्ट ग्रुप के सीईओ पीटर बेंडर सैमुअल का मानना है कि कर्मियों की संख्या में कटौती, कोविड के बाद से आईटी उद्योग में आई मंदी के कारण हो रही है. अमेरिकी अर्थव्यवस्था अच्छा कर रही है, लेकिन, इतना अच्छा नहीं कि दूसरे देशों की मदद हो सके. टीसीएस के सीईओ के कृतिवासन ने हाल ही में कहा था कि अमेरिकी उद्यम संभावित मंदी या मंदी की आहट से चिंतित हैं, जो उन्हें बड़े आईटी खर्च करने से रोक रहे हैं. विप्रो के मानव संसाधन प्रमुख, सौरभ गोविल भी कर्मचारियों की संख्या में कमी के लिए मांग के माहौल को जिम्मेदार मानते हैं, लेकिन उनका कहना है कि एआई के आने के बाद कंपनियों की परिचालन दक्षता में भी सुधार हुआ है, जिससे आईटी उद्योग में अब कम लोगों की जरूरत होती है. इंफोसिस के सीएफओ जयेश संघराजका भी पिछले साल के दौरान बदलते मांग के माहौल को कम कर्मचारियों की संख्या के लिए जिम्मेदार मानते हैं.

आगे हटाए जाएंगे और कर्मचारी

अमेरिकी आईटी सलाहकार एचएफएस रिसर्च के सीईओ फिल फ़र्श्ट का मानना है कि आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) भी आईटी स्टाफ मांग में कमी आने के लिए भूमिका निभा रहा है. उनका कहना है कि एक प्रमुख अमेरिकी कंपनी ने निष्कर्ष निकाला है कि वह अपनी परीक्षण प्रक्रियाओं के विरुद्ध एलएलएम चला कर अपने 15% कर्मचारियों को हटा सकता है. यह सिर्फ शुरुआत है. जब आप मानते हैं कि भारतीय आईटी सेवा प्रदाताओं के राजस्व का 20-30% हिस्सा परीक्षण और गुणवत्ता से जुड़ा है, तो स्पष्ट है कि एआई को ब्रेड-एंड-बटर आईटी क्षेत्रों में बुनने का दबाव बढ़ा है. जैसे परीक्षण, रखरखाव और विकास. इसके लिए किसी रॉकेट साइंस की जरूरत नहीं है. 70 लाख भारतीय कर्मचारियों (जीसीसी सहित) में से 10 लाख को अगले कुछ वर्षों में सेवा से हटाया जा सकता है. सौरभ गोविल का भी कहना है कि वर्तमान में आईटी सेवाओं का पोर्टफोलियो जनशक्ति से जुड़ा है, लेकिन लंबी अवधि में, जैसे-जैसे हम एआई की ओर बढ़ेंगे हैं, कर्मचारियों की संख्या घटती जाएगी.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	69,500
चांदी (किलो)	90,000

ब्रीफ खबरें

रेसलर विनेश को पेरिस ओलंपिक का टिकट

नयी दिल्ली। स्टार भारतीय पहलवान विनेश फोगाट ने पेरिस ओलंपिक के लिए कोटा हासिल किया है. विनेश ने बिश्केक में जारी एशियाई ओलंपिक क्वालिफायर के सेमीफाइनल में जीत हासिल करके ये उपलब्धि हासिल की. -पेज 10 भी देखें

जेल में केजरीवाल को दिया जा रहा धीमा जहर

नयी दिल्ली। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के स्वास्थ्य को लेकर आम आदमी पार्टी ने गंभीर चिंता जाहिर की है. सौरभ भारद्वाज ने दावा किया कि केजरीवाल को स्लो पॉइजन दिया जा रहा है और उनकी हत्या की साजिश रची जा रही है. आतिशी ने कहा कि अगर ऐसा ही चलता रहा तो सीएम को मल्टी ऑर्गन फेल्यर हो सकता है.

एमसीडी महापौर चुनाव में आप के साथ कांग्रेस

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने 26 अप्रैल को होने वाले दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के महापौर चुनाव में आम आदमी पार्टी के उम्मीदवारों का समर्थन करने की शनिवार को घोषणा की. आप ने महापौर पद के लिए महेश खींची और उपमहापौर पद के लिए रवींद्र भारद्वाज को उम्मीदवार बनाया है. दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के संचार विभाग के प्रमुख अनिल भारद्वाज ने कहा कि वरिष्ठ नेताओं की एक बैठक में यह निर्णय लिया गया कि पार्टी इस चुनाव में आप के उम्मीदवारों का समर्थन करेगी.

झारखंड के चुनावी अखाड़े में नेक टू नेक फाइट के लिए बिछी बिसात

दिखेगा 10 का दम

शुभम संदेश खास

रवि भारती। रांची

झारखंड में धीरे-धीरे लोकसभा चुनाव का प्रचार परवान चढ़ने लगा है. सभी दलों ने चुनावी मैदान में ताकत झोंकनी शुरू कर दी है. बड़े मुद्दों को लेकर एक -दूसरे पर बयानों के तीर चलाये जा रहे हैं. दरअसल, मुद्दों का चुनाव में अहम रोल है. ये ही नतीजों को आकार देते हैं. नेक टू नेक फाइट के लिए बिसात बिछ गई है. सभी दल मुद्दों को अवसर में बदलने के लिए जोर लगा रहे हैं. भाजपा और उसके साथी सभी सीटों को जीतने का टॉर्गेट फिक्स कर रहे, वहीं गठबंधन में शामिल दल भाजपा व एनडीए को मात देने की रणनीति बनाने में जुटे हैं.

सियासी फिजां में तैरेगा ओबीसी आरक्षण का मुद्दा : सियासी फिजां में ओबीसी आरक्षण का मुद्दा रोल निभा सकता है. झारखंड विस से पारित पदों और सेवाओं में रिक्तियों में आरक्षण संशोधन एक्ट -2022 को भी राजभवन ने वापस लौटा दिया है. बिल में ओबीसी आरक्षण 14 से बढ़ा कर 27%, एसटी कोटा 26 से बढ़ा कर 28%, एससी के लिए 10 से बढ़ा कर 12% करने का प्रस्ताव है. ईडब्ल्यूएस के लिए 10% कोटे की व्यवस्था की गई थी. सरकारी नौकरियों में कुल आरक्षण 77% किया गया था. गठबंधन इसको मुद्दा बनाएंगे.

हेमंत की गिरफ्तारी पर झामुमो हमलावर : हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी पर झामुमो भाजपा पर हमलावर है. झामुमो इसे महत्वपूर्ण मुद्दा बना रहा है. मुंबई और दिल्ली के बाद अब हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के विरोध में रांची में 21 अप्रैल की उलगुलान न्याय महारैली होने जा रही है. झामुमो इसकी मेजबानी कर रहा है. इस महारैली को लेकर झामुमो ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है. इसमें 'इंडिया' गठबंधन के सभी बड़े नेता शिरकत करेंगे.

बेरोजगारी और महंगाई सबसे अहम मुद्दा

चुनाव में एनडीए और महागठबंधन दोनों बेरोजगारी-महंगाई का मुद्दा उठाएंगे. गठबंधन बेरोजगारी-महंगाई पर हमेशा केंद्र सरकार पर ठीकरा फोड़ता रहा है. वहीं भाजपा इसका आरोप गठबंधन सरकार पर मढ़ती रही है. बहरहाल, बेरोजगारी युवाओं के लिए एक बड़ा मुद्दा रही है. राजनीतिक पर्यवेक्षकों ने कहा कि नौकरी के अवसरों के मामले में राज्य पिछड़ा हुआ है. कई प्रतियोगी परीक्षाओं को लेकर हुआ विवाद भी युवाओं के समक्ष पेश करने के लिए बड़ा मुद्दा है. सीजीएल की परीक्षा रद्द होना, पेपर लीक सहित कई मामले इस चुनाव में उछाले जा सकते हैं.

कानून व्यवस्था को लेकर भाजपा हमलावर : कानून व्यवस्था को लेकर भाजपा शुरू से ही हमलावर रही है. बीते रविवार को ही सिंहभूम से भाजपा उम्मीदवार गीता कोड़ा को घेरे जाने के मामले में बाबूलाल मरांडी ने कड़ी प्रतिक्रिया दी थी. भाजपा सामूहिक दुष्कर्म, हत्या, लूट और जबरन वसूली के मामलों को महत्वपूर्ण मुद्दा बना कर गठबंधन सरकार को लगातार घेरती रही है.

रंग ला सकती है 1932 आधरित खतियान नीति

लोकसभा चुनाव में 1932 आधरित खतियान नीति का मामला भी रंग ला सकता है. 1932 का खतियान आधारित स्थानीयता झारखंड के एक लिए प्रमुख मुद्दा रहा है. विधानसभा से दो बार पारित इस विधेयक को राजभवन से अब तक मंजूरी नहीं मिल सकी है. इसे लेकर महागठबंधन में शामिल दल राजभवन पर निशाना साधते रहे हैं. इस चुनाव में इस मुद्दे पर 'इंडिया' गठबंधन और मुखर होगा. इसके आधार पर भी वोट मांगे जाएंगे.

भाजपा के लिए भ्रष्टाचार है सबसे बड़ा मुद्दा

भाजपा ने भ्रष्टाचार को अहम मुद्दा बनाया है. पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी, जमीन घोटाला, पूजा सिंघल और छवि रंजन जैसे आईएएस अधिकारियों की गिरफ्तारी को लेकर भाजपा मुखर है. राज्य सरकार पर कई तरह के आरोप भी लगा रही है. भाजपा मुख्य रूप से अवैध खनन और जमीन घोटालों से संबंधित भ्रष्टाचार के मुद्दे पर गठबंधन सरकार पर जोरदार हमला कर रही है.

उछाला जा रहा जाति जनगणना का मामला

सियासी फिजां में जातिगत जनगणना का मामला भी उछाला जा रहा है. गठबंधन में शामिल झामुमो, कांग्रेस और राजद जातिगत जनगणना के समर्थन में हैं. लेकिन विपक्षी भाजपा इस मसले पर ज्यादा कुछ नहीं बोल रही है. झारखंड में सत्ताधारी दलों का कहना है कि जिस समूह की जितनी आबादी है, उसे उसी के अनुसार अधिकार मिलना चाहिए. जाति जनगणना के मुद्दे पर दो साल पहले ही सहमति बनी थी. इसके बाद सर्वदलीय शिष्टमंडल ने सितंबर 2021 में दिल्ली जाकर इससे संबंधित मांग पत्र गृह मंत्री को सौंपा था. यह मुद्दा भी इस बार के चुनाव में अहम भूमिका निभा सकता है.

पलायन को भी मुद्दा बनाएंगे राजनीतिक दल

लोकसभा चुनाव में राजनीतिक दल पलायन को भी मुद्दा बनाएंगे. राज्य में पलायन का मुद्दा लंबे समय से राजनीतिक दलों के समक्ष चुनौती पेश करता रहा है. सरकारों के लगातार प्रयास के बावजूद पलायन-प्रवासन बड़े स्तर पर जारी है. लाखों मजदूर दूसरे राज्यों में आजीविका तलाशने के लिए मजबूर हैं. देश के हर कोने में झारखंड के मजदूर देखे जा सकते हैं. कई जगहों पर श्रमिकों के शोषण का मामला भी सामने आता रहा है.

मानव तस्करी, घुसपैठ का मामला भी उछलेगा

चुनाव में मानव तस्करी और बांग्लादेशी घुसपैठ का मुद्दा भी अहम रहेगा. भाजपा हमेशा से घुसपैठ के खिलाफ मुखर रही है. हर साल झारखंड से हजारों नाबालिग लड़कियों की बड़े शहरों में तस्करी की जाती है. उनमें से कई का यौन शोषण होता है और कई को घरेलू हिंसा का सामना करना पड़ता है. मानव तस्करी में कई बार रिश्तेदारों की भूमिका भी देखने को मिलती है. कहीं न कहीं यह भी रोजगार से जुड़ा विषय है.

सरना धर्म कोड का मामला भी गर्म रहेगा

सरना धर्म कोड का मामला भी एक अहम मुद्दा रहेगा. आदिवासियों के लिए अलग धर्म कोड के रूप में जनगणना में सरना धर्म कोड को शामिल करने की मांग है. गठबंधन सरकार ने नवंबर 2020 में जनगणना में सरना धर्म कोड शामिल करने का प्रस्ताव पारित कर केंद्र को भेजा था. मांग को लेकर सत्ताधारी दल मुखर है. झामुमो का कहना है कि हिंदू, मुस्लिम, सिख, इसाई, जैन से अलग सरना आदिवासियों की पहचान के लिए बहुत जरूरी है. अगर सरना धर्म कोड मिल जाता है, तो आदिवासियों की जनसंख्या का स्पष्ट आकलन हो सकेगा.

उलगुलान न्याय महारैली आज

रांची में दिखेगी इंडिया गठबंधन की ताकत

प्रमुख संवाददाता। रांची

राजधानी रांची में उलगुलान महारैली में इंडिया गठबंधन अपनी ताकत दिखाएगा. खास बात यह है कि इस रैली में दूसरी बार पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल एकसाथ मंच साझा करेंगी. दिल्ली के रामलीला मैदान में केंद्र की मोदी सरकार, भाजपा और केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ आप की महारैली हुई थी. इसमें हेमंत की पत्नी कल्पना सोरेन और केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने पहली बार मोदी सरकार के खिलाफ हल्ला बोला था. अब रविवार को फिर कल्पना और सुनीता केजरीवाल एक मंच से उलगुलान करेंगी.

संविधान बचाने के लिए उलगुलान न्याय महारैली : झामुमो के अनुसार, 21 अप्रैल को होने वाली महारैली कोई सामान्य या चुनावी महारैली नहीं है, बल्कि यह देश को तानाशाही से मुक्ति, संविधान बचाने और झारखंडी जन आकांक्षाओं को आवाज देने की महारैली है. देश भर के विपक्षी नेताओं की साझा आवाज प्रभात तारा मैदान से बुलंद होगी. संविधान बचाने, भाजपा की समाज को बांटने की नीति, वन अधिकार कानून में बदलाव, किसानों को एमएसपी, महंगाई, बेरोजगारी सहित तमाम ऐसे मुद्दे हैं, जिसके खिलाफ उलगुलान होगा. उन्होंने कहा कि सुनीता केजरीवाल और कल्पना सोरेन एक ही मंच से यह बताएंगी कि कैसे साजिश रचकर उनके पति को सिर्फ इसलिए जेल में डाल दिया गया, क्योंकि वे एक तानाशाह के सामने झुके नहीं. -शेष पेज 7 पर

रिकॉर्ड पांच लाख लोगों को जुटाने का है दावा

- दूसरी बार एक मंच से कल्पना सोरेन और सुनीता केजरीवाल फूंकेंगी उलगुलान का बिगुल
- देश भर के विपक्षी नेताओं की साझा आवाज प्रभात तारा मैदान से होगी बुलंद होगी
- 40 मीटर लंबा और 20 मीटर चौड़ा बनाया गया है मुख्य पंडाल

ये दिग्गज करेंगे शिरकत

महारैली में पंजाब के सीएम भगवंत मान, अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल, आप के सांसद संजय सिंह, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, शिवसेना की प्रियंका चतुर्वेदी, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव, पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव, नेशनल कॉन्फ्रेंस के फारुख अब्दुल्लाह, सीपीआई माले के दीपांकर भट्टाचार्या और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के प्रतिनिधि के रूप में डेरेक ओ ब्रायन, राजद के राज्यसभा सदस्य मनोज झा सहित कई नेता उलगुलान न्याय महारैली में शिरकत करेंगे.

सेहत से खिलवाड़ हांगकांग और सिंगापुर ने अपने नागरिकों को जारी की गंभीर चेतावनी

एमडीएच व एवरेस्ट के मसाले में कैंसर वाले तत्व, न खाएं

एजेंसी। नयी दिल्ली

हांगकांग और सिंगापुर जैसे देशों में भारत की दो बड़ी खाद्य मसाला बनाने वाली कंपनियों के चार प्रोडक्ट के उपयोग करने के खिलाफ कड़ी चेतावनी जारी की है. दोनों देशों की खाद्य नियामक संस्थाओं का कहना है कि एमडीएच के तीन और एवरेस्ट के एक मसाले में इथिलीन ऑक्साइड की मात्रा काफी अधिक है, जिससे कैंसर जैसी घातक बीमारी हो सकती है. इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर ने एथिलीन ऑक्साइड को समूह 1 कार्सिनोजेन के रूप में क्लासीफाई किया है. हाल ही में अपनी वेबसाइट पर पोस्ट किए गए एक बयान में हांगकांग के खाद्य नियामक प्राधिकरण सेंटर फॉर फूड सेफ्टी (सीएफएस) ने कहा कि एमडीएच के तीन मसाला प्रोडक्ट - मद्रास करी पाउडर, सांभर मसाला और करी पाउडर मिश्रित मसाला पाउडर के अलावा एवरेस्ट के फिश करी मसाला में कीटनाशक, एथिलीन ऑक्साइड है. अब तक इस पर एमडीएच और एवरेस्ट फूड्स कंपनियों ने हांगकांग और सिंगापुर की खाद्य नियामक संस्थाओं के दावों पर कोई टिप्पणी नहीं की है.

बिक्री रोकने और उत्पादों को हटाने का निर्देश

अपनी नियमित जांच के तहत, सीएफएस ने हांगकांग में तीन खुदरा दुकानों से उत्पाद लिये. सीएफएस प्रवक्ता ने कहा, परीक्षण के नतीजों से पता चला कि नमूनों में कीटनाशक, एथिलीन ऑक्साइड है. नियामक ने विक्रेताओं को बिक्री रोकने और उत्पादों को हटाने का निर्देश दिया है. इसमें कहा गया है कि उत्पादों को वापस मंगाना शुरू कर दिया गया है.

सीएफएस प्रवक्ता ने कहा, मानव उपभोग के लिए कीटनाशक युक्त भोजन केवल तभी बेचा जा सकता है, जब भोजन की खपत स्वास्थ्य के लिए खतरनाक या प्रतिकूल न हो. इसके लिए अधिकतम 50,000 डॉलर का जुर्माना और दोषी पाए जाने पर छह महीने की कैद हो सकती है. सीएफएस ने कहा कि जांच जारी है और उचित कार्रवाई की जा सकती है.

एथिलीन ऑक्साइड बनती है कैंसर का कारण

सिंगापुर खाद्य एजेंसी ने भी एथिलीन ऑक्साइड की मात्रा तय सीमा से अधिक होने के कारण एवरेस्ट फिश करी मसाला को वापस लेने का आदेश दिया है. एजेंसी ने कहा, हालांकि एथिलीन ऑक्साइड के निम्न स्तर वाले खाद्य पदार्थ से तत्काल कोई खतरा नहीं है, लंबे समय तक लेने से स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं. जितना संभव हो उतना कम उपयोग किया जाना चाहिए. इसने उत्पादों को खरीदने वाले लोगों को इसका सेवन न करने की भी सलाह दी, और जिन लोगों को उपभोग के बाद अपने स्वास्थ्य के बारे में चिंता है, उन्हें डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए. अमेरिकी पर्यावरण संरक्षण एजेंसी के अनुसार, एथिलीन ऑक्साइड मनुष्यों में कैंसर का कारण बनता है.

चुनावी समर 2024

कांग्रेस के साहबजादे वायनाड सीट भी हारेंगे : प्रधानमंत्री

नांदेड़। पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर कटाक्ष किया और कहा कि इस चुनाव में कांग्रेस के साहबजादे वायनाड से भी

हार जाएंगे और उन्हें उसके बाद किसी सुरक्षित सीट की तलाश करनी होगी. मोदी ने नांदेड़ रैली में कहा कि उपलब्ध जानकारी से पता चलता है कि चुनाव के पहले चरण में एनडीए के पक्ष में एकतरफा मतदान हुआ है. उन्होंने प्रत्यक्ष तौर पर कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी के संदर्भ में कहा कि विपक्षी गठबंधन इंडिया के कुछ नेता लोकसभा छोड़ कर राज्यसभा में चले गए.

नरेंद्र मोदी देश में भ्रष्टाचार का स्कूल चला रहे हैं! : राहुल गांधी

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को फिर पीएम नरेंद्र मोदी पर करारा हमला बोला है. एक्स पर पोस्ट कर कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी

देश में भ्रष्टाचार का स्कूल चला रहे हैं! जहां इंटायर करप्शन साइंस विषय के तहत चंदे का धंधा समेत हर एक चैप्टर वह खुद डिटेल में पढ़ा रहे हैं. जैसे, छापे डालकर चंदे की वसूली कैसे होती है? चंदा लेकर ठेका कैसे बांटा जाता है? भ्रष्टाचारियों को धुलने वाली वाशिंग मशीन कैसे काम करती है? एजेंसियों को वसूली एजेंट बनाकर बेल और जेल का खेल कैसे होता है?

नीतीश के बिगड़े बोल, लालू पर कर गये ऐसी टिप्पणी

पूर्णिया। नीतीश कुमार ने पूर्णिया में प्रचार करते हुए लालू परिवार पर तंज कसा. उन्होंने भाई-भतीजावाद और भ्रष्टाचार को लेकर लालू पर हमला

बोला. कहा कि भ्रष्टाचार के कारण लालू को गद्दी छोड़नी पड़ी, तो उन्होंने अपनी पत्नी को सीएम बनाया. अब वह अपने बच्चों को बढ़ावा दे रहे हैं. उन्होंने कई बच्चे पैदा किए हैं. क्या किसी को इतने बच्चे पैदा करने की जरूरत है? लालू परिवार के खिलाफ अपना हमला जारी रखते हुए नीतीश ने कहा, उनकी बेटियां और दो बेटे पहले से ही सक्रिय राजनीति में हैं. वे वास्तव में क्या करते हैं?

गोड्डा में प्रदीप यादव व फुरकान अंसारी के सपोर्ट से निशिकांत दुबे को कड़ी टक्कर दे सकती हैं दीपिका पांडेय

राहुल गांधी से दीपिका, प्रदीप और इरफान के मुलाकात के निकाले जा रहे मायने

संवाददाता। रांची

कांग्रेस पार्टी के तीनों विधायक दीपिका पांडेय सिंह, प्रदीप यादव और डॉ इरफान अंसारी ने शनिवार को देवघर एयरपोर्ट पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मुलाकात की. राजनीति के गलियारों में इसके कई मायने निकाले जा रहे हैं. दीपिका पांडेय सिंह गोड्डा लोकसभा सीट से कांग्रेस की उम्मीदवार हैं. चर्चा इस बात की हो रही है कि प्रत्याशी को लेकर जो नाराजगी है, वो अब समाप्त हो गई है.

गोड्डा में दिलचस्प होगा चुनाव : गोड्डा का चुनाव काफी दिलचस्प होने वाला है. दो दिन पहले दीपिका पांडेय सिंह देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ मंदिर पूजा करने पहुंची थी. उस दौरान भी उन्होंने कहा था कि फुरकान चाचा और प्रदीप भईया के समर्थन से वह निशिकांत दुबे को कड़ी शिकस्त देंगी. बताते चलें कि बिहार के भागलपुर जाने के दौरान राहुल गांधी देवघर एयरपोर्ट पर रुके थे. यहां राहुल गांधी से मिल कर पूर्व मंत्री और राजद नेता सुरेश पासवान, कांग्रेस जिला अध्यक्ष उदय प्रकाश और झामुमो जिलाध्यक्ष ने भाजपा को हराने का संकल्प लिया. इनलोगों ने राहुल गांधी को बताया कि दीपिका पांडेय सिंह के साथ मजबूती से खड़े हैं.

अब निशिकांत के अगले कदम का इंतजार

राहुल गांधी से कांग्रेस के तीनों विधायक और विपक्षी दलों के नेताओं की मुलाकात क्या अलग रंग लाएगी या भाजपा उम्मीदवार निशिकांत दुबे इस बार प्रचार-प्रसार में निकलते हैं या नहीं, यह देखना भी दिलचस्प होगा. निशिकांत ने पहले ही कहा था कि अगर प्रदीप यादव को टिकट मिलता है, तो वह इस बार प्रचार में नहीं जाएंगे, बल्कि उस समय में वह क्रिकट खेलेंगे या चाय पीयेंगे.

गोड्डा लोकसभा में प्रत्याशी बदलने को लेकर कांग्रेसी गोलबंद, दिया अल्टीमेटम

रांची/गोड्डा। गोड्डा में कांग्रेस उम्मीदवार को बदलने के लिए कांग्रेसी गोलबंद हो रहे हैं. शनिवार को गोड्डा और पोड़ैयाहाट विधानसभा के प्रखंड स्तर से लेकर पंचायत स्तर और बूथ स्तर तक के प्रमुख कांग्रेसी कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने बैठक की. इस दौरान गोड्डा लोकसभा की घोषित प्रत्याशी दीपिका पांडेय सिंह का विरोध करते हुए प्रत्याशी बदलने की मांग की गयी. कांग्रेसजनों की प्रमुख मांग थी कि गोड्डा लोकसभा में घोषित उम्मीदवार को बदल कर किसी अल्पसंख्यक या पिछड़ा समाज के नेता को उम्मीदवार बनाया जाए. इस लोकसभा लोकसभा क्षेत्र में पिछड़ों की आबादी 90% है, जिसमें मुस्लिम करीब 18% एवं यादव 14% हैं. नेताओं ने कहा कि अगर गोड्डा से प्रत्याशी नहीं बदला जायेगा, तो सामूहिक रूप से इस्तीफा देने को मजबूर होंगे. बैठक में मुख्य रूप से गोड्डा जिला उपाध्यक्ष लड्डू मिश्रा, गोड्डा प्रखंड अध्यक्ष नवल साह, पोड़ैयाहाट प्रखंड अध्यक्ष मनोज यादव, कुंदन ठाकुर, वेणु चौबे, अंजुम अख्तर, विकास सिंह, अमरेंद्र अमर, अर्चना देवी, हरेकृष्ण मंडल आदि मौजूद थे

कांग्रेसियों ने राहुल गांधी के नारा का दिया हवाला

नेताओं ने कहा कि राहुल गांधी का नारा है कि जिसकी जितनी साझेदारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी. लेकिन, झारखंड में इसके उलट हो रहा है. झारखंड में 14 सीट में से न तो किसी अल्पसंख्यक को कोई टिकट दिया गया और न ही किसी यादव समाज को टिकट मिला. जबकि, इस समाज का 90% वोट कांग्रेस एवं सहयोगी दलों को जाता है.

दीपिका पर भाजपा से मिले होने का आरोप

कांग्रेस कार्यकर्ता दिलीप साह ने दीपिका पांडेय सिंह पर भाजपा से मिले होने का आरोप तक लगाया. गोड्डा में हुए पंचायत चुनाव में भाजपा नेता सूरज सिंह की मां को जिला परिषद का अध्यक्ष बनाने में सहयोग करने का आरोप लगाते हुए कहा कि जब यूथ कांग्रेस के प्रदेश सचिव विकास सिंह की पत्नी चेयरमैन का चुनाव लड़ रही थीं, तो इसी दीपिका पांडेय ने भाजपा का चेयरमैन बनवा दिया.

ब्रीफ खबरें

कमल भूषण हत्याकांड के आरोपी का बेल रिजेक्ट

रांची। रांची के बड़े बिल्डर और जमीन कारोबारी कमल भूषण और उसके अकाउंटेंट संजय कुमार की हत्या के दूसरे आरोपी डब्लू कुजूर के बाद उसके बेटे राहुल कुजूर को भी बेल देने से रांची सिविल कोर्ट ने इंकार कर दिया है. उसकी जमानत याचिका पर शनिवार को रांची सिविल कोर्ट के अपर न्यायायुक्त एमसी झा की कोर्ट में सुनवाई हुई. बता दें कि रांची के बड़े जमीन कारोबारी कमल भूषण की 30 मई 2022 को गोली मार कर हत्या कर दी गई थी. वहीं उनके अकाउंटेंट संजय की हत्या पांच जुलाई 2023 को की गई थी. दोनों ही हत्याकांड में डब्लू कुजूर आरोपी है.

एसटी सूची मामले में हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने लोहार जाति को एसटी सूची से बाहर करने के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र और राज्य सरकार को छह सप्ताह में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है. इस मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस आनंद सेन की कोर्ट में हुयी. खतियानी लोहार/लोहरा जनजाति समाज के अध्यक्ष अतीत कुमार की ओर से इस संबंध में हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया गया है. याचिका में कहा गया है कि लोहार संविधान के प्रारंभ से ही जनजातीय रहा है. लेकिन झारखंड अलग राज्य बनने के बाद लोहार को एसटी सूची से बिना किसी उचित कारण बताए हटा दिया गया.

पर्यावरण स्वीकृति नहीं लेनेवाले निजी भवन, मॉल, बैंक्वेट हॉल पर होगी कार्रवाई

झारखंड में 32,165 भवनों ने नहीं ली पर्यावरण स्वीकृति

रवि भारती। रांची

पर्यावरण स्वीकृति नहीं लेने वाले निजी भवनों, मॉल और बैंक्वेट हॉल के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी. झारखंड में अब तक 32,165 निजी भवन (अपार्टमेंट), मॉल और बैंक्वेट हॉल ने पर्यावरण स्वीकृति नहीं ली है. नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने आदेश दिया है कि जितने भी निजी भवन, मॉल सहित बैंक्वेट हॉल के निर्माण में पर्यावरण नियमों का उल्लंघन किया गया है, उनसे जुर्माना वसूला जाए. इस मसले पर स्टेट इंवायरमेंट इंपैक्ट असेसमेंट अथॉरिटी (शिया) सूची तैयार कर रहा है.

क्या हैं नियम : नियम के अनुसार, अगर 20 हजार वर्गमीटर (सभी फ्लोर को मिलाकर) में निर्माण कार्य हुआ है, तो पर्यावरण स्वीकृति लेना अनिवार्य है. निर्माण कार्य से पहले प्रोजेक्ट की रूपरेखा, नक्शा के साथ पूरा प्लान शिया में आवेदन के साथ जमा करना जरूरी है. इसके बाद शिया की सब कमेटी 'शियाक' इसका असेसमेंट करने के बाद ही पर्यावरण स्वीकृति देगी. वहीं जिन भवनों का निर्माण हो चुका है और पर्यावरण स्वीकृति नहीं मिली है, तो ऐसी स्थिति में 'शियाक' पर्यावरण के दुष्प्रभावों को कम करने के वैज्ञानिक उपाय भी बताएगी. इस उपायों को पूरा करना होगा.

एनजीटी मॉनिटरिंग

50 करोड़ तक ठोंका जा सकता जुर्माना, तैयार हो रही है सूची

सक्रिय हुआ स्टेट इंवायरमेंट इंपैक्ट असेसमेंट अथॉरिटी

एनजीटी ने पूछा- कितने निजी भवनों को स्वीकृति दी

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने राज्य के सभी जिलों के नगर निगम और नक्शा पास करने वाले संबंधित अथॉरिटी से पूछा है कि कितने निजी भवनों को अब तक पर्यावरण स्वीकृति मिली है. वहीं रांची नगर निगम और आरआरडीए ने पर्यावरण स्वीकृति नहीं लेने वाले भवनों की सूची भी एनजीटी को सौंपी थी, लेकिन इस पर अब तक किसी ने भी पर्यावरण स्वीकृति नहीं ली है. शिया के मुताबिक पर्यावरण स्वीकृति नहीं लेने वाले राज्यभर के भवनों पर 50 करोड़ से अधिक का जुर्माना लगाया जा सकता है. इसका भी असेसमेंट किया जा रहा है.

सरकारी भवनों को मिल चुकी है पर्यावरण स्वीकृति

राज्य में विधानसभा, हाईकोर्ट सहित सभी सरकारी भवनों को पर्यावरण स्वीकृति मिल चुकी है. वहीं स्मार्ट सिटी, अटल वेंडर मार्केट, नगर निगम ऑफिस, कलेक्टेरियट सहित जिलों के सभी सरकारी भवनों को पर्यावरण स्वीकृति मिल चुकी है. रांची के कांके रोड स्थित चांदनी चौक इलाके में 12 भवनों सहित लालपुर में पांच भवनों को अब तक पर्यावरण स्वीकृति नहीं मिली है. नियमतः शिया से प्रपोजल एप्रूव होने के बाद झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को ही कंसर्ट टू ऑपरेट और कंसर्ट टू एस्टेबलिसमेंट का सर्टिफिकेट देना है.

क्यों बनी ऐसी स्थिति

भारत सरकार द्वारा पहले पर्यावरण स्वीकृति नहीं लेने वाले भवनों के रेगुलरलाइजेशन का कोई नियम नहीं बना था. वर्ष 2021 में एनजीटी ने कहा कि जो भवन बिना पर्यावरण स्वीकृति के बन चुके हैं, उनके रेगुलरलाइजेशन के लिए नियम होना चाहिए. पर्यावरण के नुकसान को कम करने के लिए रेमिडिएशन प्लान होना चाहिए. इस आलोक में पेनाल्टी का प्रावधान भी किया गया है.

लालटेन छोड़ कर हाथी पर सवार हो गये कामेश्वर बैठा

पलामू से चुनाव लड़ेंगे पूर्व सांसद

संवाददाता। रांची

पलामू के पूर्व सांसद कामेश्वर बैठा ने लालटेन का दामन छोड़ हाथी का दामन थाम लिया है. उन्होंने राजद से इस्तीफा देकर बहुजन समाज पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली है. कामेश्वर बैठा पलामू संसदीय क्षेत्र से बसपा के टिकट पर चुनाव लड़ेंगे. बैठा ने कहा कि राष्ट्रीय जनता दल से इस्तीफा दे दिया है और बहुजन समाज पार्टी की सदस्यता ले ली है.

वह पलामू लोकसभा सीट से बहुजन समाज पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ने जा रहे हैं. उन्होंने कहा कि बीजेपी और 'इंडिया' गठबंधन एक ही सिक्के के दो पहलू हैं और दोनों आरएसएस से निकले हैं. आज देश का संविधान खतरे में है और वे शुरू से ही संविधान को बचाने के लिए संघर्ष करते रहे हैं. बैठा ने यह भी कहा कि यदि कोई पार्टी का अकेला सांसद या विधायक है, तो वह कभी भी पार्टी बदल सकता है. झारखंड में राजद का एक ही उम्मीदवार है और कुछ भी हो सकता है. आगे कहा कि पलामू संसदीय क्षेत्र के लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए उन्होंने शुरू से ही प्रयास किया है और आगे भी करते रहेंगे. कामेश्वर बैठा वर्ष 2007, 2009 और 2014 में पलामू लोकसभा सीट से सांसद का चुनाव लड़ चुके हैं.

माओवाद से निकल कर 2009 में सांसद बने थे बैठा

एक समय माओवादियों के टॉप कमांडर रहे कामेश्वर बैठा देश के पहले नेता हैं, जो माओवाद से निकलकर सांसद बने थे. वर्ष 2009 में उन्होंने जेल से ही नामांकन किया था और झामुमो के टिकट पर पलामू लोकसभा सीट से सांसद चुने गये थे. 2014 में पलामू लोकसभा सीट से उन्होंने तृणमूल कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ा था. चुनाव में उन्हें कुल 37033 वोट मिले थे. 2019 में लोकसभा का चुनाव उन्होंने नहीं लड़ा था. हालांकि, उनकी राजनीतिक गतिविधियां जारी थीं और वे राजद में शामिल हो गए थे. वे 2007 में भी पलामू लोकसभा सीट से सांसद का चुनाव लड़ चुके हैं. अब उन्होंने बसपाके टिकट पर पलामू से चुनाव लड़ने की घोषणा की है.

पासवा की बैठक आज, कई अहम मुद्दों पर होगी चर्चा

स्कूलों के समय पर होगी चर्चा

संवाददाता। रांची

झारखंड प्रदेश पासवा प्रदेश कार्यकारिणी एवं जिला अध्यक्षों की बैठक रविवार को दिन के 11 बजे से हीनू स्थित होटल शिवानी इंटरनेशनल में होगी. प्रदेश पासवा अध्यक्ष आलोक कुमार दुबे की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में पासवा प्रदेश कमेटी के गठन एवं संगठनात्मक मजबूती, आरटीई संशोधित कानून 2019 को निरस्त कर संबद्धता का मार्ग प्रशस्त करने को लेकर, 10वीं एवं 12वीं के टॉपर्स का छात्र प्रतिभा सम्मान समारोह एवं भीषण गर्मी को देखते हुए स्कूलों के संचालन की समय सारणी को लेकर चर्चा की जाएगी. रविवार को होने वाली बैठक को लेकर पासवा कोर कमेटी की शनिवार को बैठक हुई. बैठक में एजेंडे को अंतिम रूप दिया गया. कोर कमेटी की बैठक में आलोक कुमार दुबे, अरविंद कुमार, डॉ. सुषमा केरकेट्टा, संजय प्रसाद, मुजाहिद इस्लाम, आलोक विपिन टोप्पो उपस्थित थे.

23 को अर्जुन व कालीचरण दोनों खूंटी सीट से भरेंगे नामांकन पर्चा

आ गयी चुनावी परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि

अर्जुन मुंडा

कालीचरण मुंडा

समीर उरांव

सुखदेव भगत

संवाददाता। रांची

झारखंड में तापमान बढ़ने के साथ सियासी तपिश भी बढ़ती जा रही है. आहिस्ता-आहिस्ता चुनाव की तारीख भी नजदीक आती जा रही है. परचा दाखिल करने का दौर शुरू हो गया है. खूंटी संसदीय सीट से भाजपा प्रत्याशी अर्जुन मुंडा और 'इंडिया' गठबंधन से कांग्रेस प्रत्याशी कालीचरण मुंडा एक ही दिन अपना नामांकन दाखिल करेंगे. दोनों 23 अप्रैल को नामांकन दाखिल करेंगे और उसी दिन दोनों नेता लोकसभा क्षेत्र में कार्यकर्ताओं के साथ पदयात्रा भी करेंगे. नामांकन से पहले दोनों प्रत्याशी पदयात्रा के बहाने अपना शक्ति प्रदर्शन करेंगे. इसे लेकर दोनों पार्टियों ने तैयारी शुरू कर दी है.

समीर उरांव ने खरीदा पर्चा, 24 को करेंगे नामांकन : लोहरदगा से भाजपा उम्मीदवार समीर उरांव ने भी पर्चा खरीद लिया है. वे 24 अप्रैल को नामांकन दाखिल करेंगे. इसके लिए तमाम तैयारियों पर चर्चा कर निर्णय लिया गया. सभी पदाधिकारियों को प्रदेश महामंत्री और लोकसभा प्रभारी के द्वारा विभिन्न कार्यों की जिम्मेवारी दी गयी. नामांकन में समर्थक व कार्यकर्ता पहुंचें, इसके लिए भी तैयारियां की जा रही हैं.

25 अप्रैल को नामांकन दाखिल करेंगे सुखदेव भगत : लोहरदगा लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी सुखदेव भगत 25 अप्रैल को नामांकन दाखिल करेंगे. इसके लिए सारी तैयारियां कर ली गई हैं। उन्होंने गुरुवार को नामांकन पर्चा खरीद लिया था. नये समाहरणालय भवन कार्यालय में नामांकन पर्चा खरीदने पहुंचे सुखदेव भगत ने शुभ मुहूर्त देखकर गुरुवार को नामांकन पत्र खरीदा था.

पत्नी की ओर से लगाये गये रेप के आरोपों से पति मुक्त

विनीत आभा उपाध्याय। रांची

- सिविल कोर्ट ने मामले की सुनवाई करते हुए दिया महत्वपूर्ण आदेश

रांची सिविल कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण मामले की सुनवाई करते हुए पत्नी द्वारा पति पर बार- बार रेप करने के लगे सभी आरोपों से मुक्त कर दिया है. दरअसल अनिरुद्ध लकड़ा उर्फ महली पर उसकी पत्नी ने प्राथमिकी दर्ज करवाई थी. प्राथमिकी में शादी के बाद बार-बार रेप का आरोप लगाया गया था. जांच के बाद केस आइओ (जांच अधिकारी) ने आईपीसी की धारा 376(2)(एन) और 417 के तहत चार्जशीट दायर की गई थी.

चार्जशीट पर कोर्ट ने संज्ञान भी लिया था, जिसके बाद आरोपी ने रांची सिविल कोर्ट के प्रधान न्यायायुक्त दिवाकर पांडेय की कोर्ट में डिस्चार्ज पिटीशन दाखिल की थी. सरकार और अनिरुद्ध की बहस सुनने के बाद कोर्ट ने डिस्चार्ज पिटीशन को स्वीकार कर लिया है. इससे अनिरुद्ध अपनी पत्नी द्वारा लगाए गयी सभी आरोपों से मुक्त हो गया है और अब उसके खिलाफ ट्रायल भी नहीं चलेगा.

डोरंडा थाने में दर्ज हुआ था मामला : अनिरुद्ध पर रांची के डोरंडा थाना में वर्ष 2021 में कांड संख्या 288 दर्ज कराया गया था. आरोपी अनिरुद्ध की ओर से अधिवक्ता सूरज वर्मा ने इस मामले में बहस की. उन्होंने अपनी दलील में झारखंड हाईकोर्ट के कई आदेशों का हवाला देते हुए डिस्चार्ज पिटीशन स्वीकार करने का आग्रह कोर्ट से किया. वहीं राज्य सरकार की ओर से लोक अभियोजक अनिल सिंह ने बहस करते हुए आरोपी के वकील द्वारा पेश की गयी दलीलों का पुरजोर विरोध किया.

किसी कांड की फाइनल रिपोर्ट को लेकर डीजीपी ने दिए दिशा-निर्देश

15 बिंदुओं की गाइडलाइन जारी

सौरभ सिंह। रांची। किसी भी कांड की फाइनल रिपोर्ट को लेकर झारखंड के डीजीपी अजय कुमार सिंह ने 15 महत्वपूर्ण बिंदुओं का गाइडलाइन जारी की है. डीजीपी अजय कुमार सिंह की ओर से जारी निर्देश में कहा गया है कि डब्लू कुजुर बनाम झारखंड व अन्य में सुप्रीम कोर्ट द्वारा 12 मार्च 2024 को पारित आदेश के अनुपालन में किसी कांड का अनुसंधान पूर्ण होने पर थाना के आईओ द्वारा धारा 173 के अंतर्गत 15 महत्वपूर्ण बिंदुओं का उल्लेख का निर्देश दिया जाता है.

डीजीपी की महत्वपूर्ण गाइडलाइन

- पक्षकारों का नाम.
- सूचना का स्वरूप.
- मामले की परिस्थिति से परिचित प्रतीत होने वाले व्यक्तियों का नाम.
- क्यों कोई अपराध किया गया प्रतीत होता है और यदि किया गया प्रतीत होता है तो किसके द्वारा.
- क्या अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया गया है.
- क्या अभियुक्त जमानत पर छोड़ दिया गया है? अगर हा तो क्या जमानतदारों के साथ या बिना उनके साथ.
- क्या अभियुक्त को धारा 170 के अधीन अभिरक्षा में भेजा जा चुका है.
- जहां धारा 376, 376ए, 376 बी, 376 सी, 376 डी, 376 डी ए, 376 डी बी, या 376ई के अधीन किसी अपराध के संबंध में है, वहां क्या महिला की मेडिकल रिपोर्ट दी गई है.
- अनुसंधान पूर्ण होने पर अभियुक्त के खिलाफ अगर प्रयाप्त साक्ष्य या संदेह का उचित आधार नहीं है, जिससे अभियुक्त को मजिस्ट्रेट के पास भेजना सही नहीं है तो थाना प्रभारी अपने प्रतिवेदन में स्पष्ट रूप से धारा 169 का अनुपालन करें.
- कांड की अनुसंधान की स्थिति में थाना के आईओ को अतिरिक्त मौखिक या दस्तावेज साक्ष्य मिले, वहां वह ऐसे साक्ष्य के संबंध में अतिरिक्त रिपोर्ट मजिस्ट्रेट को भेजेगा.
- आरोप पत्र दाखिल करने के दौरान पुलिस हस्तक नियम 174 (ख) और 175 में दिए प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित करेंगे.
- सभी जिले के एसपी, एसएसपी फाइनल रिपोर्ट में भेजे जाने वाले आवश्यक साक्ष्य, तथ्यों का समावेश किया गया है या नहीं. इस संदर्भ में सभी पदाधिकारियों के लिए एक चेक लिस्ट उपलब्ध कराएंगे.
- सभी एसपी, एसएसपी, एटीएस एसपी को निर्देशित किया जाता है कि सभी निर्देश का पालन कराएंगे. और इसकी मासिक समीक्षा करेंगे.

अलर्ट राजधानी रांची सहित सूबे के 14 जिलों में दिखेगा हीट वेव का असर, कहर बरपाएगी गर्मी

भीषण गर्मी की चपेट में झारखंड, पारा पहुंचा 45 डिग्री सेल्सियस

संवाददाता। रांची

झारखंड भीषण गर्मी की चपेट में आ गया है. पारा 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है. 10 जिलों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार है. इनमें जमशेदपुर, डालटनगंज, बोकारो, चाईबासा, देवघर, गिरिडीह, गढ़वा, सारयकेला-खरसांवा और गोड्डा में गर्मी कहर बरपा रही है. मौसम विभाग के अनुसार आनेवाले दिनों में तापमान में और बढ़ोतरी हो सकती है. वहीं, बहरागोड़ा में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस हो गया है. राजधानी रांची में भी अगले एक-दो दिनों में अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी हो सकती है. राजधानी के आसपास के इलाकों में हीट वेव की स्थिति बन सकती है.

22 और 23 को कुछ हिस्सों में बारिश

मौसम विभाग केंद्र के अनुसार, 22 और 23 अप्रैल को राज्य के कुछ हिस्सों में बारिश हो सकती है. इससे एक-दो दिनों में गर्मी से हल्की राहत के अनुमान हैं. मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने हीट वेव की चेतावनी दी है. उन्होंने कहा कि 21 अप्रैल को पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला-खरसांवा, बोकारो, धनबाद, रामगढ़, रांची, पलामू, गढ़वा, देवघर, जामताड़ा, दुमका, पाकुड़, गोड्डा और साहेबगंज में हीट वेव चलने की संभावना जतायी गयी है.

किस जगह कितना तापमान

- 10 जिलों में तापतान 40 डिग्री सेल्सियस के पार

शहर	तापमान (डिग्री से.)
रांची	38.4
बहरागोड़ा	45.0
जमशेदपुर	43.2
डालटनगंज	43.2
बोकारो	44.1
चाईबासा	42.6
देवघर	41.9
गिरिडीह	40.4
गढ़वा	42.5

भीषण गर्मी को देखते हुए स्कूलों के समय में बदलाव

रांची। भीषण गर्मी को देखते हुए राज्य सरकार ने सरकारी और निजी स्कूलों के समय में परिवर्तन कर दिया है. 22 अप्रैल यानी सोमवार से बदले हुए समय से कक्षाएं संचालित की जाएंगी. केजी से आठवीं तक की कक्षा सुबह सात से दिन के 11:30 बजे तक चलेंगी. वहीं नौवीं से 12वीं तक की कक्षाएं सुबह सात से दोपहर 12 बजे तक चलेंगी. स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने इसका आदेश जारी कर दिया है.

और क्या है आदेश में : स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने आदेश में कहा गया है स्कूल अवधि में प्रार्थना सभा या खेलकूद या अन्य गतिविधियां धूप में नहीं की जा सकेंगी. इस दौरान मध्याह्न भोजन जारी रहेगा. इस अवधि में बच्चों की पढ़ाई में होनेवाली क्षति की भरपाई के संबंध में अलग से निर्णय लेते हुए सूचित किया जाएगा. शिक्षा विभाग के अनुसार, अगले आदेश तक यही टाइमिंग जारी रहेगी.

महारैली से विधायक लोबिन का किनारा, कहा-

रैली में क्यों जाएं, झामुमो में ऐसी क्या कमजोरी आ गयी?

प्रमुख संवाददाता। रांची

एक ओर झामुमो उलगुलान न्याय महारैली में अपनी ताकत दिखाएगा, वहीं पार्टी के वरिष्ठ विधायक लोबिन हेंब्रम ने इस महारैली को लेकर सवाल उठाये हैं. सवाल किया है कि आखिर इस रैली में क्यों जाएं? ऐसी क्या कमजोरी आ गयी है झामुमो में? वे शनिवार को पाकुड़ में मीडिया से बातचीत कर रहे थे.

उन्होंने कहा कि आज पूरे गठबंधन के साथ उलगुलान किया जा रहा है. अगर ऐसा कुछ था भी, तो इसके लिए झामुमो अकेला ही काफी था. आगे कहा कि झामुमो सहयोगी दलों और गठबंधन के साथ उलगुलान करे, वह स्वतंत्र है. पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का केस अभी कोर्ट में है. आगे जो होना है, होगा ही.

गुरुजी ने सच्चाई की लड़ाई लड़ी: लोबिन हेंब्रम ने कहा कि जब गुरुजी (शिबू सोरेन) अकेले झारखंड राज्य के लिए आंदोलन कर रहे थे, तब तो उनके साथ कोई गठबंधन नहीं था. लेकिन उन्होंने सच्चाई की लड़ाई थी. उनकी अगुवाई में कई लोगों ने अपनी कुर्बानी दी. कई लोगों पर केस भी चला. बहुत बच्चे अनाथ भी हुए. फिर राज्य अलग हुआ, तो फिर किस बात की कमजोरी है झामुमो में. हम महारैली में जानेवाले नहीं हैं.

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in रविवार 21 अप्रैल 2024 चैत्र शुक्ल पक्ष 13 , संवत 2081 पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~8~~ वर्ष : 2, अंक : 13 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

पर्यावरण संरक्षण की मुहिम : डीएफओ ने लिया संज्ञान, कहा- पेड़ों की कटाई या छेड़छाड़ नहीं की जाएगी बर्दाश्त

अवैध ईंट भट्ठा संचालकों के खिलाफ फॉरेस्ट एक्ट के तहत होगी कार्रवाई

रणजीत कुमार सिंह । धनबाद

धनबाद के बोरागढ़ में अवैध भट्ठा संचालकों द्वारा पेड़ काटने और मिट्टी काट कर जमीन बर्बाद करने की खबर धनबाद के डीएफओ तक पहुंची है. डीएफओ विकास पालिवाल धनबाद जिला पर्यावरण संरक्षण समिति के सचिव भी हैं. उन्होंने कहा कि यदि अवैध ईंट भट्ठा संचालक वन भूमि में किसी तरह की गड़बड़ी कर रहे हैं, तो उनके खिलाफ वन संरक्षण अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी.

उन्होंने कहा कि पर्यावरण के साथ छेड़छाड़ करने वालों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. कहा कि वे इस मामले को पर्यावरण समिति की बैठक में रखेंगे. इस समिति में जिला के उपायुक्त भी सदस्य होते हैं. बता दें

शुभम संदेश इंपैक्ट

कि धनबाद में दशकों से 220 से भी अधिक अवैध ईंट भट्ठों का संचालन बेखौफ चल रहा है. स्थानीय स्तर पर अवैध भट्ठा संचालक पुलिस आदि से सेटिंग-गेटिंग कर अपन कारोबार चला रहे हैं. इन भट्ठों के कारण पर्यावरण को भारी क्षति का सामना करना पड रहा है. भूगर्भ जल का स्तर भी गिर रहा है और इलाके में पेड़ों की संख्या में भी कमी आ रही है. शुभम संदेश इस मसले को प्रमुखता से उजागर करने का काम कर रहा है. इसके तहत बोरागढ़ ओपी व झरिया थाना क्षेत्र के ईंट भट्ठा संचालकों को बेनकाब किया गया है.

पर्यावरण समिति के समक्ष रखा जाएगा मामला

विकास पालिवाल
डीएफओ, धनबाद

मिट्टी काट कर पेड़ को छतरी बना दे रहे हैं भट्ठा माफिया

अवैध ईंट भट्ठा संचालक बेतरतीब तरीके से मिट्टी का दोहन करते हैं. पेड़ों के जड़ को छोड़ कर तना तक की मिट्टी खोद कर निकाल ली जाती है. इस कारण जमीन पर लगे पेड़ खुद ब खुद गिर जाते हैं. कुछ जगहों पर पेड़ों को ही काट कर उनका नामोनिशान तक खत्म कर दिया गया है. जबकि, कुछ पेड़ों को छतरी बना कर छोड़ दिया गया है. यह पेड़ कुछ दिनों में खुद सूख कर गिर जाएंगे. बोरागढ़ इलाके में दर्जन भर स्थानों में मिटटी काट कर पेड़ों के जड़ों को खोखला कर दिया गया है. सिर्फ इतना ही नहीं इन पेड़ों के डाल आदि भी काट लिए जाते हैं, ताकि पेड़ जल्द से जल्द गिर जाएं.

बोरागढ़ के अवैध भट्ठा संचालक

1. उपेंद्र पासवान
2. गुड्डू पासा
3. राजेश सिंह
4. विनोद सिंह
5. अशोक सिंह
6. मुख्तार खान
7. शेख सुल्तान
8. राय ब्रदर्स
9. लूटन रवानी
10. चमन सिंह
11. झगडूं सिंह
12. मो. डोमन
13. नेपाली
14. डिस्को

ब्रीफ खबरें

कम नंबर आने पर छात्रा ने खाया कीटनाशक

गोड्डा। मैट्रिक परीक्षा में अपेक्षा से कम नंबर आने से परेशान एक छात्रा ने कीटनाशक दवा खा ली. घटना शुक्रवार शाम पथरगामा प्रखंड के तुलसीकिता गांव की है. उच्च विद्यालय पथरगामा की उक्त छात्रा मैट्रिक परीक्षा में प्रथम श्रेणी से पास कर गई, लेकिन उसकी उम्मीद के अनुरूप नंबर नहीं मिलने से वह परेशान थी. देर शाम उसने कीटनाशक खा ली, जिससे उसकी तबीयत बिगड़ने लगी. आनन-फानन में परिजन उसे स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां डॉक्टर ने सदर अस्पताल गोड्डा रेफर कर दिया. वहां छात्रा का इलाज चल रहा है.

पंकज त्रिपाठी के बहनोई की सड़क हादसे में मौत

धनबाद। निरसा में जीटी रोड पर बॉलीवुड कलाकार पंकज त्रिपाठी के बहनोई की सड़क हादसे में मौत हो गई, जबकि बहन गंभीर रूप से जख्मी है. उन्हें एसएनएमएमसीएच में भर्ती कराया गया है. जानकारी के अनुसार पंकज त्रिपाठी के बहनोई राजेश तिवारी और बहन सविता तिवारी बिहार के गोपालगंज से कोलकाता जा रहे थे. निरसा चौक के पास शनिवार की शाम उनकी कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई. हादसे में दोनों गंभीर रूप से जख्मी हो गए. दोनों को एसएनएमएमसीएच भेजा गया. चिकित्सकों ने पंकज त्रिपाठी के बहनोई को मृत घोषित कर दिया.

सामाजिक सुरक्षा को लेकर अर्थशास्त्री ज्यां द्रेज और रीतिका खेरा का दावा

न नौकरी, न पर्याप्त मजदूरी, न राहत

- देश में वास्तविक मजदूरी 2014-15 के बाद से नहीं बढ़ी
- समय पर होता ही नहीं है नरेगा का ज्यादातर भुगतान

प्रवीण कुमार। रांची

भारत में वास्तविक मजदूरी 2014-15 के बाद से नहीं बढ़ी है, जबकि देश की जीडीपी जरूर बेहतर हुई है. इस दौरान देश की सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था भी थम सी गई है. देश के अनौपचारिक श्रमिकों का जीवन बेहद अनिश्चित है, खासकर झारखंड जैसे राज्यों में, जहां अनौपचारिक रोजगार लाखों लोगों की आजीविका का मुख्य स्रोत है. यह कहना है अर्थशास्त्री ज्यां द्रेज और रीतिका खेरा का. वे लोकतंत्र बचाओ 2024 अभियान की प्रेस वार्ता में मीडिया से मुखातिब थे.

उन्होंने कहा कि 2014-15 के बाद से वास्तविक मजदूरी में नहीं के बराबर बढ़ोतरी के साक्ष्य पांच अलग-अलग स्रोतों से उपलब्ध हैं, जिनमें से तीन आधिकारिक हैं. श्रम ब्यूरो डेटा, पिरियोडिक लेबर फोर्स सर्वे, कृषि मंत्रालय, सेंटर फॉर मॉनिटरिंग द इंडियन इकोनॉमी और सेंटर फॉर लेबर रिसर्च एंड ऑक्शन. इनमें से सबसे महत्वपूर्ण स्रोत श्रम ब्यूरो की ग्रामीण भारत में मजदूरी दर की श्रृंखला है. ऐसी ही स्थिति अधिकांश व्यवसायों, कृषि और गैर-कृषि पर लागू होती है.

मध्याह्न भोजन के बजट में 40% की गिरावट : वर्ष 2014 में जब मोदी सरकार सत्ता में आई, तब तक अनौपचारिक क्षेत्र पर पांच सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों का सकारात्मक प्रभाव पड़ना शुरू हो गया था. इसमें सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस), राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (नरेगा), मातृत्व लाभ, सामाजिक सुरक्षा पेंशन और आईसीडीएस व मध्याह्न भोजन कार्यक्रम के तहत बाल पोषण योजनाएं शामिल हैं. इन पांचों सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों को एनडीए ने किसी न किसी तरह से कमजोर कर दिया है. पिछले 10 वर्षों में आईसीडीएस और मध्याह्न भोजन के लिए केंद्रीय बजट में वास्तविक रूप से 40% की गिरावट दर्ज की गयी है.

स्थिर हो गयी नरेगा मजदूरी दर

ज्यां द्रेज व रितिका खेरा ने कहा कि आंकड़े यह भी बताते हैं कि मातृत्व लाभ प्रति परिवार एक बच्चे तक सीमित कर दिया गया है. राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम के तहत सामाजिक सुरक्षा पेंशन में केंद्रीय योगदान मात्र 200 रुपये प्रति माह पर स्थिर हो गया है. नरेगा मजदूरी दर वास्तविक रूप से स्थिर हो गई है और ज्यादातर भुगतान समय पर नहीं मिलता है. वहीं 2021 में जनगणना का वर्तमान आंकड़ा नहीं होने के कारण पुराने आंकड़ों का इस्तेमाल करने की वजह से करीब 10 करोड़ से अधिक व्यक्ति अभी भी पीडीएस से बाहर है. झारखंड में ही करीब 44 लाख योग्य लोगों को अभी भी राशन नहीं मिल रहा है.

पहले की तुलना में योजनाओं पर खर्च गिर गया

अगर पुरानी और नई कल्याणकारी योजनाओं पर केंद्र सरकार का खर्च जीडीपी) के हिस्से के रूप में समझने की कोशिश की जाए, तो पता चलेगा कि मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद पहले की तुलना में योजनाओं पर खर्च गिर गया है. सिर्फ कोविड-19 संकट के दौरान एक संक्षिप्त वृद्धि हुई थी. मोदी सरकार अक्सर पुरानी योजनाओं का नाम बदल कर उसे अपनी योजना से बदल लेती है. ये चीजें यूपीए सरकार के तहत हुए सामाजिक सुरक्षा के बदलावों के विपरीत हैं. एनडीए सरकार अपने उदार कल्याण खर्च के लिए लोगों के बीच जानी जाती है, लेकिन यह दावा आंकड़ों और तथ्यों में नहीं दिखता है.

पसंदीदा योजनाओं में खर्च बढ़ा कर भरपाई

एनडीए सरकार ने थोड़ा बहुत शौचालय (स्वच्छ भारत), एलपीजी कनेक्शन (उज्ज्वला योजना) और प्रधानमंत्री आवास जैसी अपनी पसंदीदा योजनाओं में खर्च बढ़ा कर इस गिरावट की भरपाई की है. इन योजनाओं की उपलब्धियां मोदी सरकार के दावों से बेहद कम हैं. उदाहरण के लिए, एनडीए सरकार ने 2019 में भारत को 'खुले में शौच मुक्त' घोषित किया, लेकिन 2019-21 के एनएफएचएस-5 डेटा से पता चलता है कि करीब 20% घरों में शौचालय की सुविधा नहीं थी.

'पानी नहीं तो वोट नहीं' के नारों के साथ बेमियादी अनशन शुरू

संवाददाता। जमशेदपुर

लौहनगरी में गर्मी आते ही पानी की समस्या शुरू हो जाती है. इस बार लोकसभा चुनाव में यहां के बाशिंदों के लिए पानी एक बड़ा मुद्दा है. बीते दिनों मानगो वासियों ने पानी के लिए वोट बहिष्कार की चेतावनी दी थी. ऐसा ही कुछ नजारा जुगसलाई में देखने को मिला. जहां पानी की समस्या को लेकर सफीगंज मुहल्ला के लोग जुगसलाई नगर पालिका कार्यालय के बाहर बेमियादी धरने पर बैठ गए. बस्तीवासी 'पानी नहीं तो वोट नहीं' के नारे लगा रहे थे.

बूंद- बूंद पानी के लिए तरस रहे लोग: बस्तीवासियों का कहना था कि बस्ती में बीते 45 दिनों से नलों में पानी नहीं है. हालांकि नगरपालिका द्वारा टैंकरों से पानी की सप्लाई की जा रही है पर वो नाकाफी है. लोगों का कहना है कि हर महीने पानी का टैक्स देते हैं, बावजूद इसके उनके घरों में पानी की सप्लाई नहीं है. इससे बस्ती के सैकड़ों परिवारों को काफी समस्या का सामना करना पड़ रहा है. बस्तीवासी होली, चैत्र नवरात्र और रामनवमी जैसे पर्व में भी पानी के लिए तरस गये. कई बार इसकी शिकायत उपायुक्त एवं पीडब्ल्यूडी के अधिकारी सुमित कुमार से की गई, पर अबतक कोई भी उचित कदम नहीं उठाया गया. इसके बाद सभी ने धरना प्रदर्शन करने का निर्णय लिया है.

कार्यपालक पदाधिकारी ने दिया आश्वासन : धरना के बाद बस्ती के लोगों ने नगरपालिका के कार्यपालक पदाधिकारी मोटाय बानरा, पीडब्ल्यूडी और जुगसलाई थाना प्रभारी के साथ बैठक की. बैठक में कार्यपालक पदाधिकारी ने आश्वासन दिया कि शाम साढ़े पांच बजे तक सभी के घरों में किसी भी तरह पानी की सप्लाई को चालू कर दिया जाएगा. हालांकि आश्वासन के बाद भी बस्तीवासी धरने पर बैठे हैं. बस्तीवासियों को कहना है कि जब तक पानी की सप्लाई शुरू नहीं हो जाती, वे लोग धरने पर बैठे रहेंगे.

खास बातें

- नप कार्यालय के बाहर धरने पर बैठे सफीगंज के बाशिंदे
- 45 दिनों से सफीगंज में पूरी ताह ठप है पेयजल आपूर्ति

पीएलएफआई एरिया कमांडर समेत दो गिरफ्तार

संवाददाता। चाईबासा

पुलिस ने गोईलकेरा थाना क्षेत्र के चितिर पहाड़ी के पास से पीएलएफआई के एरिया कमांडर समेत दो उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार पीएलएफआई उग्रवादियों की पहचान एरिया कमांडर सोमा हेंब्रम और बिरसा खंडाइत के रूप में हुई है. पुलिस ने इनके पास से दो एके 47, नौ मैगजीन, 188 कारतूस, 50 हजार रुपये नकद और मोबाइल बरामद किया है.

मिली सफलता

- गोईलकेरा इलाके के चितिर पहाड़ी के पास से गिरफ्तारी
- दो एके 47, मैगजीन, 188 गोली व 50 हजार कैश बरामद

बता दें कि सोमा हेंब्रम के खिलाफ चाईबासा और खूंटी जिले के अलग-अलग थानों में 11 मामले दर्ज हैं, जबकि बिरसा खंडाइत के ऊपर तीन मामले दर्ज हैं. एसपी आशुतोष शेखर को शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि गोईलकेरा थाना क्षेत्र के जंगली और पहाड़ी क्षेत्र में एरिया कमांडर सोमा हेंब्रम उर्फ नाजोम अपने दस्ता के कुछ सदस्यों के साथ भ्रमणशील है. वह गोईलकेरा व आनंदपुर थाना क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों को बंद कराने की धमकी देते हुए संवेदकों से लेवी की मांग कर रहा है. एसपी के निर्देश पर गठित पुलिस टीम ने दोनों उग्रवादियों को गिरफ्तार कर लिया.

ओरमांझी में छोटे-छोटे फुटबॉल खिलाड़ियों से मिले सचिन तेंदुलकर, बच्चों के साथ खूब की मस्ती

बच्चों संग खेलते हुए क्रिकेट के भगवान को याद आया बचपन

शुभम किशोर। रांची

महान क्रिकेटर और क्रिकेट के भगवान कहे जानेवाले सचिन तेंदुलकर और उनकी पत्नी डॉ. अंजलि तेंदुलकर शनिवार सुबह रांची पहुंचे. यहां बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर उनका भव्य स्वागत हुआ. एयरपोर्ट पर सचिन ने कहा कि वे युवा फाउंडेशन के साथ सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन के लिए भी काम करते हैं. उसी सिलसिले में छोटे-छोटे फुटबॉल खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने यहां आये हैं.

एयरपोर्ट पर रांची डीसी राहुल कुमार सिन्हा समेत जिला प्रशासन के कई अधिकारी मौजूद थे. एयरपोर्ट से निकल कर

सचिन और अंजलि युवा फाउंडेशन के ओरमांझी स्थित अकादमी पहुंचे. वहां वे बच्चों के साथ खेलते दिखे. उन्होंने बच्चों को प्रैक्टिस करते हुए देखा. सचिन बच्चों से काफी घुलते हुए दिखे. उन्होंने बच्चों के साथ तस्वीर भी खिंचवाई. वहां सचिन ने कहा कि फाउंडेशन के कारण आज पहली बार रांची की ट्रिप हुयी है. उन्होंने बताया कि सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन खेल, स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में काम करता है. आज बच्चों ने उनका दिन खास बनाया. वे बच्चों के साथ काफी खुश महसूसी कर रहे थे.

सभी माता-पिता अपने बच्चों को सपोर्ट करें : सचिन ने बच्चों को देखकर अपना बचपन याद किया. उन्होंने बताया कि बच्चों के साथ उन्होंने केक भी काटा. युवा फाउंडेशन की भी सचिन ने तारीफ की. उन्होंने बच्चों के परिजनों को भी संदेश दिया कि बच्चों को सपोर्ट करें, एक दिन वो आपकी चेहरे पर मुस्कान लायेंगे.

सुनहरा अवसर भारतीय रेलवे में 13 लाख और धनबाद रेल मंडल में हैं 24 हजार रेलकर्मी

कर्मियों के बेटे-बेटियों को इंजीनियर-डॉक्टर बनाएगा रेलवे

राजा गुप्ता। धनबाद

भारतीय रेलवे के 13 लाख कर्मियों के एक-एक बेटे-बेटियों को अपने खर्च पर पढ़ा लिखाकर इंजीनियर और डॉक्टर बनाएगी. इतना ही नहीं स्कूल और उच्च शिक्षा की पढाई के लिए किताब-कॉपी के पैसों के साथ-साथ स्कूल फीस, हॉस्टल खर्च भी देगी. भारतीय रेलवे की इस योजना से रेलकर्मी परिवार में खुशी की लहर है. रेलवे सूत्रों के अनुसार, धनबाद रेल मंडल में 24 हजार और भारतीय रेलवे के 74 रेल मंडलों में लगभग 13 लाख रेलकर्मी है. रेलकर्मी परिवार महंगाई के जमाने में अपने बच्चों को पढ़ाई लिखा कर उच्च शिक्षा नहीं दिला पाते हैं. वर्तमान समय में अधिकतर लोग चाहते हैं कि उनके

अच्छी पहल

- एक रेलकर्मी के एक बेटा या बेटी को मिलेगी सुविधा
- रेलकर्मी को ऑनलाइन फॉर्म भेजना होगा मुख्यालय

बेटे-बेटियां पढ़ लिख कर इंजीनियर व डॉक्टर बने, लेकिन इसमें काफी खर्च होता है. हर रेलकर्मी के लिए यह संभव नहीं है कि वे अपने बच्चों को महानगरों में भेज पढ़ा लिखा कर इंजीनियर व डॉक्टर बना सकें. इंजीनियरिंग व मेडिकल की पढ़ाई में लाखों रुपये खर्च होते हैं. पूर्व में यूनियन की ओर से भी रेलवे मंत्रालय व रेलवे बोर्ड से मांग की गई थी.

खर्च का ब्योरा देने पर मिलेगा पैसा

रेलवे सूत्रों के अनुसार, रेलकर्मी को ऑनलाइन फॉर्म भर कर मुख्यालय भेजना होगा. इसमें स्कूल, हॉस्टल, मेडिकल व इंजीनियरिंग कॉलेज के नाम के साथ-साथ खर्च का पूरा ब्योरा सबूत के साथ देना होगा. उसके बाद रेलकर्मी के खाते में पैसा भेजा जाएगा. एक रेलकर्मी के एक ही बेटा या बेटी को यह सुविधा मिलेगी. चतुर्थवर्गीय रेलकर्मी बताते हैं कि उन्हें प्रतिमाह 30 से 40 हजार रुपये के बीच तनख्वाह मिलती है. इसमें पीएफ समेत कई मद का पैसा कट जाता है. सबकुछ काट कर 25 से 30 हजार के आसपास अकाउंट में पैसा आता है.

बच्चों को इंजीनियर-डॉक्टर बना पाना किसी सपने से कम नहीं

रेलवे के चतुर्थवर्गीय कर्मियों महंगाई के जमाने में पारिवारिक खर्च उठाना मुश्किल है. इतने कम तनख्वाह में बच्चों को किसी तरह सरकारी या छोटे-मोटे प्राइवेट स्कूल पढ़ा पाते हैं. बच्चों को इंजीनियर व डॉक्टर बना पाना सपना देखना के समान है. किसी प्रतियोगिता में पास कर कहीं किसी विभाग में चतुर्थवर्गीय पद पर नौकरी मिल जाती है, तो ऐसा लगता है कि जैसे भगवान मिल गया है. वरना कहीं प्राइवेट नौकरी या छोटा-मोटा काम करना पड़ता है.

शशि सिंह ने मारी थी मेरे पति को गोली

- सुरेश सिंह हत्याकांड में पत्नी व बेटे अजय का बयान दर्ज
- वारदात के बाद से फरार है मुख्य आरोपी शशि सिंह, इनाम घोषित

संवाददाता। धनबाद

कोयला कारोबारी सुरेश सिंह हत्याकांड की सुनवाई शनिवार को जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत में हुई. इस दौरान सुरेश सिंह की पत्नी मनोरमा सिंह, पुत्र अजय सिंह और रणविजय सिंह पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था के बीच कोर्ट पहुंचे. अपर लोक अभियोजक राजीव उपाध्याय ने मनोरमा सिंह व अजय सिंह का बयान अदालत में दर्ज कराया. आरोपी आलोक श्रीवास्तव व प्रमोद लाला, मोनू सिंह की ओर से अधिवक्ता अभय सिन्हा व बबन श्रीवास्तव ने प्रतिपरीक्षण किया.

इस बाबत जानकारी देते हुए अधिवक्ताद्वय ने बताया कि सुरेश सिंह की पत्नी मनोरमा सिंह व पुत्र अजय सिंह ने अपने बयान में शशि सिंह द्वारा सुरेश सिंह को गोली मारने की बात बताई गई है. दोनों ने कहा कि उन्होंने घटना को आंखों से नहीं देखा. सुनवाई के दौरान आरोपी प्रमोद श्रीवास्तव, मोनू सिंह हाजिर नहीं थे, जबकि आलोक वर्मा की ओर से प्रतिनिधित्व का आवेदन दायर किया गया था. शशि सिंह इस मामले में पुलिस द्वारा फरार घोषित किया जा चुका है. अदालत ने अभियोजन को गवाह पेश करने का आदेश देते हुए अगली तारीख निर्धारित कर दी है. अदालत से बाहर निकालने के बाद रणविजय सिंह ने कहा कि उसे अदालत पर पूरा भरोसा है. मनोरमा सिंह और अजय सिंह की गवाही हुई.

रिसेप्शन पार्टी में मारी थी गोली

7 दिसंबर 2011 की रात्रि धनबाद क्लब में रोहित सिंह के रिसेप्शन पार्टी में सुरेश सिंह की गोली मार कर हत्या कर दी गई थी. सुरेश के पिता तेजनारायण सिंह की शिकायत पर शशि सिंह, संजीव सिंह, रामधीन सिंह के विरुद्ध धनबाद थाने में कांड संख्या 994/11 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी. करीब पांच माह के अनुसंधान के बाद 20 मई 2012 को पुलिस ने शशि सिंह, प्रमोद लाला, मोनू सिंह, आलोक वर्मा के विरुद्ध आरोप पत्र दायर कर दिया था. पुलिस ने शशि को फरार दिखाते हुए आरोप पत्र दायर किया था. आरोप पत्र में शशि को शूटर बताया गया था. इसके बाद से अभी तक शशि सिंह पुलिस की पकड़ से फरार है.

ब्रीफ खबरें

युवा मतदाताओं को किया गया जागरूक

गढ़वा। लोकसभा आम निर्वाचन के मद्देनजर यूनिवर्सल आइडियल सेवा समिति, स्किल सेंटर रंका में स्वीप कार्यक्रम के तहत 18 वर्ष से अधिक आयुवर्ग के मतदाताओं को जागरूक किया गया. वैसे मतदाता जो पहली बार मतदान करेंगे, उनके बीच मतदाता जागरूकता कार्यक्रम चलाकर वोटिंग के लिए प्रोत्साहित किया गया. मौके पर जिला नियोजन पदाधिकारी नीरज कुमार ने नये मतदाताओं को ईवीएम, वीवीपैट की जानकारी दी. 13 मई को पलामू लोकसभा क्षेत्र में वोट करने की अपील की गई. मौके पर यूएनडीपी प्रकाश कुमार एवं यंग प्रोफेशनल हिमांशु कुमार मौजूद थे.

पाटन मंडल भाजपा के पंचायत प्रभारियों की बैठक आज होगी

मेदिनीनगर। पाटन प्रखंड अंतर्गत हिसरा बरवाडीह गांव स्थित बीरबहादुर मेहता के स्कूल में 21 अप्रैल को पाटन मंडल भाजपा के पदाधिकारी की बैठक सुबह 11 बजे से होगी. बैठक में प्रखंड क्षेत्र के पंचायत संयोजक, सह संयोजक, सभी पंचायत प्रभारी, सभी बूथ अध्यक्षों को अपनी 31 सदस्यीय बूथ कमेटी के साथ आमंत्रित किया गया है. इस संबंध में पाटन भाजपा मंडल अध्यक्ष संजय सिंह ने बताया कि बैठक में मुख्य अतिथि पूर्व सांसद मनोज कुमार व पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष सह छतरपुर विस चुनाव प्रभारी नरेन्द्र कुमार पाण्डे उपस्थित रहेंगे.

शहर में कई जगह चला वाहन चेकिंग अभियान

मेदिनीनगर। पलामू एसपी रिश्मा रमेशन के निर्देश पर डाल्टनगंज शहर थाना अंतर्गत सभी चौक चौराहों पर वाहनों की चेकिंग की गई. ट्रैफिक प्रभारी समाल अहमद के नेतृत्व में छः मुहान सहित अन्य जगह पकड़े गए दो पहिया और चार पहिया वाहनों की सघन जांच की गई. जांच के दौरान कुछ दो पहिया वाहन चालक बगैर हेलमेट और ट्रिपल लोड पकड़े गये. पकड़े गए लोगों को जुर्माना के लिए परिवहन कार्यालय भेजा गया. जांच अभियान अंतर्गत बाजार क्षेत्र में ट्रैफिक नियम के विरुद्ध रोड लाइन के बाहर खड़े दो पहिया हुआ चार पहिया वाहन को जब्त कर शहर थाना लाया गया.

आठ केंद्रों पर झारखंड संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा आज

मेदिनीनगर। मेदिनीनगर अनुमंडल के आठ परीक्षा केंद्रों पर 21 अप्रैल को झारखंड संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा आयोजित होगी. परीक्षा सुबह 10:30 बजे से 12:30 बजे तक संचालित होगी. परीक्षा परीक्षा में कदाचार रोकने एवं सुरक्षा को लेकर सदर एसडीओ अनुराग कुमार तिवारी ने परीक्षा केंद्रों के आसपास के 100 गज की परिधि में धारा 144 लागू कर दी है. इस दौरान परीक्षा केंद्र परिसर से 100 गज की दूरी में किसी को भी रहने की अनुमति नहीं होगी. साथ ही परीक्षा केंद्रों के आसपास बिना अनुमति के लाउडस्पीकर का प्रयोग भी वर्जित रहेगा.

प्रथम चरण में कम मतदान चिंता का विषय : शत्रुघन

मेदिनीनगर। झारखंड क्रांति मंच के संस्थापक सह केन्द्रीय अध्यक्ष शत्रुघ्न कुमार शत्रु ने लोकसभा चुनाव के प्रथम चरण में कम मतदान प्रतिशत पर चिंता व्यक्त करते हुए इसके लिए मोदी सरकार की जुमलेबाजी व ईवीएम का प्रयोग प्रमुख कारण बताया है. जारी प्रेस बयान में उन्होंने कहा है कि 102 सीटों पर मात्र 60 प्रतिशत मतदान का कारण देश की 40 प्रतिशत जनता का भरोसा मोदी सरकार नियंत्रित चुनाव आयोग पर से उठ जाना है. दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में ईवीएम के प्रयोग पर गोदी मीडिया, विधायिका, कार्यपालिका व न्यायपालिका की मौन सहमति से निष्पक्ष चुनाव मजाक बन गया है.

मौसम विभाग ने आमलोगों के लिए एडवाइजरी जारी की, दिन में जरुरी काम हो तो ही निकलें

पलामू में गर्मी चरम पर, तापमान पहुंचा 43.6 डिग्री

संवाददाता। मेदिनीनगर

गर्मी का मौसम अपने चरम पर है. अधिकतम तापमान पुराने रिकॉर्ड को तोड़ने को बेताब दिख रहा है. वहीं गर्मी के अचानक बढ़े प्रकोप के कारण मेदिनीनगरवासियों का हाल बेहाल हो गया है. मेदिनीनगर में शुक्रवार को जहां अधिकतम तापमान 43.2 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया था वहीं अधिकतम तापमान शनिवार को बढ़कर 43.6 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया. शनिवार को रिकॉर्ड किया गया इस वर्ष का अधिकतम तापमान है. गर्मी बढ़ने का साथ ही न्यूनतम तापमान में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है शुक्रवार को जहां न्यूनतम तापमान 23.7 डिग्री सेल्सियस था, वह शनिवार को बढ़कर 25.3 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया. शनिवार को सुबह की आद्रता 34 प्रतिशत व शाम की आद्रता 22 प्रतिशत दर्ज की गई. मौसम विभाग के अनुसार आगामी दिनों में गर्मी और बढ़ेगी. इधर गर्मी बढ़ने का असर जनजीवन पर दिखने लगा है. दोपहर होते तक सड़के सूनी हो जा रहे हैं लेकिन लगन का मौसम होने के कारण बाजार में लोगों की भीड़ दिख रही है. इधर तापमान में अचानक बदलाव को देखते हुए जिला प्रशासन ने स्कूलों के समय में बदलाव कर दिया है.

लोगों का अपने घरों से निकलना मुश्किल

तपती गर्मी में घरों से निकलकर बाजार-दुकान जाना भी लोगों के लिए अब मुश्किल खड़ी करने लगा है. मौसम का बिगड़ता मन-मिजाज पलामू क्षेत्र के लिए बड़ी चेतावनी है. अगर नहीं चेते तो आने वाले वर्षों में पलामू का जन-जीवन खतरे में पड़ जाएगा. पलामू जिला मुख्यालय मेदिनीनगर का हाल है कि सड़क पर निकलने वाले लोगों के समक्ष चेहरे को ढंकना मजबूरी बन गया है. रविवार को शहर के छह मुहान, डाबर रोड आदि जगहों पर लगे पनशालों में लोगों की भीड़ लगी रही. पानी पी रही महिलाओं से बातचीत करने पर उन्होंने बताया कि घर से पानी लेकर निकले नहीं हैं और प्यास की शिद्दत सता रही थी. अचानक पनशाला दिखा तो खुद को रोक नहीं पाए. प्यास की शिद्दत के कारण यहां पहुंचे हैं. पानी पीने के बाद थोड़ी राहत मिली है, लेकिन गर्मी का जुल्म अब भी बरकरार है.वहीं लोग गर्मी से बचने के लिए दिनभर घर में रह रहे है. शाम ढलने पर लोग घरों से बाहर निकल कर अपना काम निपटा रहे है.दिन में जिला मुख्यालय की अधिकांश दुकाने बंद रही.

गढ़वा के चिनियां में जंगली हाथियों का उत्पात शुरू

हाथियों ने महुआ चुन रहे वृद्ध को पटक-पटक कर मार डाला

संवाददाता। गढ़वा

जिले में हाथियों के झुंड ने जंगल में महुआ चुन रहे एक शख्स को पटक-पटक कर मार डाला. सुबह-सवेरे हाथियों के इस उत्पात के बाद जंगल में अफरा-तफरी मच गयी. जंगल में महुआ चुन रहे अन्य लोग डर से भाग गए. इस घटना से लोगों में आक्रोश है. सड़क पर शव रखकर लोगों ने दो घंटे सड़क जाम रखी. बता दें कि हाथियों के आतंक से त्रस्त लोगों में वन विभाग के प्रति नाराजगी है. वन विभाग की ओर से मृतक के परिजनों को दाह संस्कार के लिए तत्काल 10 हजार रुपए दिए गए. विभागीय प्रक्रिया पूरी करने पर चार लाख रुपए मुआवजा दिया जाएगा.

हाथियों के झुंड ने पटक-पटक कर मार डाला : चिनिया वन क्षेत्र के चिरका गांव का 52 वर्षीय दशरथ सिंह आम दिनों की तरह शनिवार की सुबह 5 बजे चिरका गांव के बगल के जंगल दाकुलदह स्थान पर महुआ चुनने गया हुआ था. इसी दौरान 20 से 25 की संख्या में पहुंचे हाथियों के झुंड ने दशरथ सिंह को अपनी चपेट में ले लिया और पटक-पटक कर मार डाला. इस हादसे में घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गयी. इसकी सूचना मिलते ही ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गयी. जंगल में महुआ चुन रहे अन्य लोग जान बचाकर भाग निकले.

मौके पर जांच करती पुलिस और जमा लोगों की भीड़

घटनास्थल पर पुलिस

शव के साथ लोगों ने किया सड़क जाम

मृतक के पुत्र कैलाश सिंह, सुखदेव सिंह व पत्नी राजकली देवी की चीख-पुकार सुनकर ग्रामीणों ने इसकी सूचना वन विभाग के कर्मियों एवं थाना प्रभारी अमित कुमार को दी. जनकारी मिलने पर थाना के एएसआई सुखराम उरांव एवं वन विभाग कर्मी अनिमेष कुमार ने घटना स्थल पर पहुंचकर जायजा लिया. जब पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराने के लिए शव लेने का प्रयास किया तो मृतक के आश्रितों ने ग्रामीणों के सहयोग से चिरका गांव के आईटीआई भवन के पास चिनिया-रंका रोड पर शव को रखकर मुआवजा दिलाने की मांग की. इससे सड़क जाम दो घंटे तक रही. वन विभाग पर आक्रोशित ग्रामीणों ने कहा कि हाथियों का आतंक लगातार प्रखंड में 7 महीने से जारी है, लेकिन वन विभाग के कर्मियों ने उसे भगाने के लिए अभी तक कोई पहल नहीं की है.

दाह संस्कार के लिए मिला आर्थिक सहयोग

बुद्धिजीवियों व एएसआई सुखराम उरांव के समझाने-बुझाने के बाद वन विभाग के वन रक्षी प्रेमचंद दास ने मृतक के परिजनों को दाह संस्कार करने के लिए 10000 रुपए नकद दिया. सरकारी प्रावधानों के तहत 400000 रुपए मुआवजा जल्द ही दिया जाएगा. इस मौके पर महावीर सिंह रामवृक्ष सिंह, धनुकधारी सिंह, समाजसेवी फरीद खान, नंदू सिंह, परीखा भुइयां, वन रक्षी अनिमेष कुमार, थाना के एएसआई सुखराम उरांव आदि बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे.

गुमला में कुएं से युवक का शव बरामद, हत्या की आशंका

गुमला। दो दिन से लापता पंसो अंबाटोली निवासी बिरसाई उरांव का शव शनिवार को बरटोली नहर किनारे एक कुएं से संदेहास्पद स्थिति में बरामद किया गया है. शव के दोनों पैर में रस्सी से बंधे पत्थर संदेह को बल प्रदान कर रहा है. जानकारी के अनुसार बिरसाई उरांव गुरुवार को पैसा निकासी के लिए घाघरा बैंक गया था. बैंक से पैसे की निकासी नहीं होने के बाद निराश वापस लौटा और घर में खाना ख रहा था. तभी उसके पुत्र ने अपने पिता को शराब पीने से मनाही की तब वह गुस्से में घर से निकल गया और वापस नहीं लौटा. नहर किनारे उसका तौलिया देखने के बाद ग्रामीणों ने कुएं में झागर लगाकर शव का पता लगाया. घटना की सूचना पुलिस को दी गई. एसआई मनोरंजन शर्मा और जिप सदस्य तेतरु उरांव की उपस्थिति में ग्रामीणों के सहयोग से शव को कुएं से बाहर निकाला गया.

ग्रामीणों ने पेयजलापूर्ति के लिए कार्यपालक को सौंपा मांगपत्र

मझिआंव। नगर पंचायत क्षेत्र के युवा समाजसेवी मारुति नंदन सोनी ने कार्यपालक पदाधिकारी शैलेश कुमार को आवेदन देकर नगर पंचायत क्षेत्र के तमाम वार्ड में टैंकर के माध्यम से पेयजलापूर्ति कराने एवं प्रधानमंत्री आवास के किस्त को अविलंब भुगतान कराने की मांग की है. दिए गए आवेदन में कहा गया कि लगातार बढ़ती इस भीषण गर्मी के कारण पानी का जमीनी लेयर काफी नीचे चला गया है. जिस कारण ज्यादातर चापाकलों में पानी देना बंद हो गया है. इतना ही नहीं जन समस्या के साथ ही मवेशी भी पानी प्यास बुझाने के लिए इधर उधर भटक रहे हैं. कहा गया कि नगर पंचायत क्षेत्र के ज्यादातर वार्डों में चापाकल खराब पड़े एवं कहीं कहीं लगे जलमीनार पानी देना बंद कर दिया है. आवेदन देने वालों में समाजसेवी मारुति नंदन सोनी के अलावा पूर्व वार्ड सदस्य विवेक सोनी भी उपस्थित थे.

यात्री बस में फायरिंग, खलासी ने एक को दबोचा, किया पुलिस के हवाले

संवाददात। चंदवा (लातेहार)

रांची-मेदिनीनगर राष्ट्रीय उच्च मार्ग पर शुक्रवार की देर शाम अपराधियों के द्वारा राजा साहब नामक एक यात्री बस में फायरिंग किया गया . बस रांची से मेदिनीनगर जा रही थी . चंदवा थाना क्षेत्र के बोरसीदाग ग्राम के पास यह घटना घटी है. बस में यात्रा कर रहे यात्रियों ने बताया कि बस में रांची से सवार होकर दो लोग आ रहे थे . इसके अलावा घटनास्थल पर पहले से ही अन्य लोग मौजूद थे. उनकी मंशा बस लूटने की थी. जैसे ही वे बोरसीदाग पहुंचे उन्होने दशहत फैलाने के लिए फायरिंग कर दी . इसी दौरान वे बस से नीचे उतरने लगे . तभी बस के खलासी रौशन ने एक अपराधी को पकड़ लिया . उस अपराधी ने पिस्तौल के बट्ट से मार कर खलासी को घायल कर दिया. बावजूद इसके खलासी ने उसे नहीं छोड़ा . बस चालक ने भी सूझबूझ दिखाते हुए तेज गति से बस को भगा कर चंदवा थाना ले आया . खलासी ने उसे पुलिस के सुपूर्द कर दिया . पुलिस ने तत्काल उस अपराधी को गिरफ्तार कर लिया. बाद मे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर घायल खलासी का प्राथमिक उपचार कर छोड़ दिया गया . पुलिस ने अग्रतर कार्रवाई शुरू कर दी . हालांकि इस फायरिंग में कोई हताहत नहीं हुआ है . इस घटना से बस में सवार यात्रियों में दहशत फैल गया . बता दें कि इस पथ पर काफी दिनों के बाद बस डकैती जैसी घटना को अंजाम देने का प्रयास किया गया .

ऐतिहासिक होगी उलगुलान न्याय रैली: बैद्यनाथ

आशीष टैगोर। लातेहार

विधायक बैद्यनाथ राम ने कहा कि 21 अप्रैल को रांची में इंडिया गठबंधन की आयोजित उलगुलान न्याय रैली ऐतिहासिक होगी. स्थानीय विधायक बैद्यनाथ राम ने शनिवार को शुभम संदेश से बातचीत में कही. उन्होंने ने कहा कि पूरे प्रदेश से इस रैली में पांच लाख से अधिक लोग भाग लेंगे . लातेहार विधानसभा से भी 15 हजार कार्यकर्ता इस रैली में शिकरत करेगें. श्री राम ने आगे कहा कि यह उलगुलान न्याय रैली केंद्र सरकार के तानाशाही के खिलाफ है. केंद्र की यह सरकार सत्ता के नशे में चूर है. जनसरोकार से इस सरकार को कोई मतलब नहीं है. यह सरकार भयादोहन कर रही है और अपने फैसलों को आम आवाम पर थोप रही है. जो भी उनकी बातों को नहीं सुनता उसे झूठे मुकदमों में फंसा कर जेल भेज रही है. आज देश में सरकारी जांच एजेंसियों का खुल कर दुरूपयोग किया जा रहा है.

खास बातें

- आज रांची में होगी उलगुलान न्याय रैली
- लातेहार से 15 हजार कार्यकर्ता भाग लेगें

रैली में झारखंडी जनता के अधिकार की बात होगी

विधायक ने कहा कि वर्षों तक केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने झारखंड के साथ सौतेला व्यवहार और अन्याय किया है. खनिज संपदा से परिपूर्ण झारखंड राज्य का सिर्फ दोहन किया गया है. यहां की खनिज संपदा को बेच कर केंद्र सरकार मालामाल हो रही है, लेकिन जब झारखंड सरकार अपना हिस्सा मांगती है तो केंद्र सरकार पला झाड़ लेती है. उलगुलान न्याय रैली में झारखंड के जनता के अधिकारों की बात होगी. केंद्र सरकार से हिसाब मांगा जायेगा.

किया जा रहा है जनसंपर्क

बैद्यनाथ राम ने कहा कि उलगुलान न्याय रैली को सफल बनाने के लिए गांव-गांव जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है. लोगों से रैली में भाग लेने की अपील की जा रही है. लोगों को अपार स्नेह व सहयोग मिल रहा है. जनसंपर्क अभियान में झामुमो जिला अध्यक्ष लाल मोती नाथ शाहदेव, जिला सचिव समशुल होदा, विधायक प्रतिनिधि प्रभात कुमार, युवा नेता अंकित पांडेय, दीपक कुमार व एश्वर्य उरांव आदि शामिल है.

दुर्घटना

छुट्टी लेकर उत्तर प्रदेश के मऊ अपने घर जा रहा था राम भुवन

सड़क दुर्घटना में सीआरपीएफ जवान की मौत

संवाददाता। लातेहार

शहर के रेलवे स्टेशन रोड में डालडा फैक्ट्री के पास सड़क दुर्घटना में सीआरपीएफ के एक जवान की मौत हो गई. मृतक की पहचान यूपी के मऊ जिला के राम भुवन यादव के रूप में हुई है. जानकारी के अनुसार राम भुवन छुट्टी लेकर डालडा फैक्ट्री स्थित सीआरपीएफ 214 वीं बटालियन कैंप से ऑटो पकड़ रेलवे स्टेशन जाने के लिए निकले थे. लेकिन महज दो सौ मीटर की दूरी पर ही ऑटो की टक्कर विपरीत दिशा से आ रही एक ट्रैक्टर से हो गई. ट्रैक्टर पर मिक्चर मशीन लोड था.

मिक्चर मशीन के साइड में लगे एक लोहे के चैनल से जवान का गर्दन लहू लुहान हो गया. ज्यादा खून निकलने के कारण घटनास्थल पर ही जवान की मौत हो गई. घटना में ऑटो में सवार एक और जवान संजय कुमार सिंह घायल हो गया. घायल अवस्था में उसे सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है. घटना के बाद ऑटो चालक फरार हो गया. पुलिस ने मिक्चर मशीन जब्त कर लिया है.

एसपी ने जताया शोक

घटना की जानकारी मिलने के बाद सीआरपीएफ के वरीय अधिकारी, एसपी अंजनी अंजन तथा थाना प्रभारी प्रमोद सिन्हा दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और घटनाक्रम की जानकारी ली. इसके बाद एम्बुलेंस की मदद से मृत जवान के शव को लातेहार सदर अस्पताल लाया गया. चिकित्सकों ने जवान का पोस्टमार्टम किया. एसपी अंजनी अंजन ने कहा कि घटना से सीआरपीएफ को अपूरणीय क्षति हुई है. इस दु:ख की घड़ी में जिला प्रशासन सीआरपीएफ के साथ है. थाना प्रभारी प्रमोद सिन्हा ने कहा कि पूरे घटनाक्रम की जांच पड़ताल की जा रही है. मृतक के परिजनों को घटना की जानकारी दे दी गई है. घटना के बाद सीआरपीएफ 214 बटालियन कैंप में माहौल गमगीन हो गया.

सड़क दुर्घटना में बालूमाथ के दो युवक हुए घायल

बालूमाथ (लातेहार)। थाना क्षेत्र के मूरपा- बालूमाथ मुख्य मार्ग पर बसिया गांव में दो बाइक सवार युवक अनियंत्रित होकर सड़क में गिर कर घायल हो गये. लोगों ने बताया कि बारियातू के पूकचु गांव निवासी किशोर कुमार (16) व संजय कुमार (19) बालूमाथ के पिंडारकोम ग्राम में एक शादी समारोह में शामिल होकर एक बाइक से अपने घर लौट रहा था. इसी दौरान बसिया के पास उनकी बाइक अनियंत्रित हो गई. दोनों घायलों को स्थानीय लोगों ने बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया. यहां चिकित्सक डा संजय कुमार सिद्धार्थ के द्वारा प्राथमिक उपचार किया गया.

न्यूज अपडेट

वीडियो वायरल करने वाले दो गिरफ्तार

मेराल। पुलिस ने हथियार लहराते हुए सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल करने वाले दो युवकों को आर्म्स के साथ गिरफ्तार कर शनिवार को जेल भेज दिया है. थाना प्रभारी विष्णु कांत ने बताया कि थाना क्षेत्र के हासनदाग गांव निवासी स्व. केश्वर चौधरी का पुत्र बीरबल चौधरी 23 वर्ष एवं रेजो गांव निवासी राजेंद्र चौधरी का पुत्र अवधेश चौधरी 24 वर्ष दोनो साथ में आर्म्स लहराते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किया था. जिसकी जानकारी मिलते ही त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों युवकों को गिरफ्तार किया गया.

पांकी प्रखंड का सेकेंड टॉपर बना प्रेम कुमार

पांकी/पलामू। पांकी प्रखंड के ग्राम पांकी टोला कुंडेलवा निवासी प्रदीप सिंह के पुत्र प्रेम कुमार ने मैट्रिक परीक्षा में 90 फीसदी अंक प्राप्त कर परिवार का नाम रौशन किया है. प्रेम कुमार पांकी प्रखंड में सेकेंड टॉपर बना. पिता गांव में रहकर खेती बाड़ी का काम करते हैं. रिजल्ट से पूरे गांव में खुशी का माहौल है. सफलता से खुश नजर आ रहे प्रेम कुमार ने बताया कि पढ़ाई के लिए एकाग्रित होना बेहद जरूरी है. माता-पिता और गुरु के मार्गदर्शन से मुझे यह सफलता मिली है. प्रेम कुमार ने 450 (90%) अंक लाकर क्षेत्र का नाम रौशन किया है.

बच्चों ने बनाई फलों से निर्मित मनोहारी आकृति

मेदिनीनगर। स्थानीय ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल में शनिवार को फ्रूट्स विद फन (फ्रूट्स पार्टी) समारोह का आयोजन किया गया.समारोह में प्री. नर्सरी से कक्षा तृतीय तक के छात्रों ने फलों से निर्मित विभिन्न प्रकार की मनोहारी आकृति एवं सजावट का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जिसमें खरबूजा, अंगूर, सेब और केला इत्यादि फलों द्वारा बालकला का प्रदर्शन किया गया. बता दें कि नई शिक्षा नीति में फाउंडेशनल स्टेज के तहत नये सत्र के आरंभिक अवसर पर बच्चों के नवीन कक्षा के प्रति विशिष्ट रुचि और विद्यालय के प्रति लगाव हेतु इस प्रकार की अनेक गतिविधियां कराई जाती है . मौके पर प्राचार्य डॉ. एके सिंह ने कहा कि फलों के इस्तेमाल से हमारे शरीर में इम्यून शक्ति में वृद्धि होती है.

शौचालय की समस्या को लेकर अध्यक्ष से मिले अधिवक्ता

मेदिनीनगर। पलामू जिला अधिवक्ता संघ परिसर में समस्या निदान को लेकर इन दोनों अधिवक्ता सक्रिय हैं. अधिवक्ता संघ भवन के ऊपरी तल्ला में महिलाओं (अधिवक्ता) के लिए शौचालय नहीं होने और इससे हो रही परेशानियों को लेकर अधिवक्ताओं ने संघ के अध्यक्ष रामदेव प्रसाद यादव से मुलाकात की तथा उन्हें ज्ञापन सौंपा. ज्ञापन में कहा गया है इधर कुछ दिनों से महिला अधिवक्ता सदस्यों की संख्या बढ़ी है और दिन प्रतिदिन बढ़ भी रही है. ऐसे में ऊपरी तल्ला पर शौचालय की व्यवस्था नहीं होने के कारण महिला (अधिवक्ता) को काफी परेशानी हो रही है.

रांची ने वेस्ट सिंहभूम को छह विकेट से हराया

गुमला। गुमला के शहीद तेलंगा खड़िया स्टेडियम में चल रहे जेएससीए अंतर जिला अंडर 16 क्रिकेट टूर्नामेंट में शनिवार को रांची की टीम ने वेस्ट सिंहभूम को छह विकेट से पराजित किया. 1 टॉस जीत कर रांची की टीम ने पहले क्षेत्र रक्षण का फैसला लिया. अच्छी शुरुआत के बावजूद वेस्ट सिंहभूम की पूरी टीम मात्र 36 ओवरों में 137 रन पर सिमट गयी. वेस्ट सिंहूभम की ओर से आर्यन राणा ने सर्वाधिक 35 रनों की पारी खेली. अंजनी कुमार यादव ने 24, एन कार्तिक 18 व कृपा सिंधु ने 13 रन जोड़े. रांची की ओर से बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए तौहिद अयम ने पांच विकेट अर्जित किए .

आठ महीने से खराब है ट्रांसफार्मर,लोग परेशान

गारू (लातेहार)। प्रखंड के बारेसांढ़ थाना क्षेत्र के नव प्राथमिक विद्यालय, डेढ़गांव के पास लगा ट्रांसफार्मर पिछले आठ महीने से ख़राब है. टांसफार्मर खराब रहने के कारण क्षेत्र में बिजली नहीं है. गत वर्ष झारखंड सरकार की महत्वकांक्षी कार्यक्रम आपकी योजना, आपकी सरकार आपके द्वार में ग्रामीणों ने इस बाबत एक आवेदन भी दिया था. लेकिन आठ माह बीत जाने के बावजूद ट्रांसफारमर को दुरूस्त नहीं किया गया. इधर नक्सल प्रभावित क्षेत्र लाटू और कुजरूम का मतदान केंद्र नव प्राथमिक विद्यालय, डेढ़गांव में स्थानांतरित करने का प्रस्ताव भेजा गया है.

शिविर में 210 मरीजों की जांच कर दी गई दवा

भवनाथपुर। बीएसएल सेल, बोकारो स्टील प्लांट के भवनाथपुर-तुलसीदामर खदान के सीएसआर के तहत शनिवार को अरसली उत्तरी पंचायत के झुमरी प्राथमिक विद्यालय में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन कर कियश गया. इस शिविर में 210 मरीजों की जांच कर दवा दिया गया. मौके पर डॉ विजय कुमार राम ने कहा कि इस निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन सेल भवनाथपुर के महाप्रबंधक मनोज कुमार के मार्गदर्शन में किया गया है. मौके पर माइंस अस्पताल के मुकेश दुबे, अनिला मिंज, सरोज कुमारी, सुशील कुमार मिश्र आदि लोग उपस्थित थे.

ख्रीस्त राजा उच्च विद्यालय के छात्रों ने लहराया परचम

चंदवा (लातेहार)। झारखंड अधिविधि परिषद (जैक) द्वारा जारी वार्षिक माध्यमिक परीक्षाफल में प्रखंड के ख्रीस्त राजा उच्च विद्यालय के छात्रों ने परचम लहराया है. लातेहार जिला के टॉप टेन में ख्रीस्त राजा उच्च विद्यालय के चार छात्र जगह बनाने में कामयाब रहे हैं. विद्यालय के आदित्य कुमार ने 94 .80 प्रतिशत लाकर प्रखंड में प्रथम स्थान प्राप्त किया. नमन कुमार और शुभम कुमार 94.94 प्रतिशत लाकर प्रखंड में द्वितीय स्थान प्राप्त किया. अभिषेक कुमार 93.80 प्रतिशत लाकर प्रखंड में तृतीय स्थान प्राप्त किया.

झारोटेफ का प्रतिनिधिमंडल जिला शिक्षा पदाधिकारी से मिला

लातेहार। झारोटेफ, लातेहार के जिला अध्यक्ष हीरा प्रसाद यादव, सचिव प्रदीप कुमार सिंह व मीडिया प्रभारी संदीप पासवान के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल जिला शिक्षा पदाधिकारी से मुलाकात की. प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों ने इस वर्ष लातेहार जिला का मैट्रिक रिजल्ट अच्छा होने पर हर्ष व्यक्त किया. लातेहार जिला का रिजल्ट चौथा स्थान में आया है उन शिक्षकों का तीन माह से वेतन और एरियर बकाया है. लंबित वेतनमान का शीघ्र भुगतान करने की मांग की गई.

ब्रीफ खबरें

मुख्यमंत्री चंपई सोरेन का कुर्सी जाना तय है: दुर्गावती

चाईबासा। महिला प्रत्याशी गीता कोडा के ऊपर साजिश कर गुंडों से हमला के करवाने से मुख्यमंत्री चंपई सोरेन का कुर्सी जाना तय है. मुख्यमंत्री के कारण पूरे भारत में झारखंड का नाम खराब हो रहा है. उक्त बातें प्रधान चुनावी कार्यालय में बैठक कर महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष दुर्गावती ने कही. उन्होंने कहा कि झामुमो को सद्बुद्धि आ गई है तभी तो 21 तारीख को होने वाली रांची की रैली में मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन का फोटो तक नहीं लगाये जाने की बात आ रही है. कहीं ना कहीं झामुमो इस बात को समझ रही है. मौके पर हेमंत विश्वकर्मा, अनीता सुम्बुरुई, सुखमति बिरुआ,जानकी देवी और रायमुनी कुंटिया उपस्थिति रही.

22 अप्रैल को गीता कोड़ा करेंगी नामांकन

आदित्यपुर। सिंहभूम लोकसभा के प्रभारी डॉ दिनेशानन्द गोस्वामी ने आज बताया कि भारतीय जनता पार्टी की जनसभा 22 अप्रैल को खुदकट्टी मैदान, ताम्बो चौक में 11 बजे से होगी. जिसमें भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी शामिल होंगे. वे जनसभा में सिंहभूम लोकसभा क्षेत्र के प्रत्येक गांव से आये कार्यकर्ताओं के समक्ष भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी गीता कोड़ा की जीत का शंखनाद करेंगे. जनसभा में राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय कई नेता शामिल होंगें. 22अप्रैल को भाजपा प्रत्याशी गीता कोड़ा पूर्वाह्न 10 बजे गांधी मैदान से हजारों कार्यकर्ताओं साथ पदयात्रा कर खुदकट्टी मैदान के जनसभा में शामिल होंगी और एक बजे अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगी.

कुशो आपट बीजद के क्योंझर जिलाध्यक्ष बने

किरीबुरु। बीजू जनता दल के अध्यक्ष सह ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने कुशो आपट को बीजद का क्योंझर जिलाध्यक्ष नियुक्त किया. इसकी जानकारी बीजद के संगठन सचिव प्रणव प्रकाश दास ने दी. दूसरी तरफ बीजद ने चम्पु विधान सभा सीट से सनातन महाकुड़ को अपना प्रत्याशी बनाया है. सनातन महाकुड़ व कुशो आपट झारखंड - ओडिशा सीमावर्ती राज्यों के लोगों के बीच काफी चर्चित हैं. चुनाव के दौरान सनातन महाकुड़ वोटरों के बीच विभिन्न वजहों से चर्चा में बने रहते हैं.

अंतरसदन वर्तनी परीक्षण प्रतियोगिता का आयोजन

घाटशिला। संत नंदलाल स्मृति विद्या मंदिर में शनिवार को विद्यालय के मल्टीमीडिया हॉल में अन्तरसदन वर्तनी परीक्षण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. प्रतियोगिता का आयोजन कक्षा छठी से आठवीं तक के बच्चों के लिए किया गया. यह प्रतियोगिता चार राउंड में खेली गयी. पहला प्रारंभिक राउंड, दूसरा बजर राउंड,तीसरा चैलेंज राउंड, चौथा राउंड दर्शकगण में बैठे बच्चों के लिए था. प्रतियोगिता में विद्यालय के नंद, आनंद, दयानंद, सदानंद सदन प्रत्येक के पांच-पांच प्रतियोगियों ने भाग लिया. दर्शक के रूप में कक्षा सातवीं के बच्चे शामिल थे. कार्यक्रम में दयानंद सदन विजेता एवं नंद सदन ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया तथा आनंद सदन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया. इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सह-शैक्षणिक प्रभारी सास्वती रॉय पटनायक, नीलिमा सरकार, चारों सदनों की शिक्षिकाएं नंद सदन स्वाति साव, आनंद सदन फरजाना परवीन, दयानंद सदन रशीदा खान, सदानंद सदन पी लीला एवं सेगमेंट कोऑर्डिनेटर अनिंदिता दे ने अहम भूमिका निभाई. इस कार्यक्रम का मंच संचालन सायोनी दास कर्मकार द्वारा किया गया। टेक्निकल सपोर्ट के रूप में सोमनाथ दे ने अपनी अहम भूमिका निभाई.

अर्का जैन यूनिवर्सिटी : गूगल ड्राइव के व्यावसायिक उपयोग पर पांच दिवसीय कौशल कार्यशाला का आयोजन

कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों को विशेषज्ञता से लैस करना:डॉ चारू

मुख्य संवाददाता। जमशेदपुर

अर्का जैन यूनिवर्सिटी में 'गूगल ड्राइव के व्यावसायिक उपयोग' विषय पर पांच दिवसीय कौशल-आधारित कार्यशाला का आयोजन किया गया. कार्यशाला में प्रत्येक दिन लाइव मूल्यांकन के साथ विद्यार्थियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया. दैनिक कार्यों को सफलतापूर्वक पूरा करने पर, प्रतिभागियों को उनकी उपलब्धि को स्वीकार करते हुए प्रमाण पत्र प्राप्त हुए. कार्यशाला में विश्वविद्यालय भर से कुल 40 छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया. यह आयोजन डॉ चारु वाधवा और अरिंदम मंडल की देखरेख में किया गया.

इस दौरान डॉ चारु वाधवा ने कार्यशाला के उद्देश्यों से अवगत कराया. उन्होंने बताया कि कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों में गूगल वर्कस्पेस कौशल में निपुणता के माध्यम से कंप्यूटर तत्परता विकसित करना था. प्रतिभागियों को रोजमर्रा के कॉर्पोरेट अनुप्रयोगों के लिए विशेषज्ञता से लैस करना था. विवि मैनेजमेंट बोर्ड के चेयरमैन डॉ एसएस रजी ने इस कार्यशाला में भागीदारी के माध्यम से आवश्यक डिजिटल कौशल में महारत हासिल करने के लिए छात्रों के सक्रिय दृष्टिकोण की सराहना की.

विश्वविद्यालय के परिसर निदेशक सह डीएसडबल्यू डॉ अंगद तिवारी ने इस तरह के व्यावहारिक एवं कौशल आधारित प्रशिक्षण के महत्व पर बल दिया. उन्होंने पेशेवर दुनिया के लिए छात्रों की तैयारियों पर इसके प्रत्यक्ष प्रभाव को रेखांकित किया. एमबीए विभाग की प्रमुख डॉ उर्वशी ठाकुर ने आधुनिक व्यावसायिक संचार और सहयोग में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए गूगल वर्क स्पेस टूल में दक्षता के महत्व पर जोर दिया.

खास बातें
- कार्यशाला में विवि से 40 छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया
- कौशल आधारित प्रशिक्षण के महत्व पर बल दिया

टाटा जू के जानवरों को कूलर व फव्वारे से दी जा रही राहत

जमशेदपुर का पारा 43 डिग्री के पार, जीव जन्तु सब बेहाल

खास बातें
- स्कूलों के समय में परिवर्तन से बच्चों को मिला आराम
- 12 बजे के बाद सड़के हो रही सुनसान,बाजरों में सन्नाटा

जमशेदपुर। रोहित कुमार

जमशेदपुर शहर का पारा 43 डिग्री को पार कर गया है. लिहाजा इंसान के साथ-साथ जानवर भी गर्मी के सितम से परेशान हैं. टाटा जू में गर्मी से बचाने के लिए जानवरों का खास ख्याल रखा जा रहा है. टाटा जू में जानवरों के खान-पान से लेकर उनके बाड़े में कूलर और बांस की चटाई लगाये गये हैं. वहीं शेर, बाघ, तेंदुआ और भालू के बाड़े में कूलर के अलावा पुआल भी लगाए गए है. इन जानवरों को दिन में दो से तीन बार नहलाया जा रहा है. पिछले दो-तीन दिन में शहर का पारा अचानक ऊपर चढ़ गया. इससे जू के जानवरों का बुरा हाल है. गर्मी से परेशान जानवर कभी पेड़ के नीचे बैठते हैं, तो कभी पानी में उतरते हैं.

जानवरों के खान-पान पर विशेष ध्यान रखा जा रहा है : टाटा जू के निदेशक डॉ नईम अख्तर ने बताया कि प्रबंधन ने कहा कि शहर का पारा बढ़ गया है जिसको देखते हुए जानवरों का खासा ख्याल रखना पड़ रहा है. इन दिनों जानवरों के खान-पान पर खास ध्यान रखना पड़ता है. गर्मी से बचाने के लिए जानवरों को समय से नहलाना और उन्हें गर्मी कम लगे इसकी पूरी व्यवस्था की गई है. छतों पर गर्मी रोकने के लिए बांस के शीट भी लगाए गए है ताकि ठंड बनी रहे. हिरण के बाड़ों में पानी के फव्वारे लगाए गए है जो लगातार चलते रहते है.

स्कूलों के समय में किया गया परिवर्तन

जमशेदपुर में एक बार फिर गर्मी झुलसाने लगी है. मौसम विभाग ने गर्मी को लेकर येलो अलर्ट भी जारी किया है. इधर, बीते तीन दिनों से शहर का तापमान 43 डिग्री सेल्सियस के पर है. दोपहर 12 बजे के बाद से ही सड़के सुनसान हो रही है. इसके साथ ही मौसम विभाग ने अनुमान लगाया है कि लोगों को तेज धूप से 22 अप्रैल तक राहत मिलने की संभावना नहीं है. 21 अप्रैल से दो दिन तक बादल छाने की संभावना है. अभी शहर में दोपहर 12 बजे के बाद सड़कों पर सन्नाटा पसर जा रहा है. स्थिति यह है कि शाम चार बजे के बाद लोग काम के लिए घरों से निकल रहे हैं. आइसक्रीम और शर्बत की दुकानों में लोग ऐप पर पढ़ें भीड़ हो रही है

गर्मी से शनिचरा हाट-बाजार में छाई वीरानी

किरीबुरु। किरीबुरु-मेघाहातुबुरु का तापमान 39-40 डिग्री तक पहुंचने से यहां कि जनता का हाल बेहाल है. भीषण गर्मी की वजह से मेघाहातुबुरु में शनिवार को लगने वाली साप्ताहिक शनिचरा हाट-बाजार में सारंडा के किसानों के अलावे बाहरी व्यापारियों की उपस्थिति काफी रही है. दूसरी तरफ ग्राहक भी गर्मी के कारण अपने-अपने घरों में कैद हैं. हाट-बाजार में दुकान लगाये कई दुकानदार गर्मी की वजह से अपनी दुकाने छोड़ पेड़ की छांव के नीचे बैठ कर आराम फरमाते देखे गये है.. कुछ दुकानदारों ने बताया कि दुकान के ऊपर धूप से बचने के लिए लगाया गया प्लास्टिक के नीचे बैठने से गर्मी से कोई राहत नहीं मिल पा रही है. सब्जियां भी खराब हो जा रही है. लेकिन पेट की खातिर यह सब झेलना मजबूरी है. उल्लेखनीय है कि इस शहर का तापमान जब भी 38 डिग्री से बढ़ता था तब दोपहर में अचानक आसमान में काले बादल छा जाते एवं लगभग एक घंटा मूसलाधार वर्षा होती थी. जिससे कुछ दिन मौसम ठंडा हो जाता था. यह सिलसिला पूरे गर्मी भर चलता था.

तापमान में वृद्धि को लेकर स्कूलों के समय में परिवर्तन

आदित्यपुर। राज्य सरकार से प्राप्त निर्देश के आलोक में अत्यधिक गर्मी एवं लू को ध्यान में रखते हुए जिला अंतर्गत सभी स्कूलों के समयसारिणी में बदलाव का निर्देश दिया गया है. जिले में संचालित सभी कोटि के सरकारी, गैर-सरकारी सहायता प्राप्त गैर सहायता प्राप्त (अल्पसंख्यक सहित) एवं सभी निजी विद्यालयों में कक्षा नर्सरी से कक्षा 08 तक की कक्षाएं सुबह 7.00 बजे से 11.30 बजे तक एवं कक्षा 09 से ऊपर की कक्षाएं सुबह 7.00 बजे से 12.00 बजे तक संचालित की जाएगी. यह आदेश 22 अप्रैल से प्रभावी होगा. इस अवधि में प्रार्थना सभा या खेलकूद एवं अन्य गतिविधियाँ धूप में संचालित नहीं की जाएगी. परन्तु मध्याहन भोजन का संचालन जारी रहेगा.

अब सुबह 7 बजे से दोपहर 12 बजे तक ही चलेगी स्कूल

बस्तियों में हर दिन नहीं उठ रहा कचरा, लोग परेशान

जमशेदपुर। जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र (अक्षेस) में आने वाली बस्तियों में हर दिन कचरा उठाने वाला वाहन नहीं आता है. इस वजह से बस्तीवासी परेशान हैं. बस्तीवासी कचरा बाहर नहीं फेंक सकते, उसे घर में ही जमा रखते हैं. दो-तीन दिनों बाद वाहन के आने से कचरा घर में ही पड़ा रहता है. घर में ही कचरा बदबू देने लगता है. इससे घर वाले परेशान रहते हैं. कचरा उठाने वाले वाहन भी जब आते हैं तो पूरा कचरा नहीं ले जाते हैं. पेड़ से गिरी टहनियों को ले जाने से इनकार कर देते हैं. बस्तीवासियों के आग्रह पर भी छोड़ देते हैं.

न्यूज अपडेट

नम आंखों से मां दुर्गा प्रतिमा को भक्तों ने किया विदा

नोवामुंडी। गुवा के योग नगर स्थित श्री श्री बसंती दुर्गा मां प्रतिमा का श्रद्धालुओं ने गाजे-बाजे के साथ गुवा बाजार स्थित कारो नदी के कुसुम घाट शुक्रवार देर रात में श्रद्धालुओं ने किया विसर्जन. इस दौरान प्रतिमा विसर्जन के दौरान गुवा पुलिस प्रशासन भी साथ मौजूद थे. श्री श्री बसंती दुर्गा मां प्रतिमा का विसर्जन योग नगर से निकलकर प्रीपेड कॉलोनी, गुवासाई, कल्याण नगर, भट्टीसाई, विवेक नगर, कच्छी धौडा, रेलवे मार्केट, रामनगर, गुवा बाजार होते हुए कारो नदी के कुसुम घाट में रात 10:00 बजे विसर्जन हुआ. इस दौरान प्रतिमा विसर्जन में श्रद्धालुओं ने जमकर डीजे की धुन पर भक्ति गीतों में सराबोर होते हुए नाचते गाते विसर्जन किया.

मधुआबेड़ा में गाजे बाजे के साथ मना दधि महोत्सव

बहरागोड़ा । बहरागोड़ा प्रखंड अंतर्गत मधुआबेड़ा गांव में आयोजित हरिनाम संकीर्तन का शनिवार को दधि महोत्सव के साथ समापन किया गया. स्थानीय कीर्तन मंडली व बैंड बाजा के साथ दोपहर को कीर्तन मंडप से पुजारी द्वारा दधि हंडी लेकर गांव का परिभ्रमण किया गया. फिर पूरे गांव का भ्रमण करते हुए एक-एक घर में दधि हंडी को घुमाया गया.दधि हंडी का शुद्ध पानी प्रत्येक घरों में और लोगों पर छिड़काव किया गया. उधर महिलाओं ने व्रत रखकर बारी बारी से पूजा अर्चना किया. एक दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर दधि उत्सव मनाया. इस अवसर पर भक्तों के बीच दोपहर को महाप्रसाद का वितरण किया गया.

काशीडीह हाई स्कूल पृथ्वी दिवस उत्सव सप्ताह का आयोजन

जमशेदपुर। काशीडीह हाई स्कूल 19 अप्रैल से 22 अप्रैल तक पृथ्वी दिवस उत्सव सप्ताह मना जा रहा है. धरती माता को बचाने के बारे में जागरूकता लाने के लिए छात्र-छात्राओं के बीच शैक्षिक यात्रा, पोस्टर मेकिंग, स्लोगन व भाषण प्रतियोगिताओं जैसे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं. कार्यक्रम के एक भाग के रूप में काशीडीह हाई स्कूल के एटीएल क्लब ने सीडीएम स्वास्थ्य और स्वच्छता सेवा के मार्गदर्शन में टाटा स्टील यूटिलिटीज व इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के विभिन्न अपशिष्ट प्रबंधन विभागों के लिए शैक्षिक दौरे का आयोजन किया.

आदिवासी छात्र संघ ने सेंदरावीरों को कराया जलपान

घाटशिला। आदिवासी परंपरागत मुर्गाघुटू (मुड़ाठाकरा) में आयोजित पावड़ा बुरा गिरा सेन्दरा में आदिवासी छात्र संघ की ओर से संघ के महासचिव सालखु हेम्ब्रम के नेतृत्व में जंगल से लौट रहे सेन्दारा वीरों को खानपान एवं ठंडे शरबत का वितरण किया गया. शनिवार को रामाटंडी (कदावानी) में दिया गया. सलखु हेंब्रम ने बताया कि आदिवासी परंपरा के अनुसार प्रत्येक वर्ष जंगल में गांव के लोग शिकार करने जाते हैं. जिसे हम सभी अपने समाज के लोग सेंदरा पर्व के रूप में मनाते हैं. सेंदरा के बाद वापस आने वाले सेंदरावीरों का पारंपरिक तरीके से स्वागत करते हुए उन्हें जलपान भोजन कराने की व्यवस्था की जाती है. इस मौके पर आदिवासी छात्र संघ के महासचिव सालखु हेंब्रम, आदिवासी छात्र संघ के जिला महासचिव सुपाई सिंह हांसदा, मोहन मुर्मू, हिन्दू मुर्मू आदि उपस्थित थे.

डीएवी गुवा में विलियम वड्र्सवर्थ दिवस मनाया

नोवामुंडी। डीएवी पब्लिक स्कूल गुवा में विलियम वड्र्सवर्थ दिवस मनाया गया. इस अवसर स्कूल की प्राचार्या उषा राय की अध्यक्षता में स्कूली बच्चों की अन्तर सदनसीय क्वीज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था. क्विज प्रतियोगिता में एंकरिंग वरीय शिक्षक पीके आचार्या व शिक्षिका आकांक्षा सिंह कर रही थी. परिणाम स्वरूप 60 अंक प्राप्तांक से श्रद्धानन्द सदन प्रथम, 45 अंक प्राप्तांक से अरविंदो सदन द्वितीय एवं 40 अंक प्राप्त कर दयानंद सदन तृतीय रहा. आयोजित प्रतियोगिता में स्कूली बच्चों में मान्याश्री, राजीव रंजन पाठक, ओम महापात्रा, मयंक, निधि, जसिका हालदार, रॉबिन महतो, ओम भट्टाचार्या, नरगिस परवीन, अजहर खान व अन्य अपने-अपने उम्दा प्रदर्शन से कार्यक्रम में चार चांद लगा दिया.

विद्यालय भवन निर्माण में अनियमितता,ग्रामीणों में आक्रोश

चक्रधरपुर। बंदगांव प्रखंड की नकटी पंचायत के कुईतुका गांव स्थित उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय भवन निर्माण कार्य में काफी अनियमितता बरती जा रही है. इसे लेकर स्थानीय ग्रामीणों में रोष व्याप्त है. ग्रामीणों की शिकायत पर शनिवार को बंदगांव प्रखंड के भाग दो की जिप सदस्य बसंती पूर्ति ने विद्यालय भवन का निरीक्षण किया. जहां विद्यालय भवन का गुणवत्तापूर्ण कार्य नहीं होने पर नाराजगी जतायी.निरीक्षण के क्रम में जिप सदस्य ने पाया कि विद्यालय भवन निर्माण कार्य को संवेदक द्वारा अधूरा छोड़ दिया गया है, इसके साथ ही विद्यालय की छत पर पुराने छेद वाले शेड को लगाया गया है.

लॉयर्स डिफेंस के प्रतिनिधिमंडल ने की बैठक

जमशेदपुर। जमशेदपुर में 10 मई को जिला बार संघ का चुनाव होना है. इसको लेकर शनिवार को लॉयर्स डिफेंस के एक प्रतिनिधिमंडल ने पुराना कोर्ट परिसर 3में एख बैठक की. बैठक में चुनाव से जुड़े विषय पर चर्चा की गई. कार्यक्रम की शुरुआत में अधिवक्ताओं ने मुख्य अतिथि राज्य बार काउंसिल के सदस्य अब्दुल कलाम रसीदी समेत मौजूद अधिवक्ताओं ने पुराना कोर्ट परिसर स्थित चंदमोलीश्वर कचहरी बाबा जाकर पूजा अर्चना की. इस दौरान वरीय अधिवक्ता राजेश रंजन, चांडिल बार एसोसिएशन के सदस्य कमलेश सिंह, राजकुमार, मो नबेब, सरायकेला बार एसोसिएशन के अतिथि राजकुमार साहू, दिलीप कुमार महतो आदि शामिल थे.

विद्यार्थी व शिक्षक 26 को करेंगे एनएमएल का शैक्षणिक भ्रमण

घाटशिला। घाटशिला कॉलेज के भौतिक विज्ञान एवं रसायन विज्ञान विभाग के 70 विद्यार्थी एवं 6 शिक्षक आगामी 26 अप्रैल को जमशेदपुर स्थित एनएमएल का शैक्षणिक भ्रमण करेंगे. इसको लेकर विज्ञान विषय के विद्यार्थी ने शनिवार को प्राचार्य डॉ आर के चौधरी से प्राचार्य कक्ष में मिले. प्राचार्य ने विद्यार्थियों को बताया कि सीएसआईआर- नेशनल मेटालर्जिकल लैबोरेट्री (एनएमएल) राष्ट्रीय धातुकर्म प्रयोगशाला एक प्रमुख भारतीय अनुसंधान संगठन है, जो खनिज धातु और सामग्री के विभिन्न पहलुओं- विज्ञान, प्रौद्योगिकी, औद्योगिक सेवाओं व मानव संसाधन विकास के लिए समर्पित है. प्राचार्य डॉ चौधरी के विशेष आग्रह पर एनएमएल में शैक्षणिक भ्रमण के लिए स्वीकृति प्रदान किए जाने पर प्राचार्य ने एनएमएल के निदेशक डॉ संदीप घोष चौधरी एवं चीफ साइंटिस्ट डॉ एम के झा के प्रति आभार जताया.

300 करोड़ से जमशेदपुर सर्किल क्षेत्र का होगा विद्युत सुदृढ़ीकरण

संवाददाता। आदित्यपुर

खास बातें
- टाटा ग्रुप के यूनिवर्सल पावर को मिला काम, सर्वे शुरू
- विद्युत चोरी व लाइन लॉस कम करने में सहायक होगी यह योजना

300 करोड़ से जमशेदपुर सर्किल क्षेत्र का विद्युत वितरण व्यवस्था सुदृढ़ होगा. जिसका कार्य टाटा ग्रुप के यूनिवर्सल पावर को मिला है. एजेंसी ने कार्य का सर्वे शुरू कर दिया है. जानकारी देते हुए विद्युत अधीक्षण अभियंता दीपक कुमार ने बताया कि इस योजना के तहत शहरी क्षेत्र और ग्रामीण क्षेत्र का विद्युत वितरण व्यवस्था को अत्याधुनिक किया जाना है. इस योजना में सभी ओवरहेड लाइन को एरियल बैंच केबल से आच्छादित किया जाएगा. पावर लोड का सर्वे कर अतिरिक्त ट्रांसफार्मर लगाए जाएंगे.

उन्होंने बताया कि इस योजना के पूरी होने से लाइन लॉस और विद्युत चोरी की घटना में कमी आयेगी. यह योजना केंद्र और राज्य सरकार द्वारा वित्त प्रदत्त है. विद्युत अधीक्षण अभियंता ने बताया कि इस योजना का कार्य इसी महीने से शुरू हो जाएगा. एजेंसी का सर्वे अंतिम चरण में है.

बचपन के दोस्त ने पत्रकार को लगाया 10 लाख का चूना

आदित्यपुर । बचपन के दोस्त ने गम्हरिया के एक श्रमजीवी पत्रकार गणेश सरकार को 10 लाख का चूना लगाया है. हालांकि पत्रकार को पैसे लौटाने की बात तो कह रहे हैं लेकिन अब तक टालमटोल कर रहे हैं जिसके कारण पत्रकार अपनी बेटी की शादी नहीं कर पा रहे हैं. मामला अब न्यायिक प्रक्रिया में जाने को तत्पर है. यह मामला आदित्यपुर के जदयू नेता का है जो जमीन कारोबारी हैं. जदयू के प्रदेश सचिव सत्यप्रकाश उर्फ टियाई से जुड़ा है. पत्रकार गणेश सरकार ने बताया कि पिछले ढाई साल से अपने बचपन के दोस्त सत्यप्रकाश की गद्दारी से घुट- घुट कर जी रहा हूं. इसलिए अब न्यायालय की शरण में जाने का मन बनाया है अपने वकील से रायशुमारी कर रहा हूं. उन्होंने बताया कि साल 2021 में सत्यप्रकाश ने दो साल में पैसे डबल करने का झांसा देकर 10 लाख रुपए दोस्ताना कर्ज के रूप में लिया था. दो साल पूरे होने पर जब पैसों की मांग की तो टालमटोल करते हुए मात्र 2.5 लाख वापस किया बाकी के पैसे देने से मुकर गया.

टाटा स्टील में राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा सप्ताह का हुआ समापन

संवाददाता। जमशेदपुर

टाटा स्टील में बीते 14 अप्रैल से राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा सप्ताह की शुरुआत की गई थी. शनिवार को इसका समापन हो गया. इस दौरान सेक्योरिटी और ब्रांड प्रोटेक्शन के चीफ अरविंद कुमार सिन्हा, हेड टाउन सिक्योरिटी मेजर अनिल कुमार, फायर ब्रिगेड के वरिष्ठ प्रबंधक अभय रंजन, शाहनवाज खान समेत कर्मचारियों ने अग्निशामकों को श्रद्धांजलि दी. सप्ताह के दौरान जागरूकता फैलाने के लिए पोस्टर जारी किए गए वहीं स्कूलों में आपातकालीन तैयारियों पर जागरूकता सत्र का भी आयोजन किया गया. साथ ही टाटा स्टील कर्मचारियों के बीच ऑनलाइन इंट्रानेट क्विज़ भी आयोजित किए गए. जिसमें 2,436 टाटा स्टील कर्मचारियों ने भाग लिया. इसके अलावा, विभिन्न प्रकार की आग को रोकने के लिए दैनिक अग्नि सुरक्षा सलाह जारी की गई और 4,800 स्कूली बच्चों, 260 शिक्षण कर्मचारियों और 60 गृहिणियों के लिए अग्निशामक प्रशिक्षण और जागरूकता सत्र भी आयोजित किए गए.

यहां आयोजित किए गए जागरुकता सत्र : जेपीएस स्कूल, एआईडब्ल्यूसी स्कूल, जुस्को स्कूल, डीबीएमएस स्कूल, विद्या ज्योति स्कूल, नरभेराम हंसराज स्कूल, टाटा मेन हॉस्पिटल, टाटा पिगमेंट लिमिटेड, टाटा स्टील लिमिटेड, ट्यूब डिवीजन, टाटा स्टील गम्हरिया, आईएसडब्ल्यूपी में प्राथमिक चिकित्सा अग्निशामक प्रशिक्षण दिया गया.

आयोजन | गांधी कॉलेज ऑफ नर्सिंग में लैंप लाइटिंग कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रशिक्षु नर्सों ने सामूहिक रूप से सेवा भाव का संकल्प लिया

संवाददाता। आदित्यपुर

गांधी कॉलेज ऑफ नर्सिंग आसंगी में शनिवार की शाम रंगारंग कार्यक्रम के बीच वार्षिक लैंप लाइटिंग तथा शपथ का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम का उद्घाटन एमजीएम मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल की नर्सिंग सुप्रीटेंडट पामिला मुखर्जी तथा एमजीएम स्कूल ऑफ नर्सिंग की प्रिंसिपल लक्ष्मी श्रीवास्तव ने दीप प्रज्वलित कर किया. इस अवसर पर गांधी कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्रशिक्षु छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम में नृत्य व गीत प्रस्तुत किया. यह कार्यक्रम हर साल देश के सभी नर्सिंग स्कूलों में दुनिया की पहली नर्स मानी जाने वाली के फ्लोरेंस नाइटेंगल नाम से आयोजित किया जाता है. इस अवसर पर यहां पढ़ाई कर रही प्रशिक्षु नर्सों ने सामूहिक रूप से सेवा भाव का संकल्प लिया. अपने संबोधन में मुख्य अतिथि ने कहा कि नर्सिंग का काम सेवा भाव का सबसे अनूठा कार्य है. उन्होंने यहां प्रशिक्षण पा रही प्रशिक्षुओं से कहा कि वे लगन के साथ प्रशिक्षण पूरा करें और अपने सेवा काल में जहां भी सेवा देने का अवसर मिले. समर्पित सेवा का सर्वोच्च उदाहरण पेश करें. इस मौके पर गांधी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के निदेशक संतोष गुप्ता तथा प्राचार्य रोजलिन सुरीन ने लैंप लाइटिंग की महत्ता पर प्रकाश डाला. इसके बाद 2023-24 बैच की नर्सिंग छात्राओं को कैप पहनाया गया फिर अतिथियों ने उन्हें शपथ दिलाई. इस अवसर पर अपने संबोधन में एमजीएम स्कूल ऑफ नर्सिंग की प्राचार्य लक्ष्मी श्रीवास्तव कहा कि अस्पताल में मरीज के पास हर वक्त नर्स ही रहती है. उस पर मरीजों की सेवा की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होती है.

नृत्य-संगीत की प्रस्तुति ने बांधा शमां : इस अवसर पर नर्सिंग छात्राओं ने गीत-संगीत व नृत्य की प्रस्तुति कर शमां बांध दिया. सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत छात्राओं ने पहले स्वागत गान व गणेश वंदना की प्रस्तुति दी. इसके बाद नृत्य-संगीत का दौर दो घंटे तक

बहरागोड़ा में हुई सड़क दुर्घटना में शिक्षक घायल

बहरागोड़ा। बहरागोड़ा थाना क्षेत्र के एन एच 18 के सर्विस रोड पर ओम स्टोर के समीप अज्ञात वाहन के धक्के से बहरागोड़ा महाविद्यालय के गणित विषय के शिक्षक निर्मल कुमार पात्र(68)गंभीर रुप से तरह से घायल हो गए. घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग तथा महाविद्यालय के कर्मचारी त्वरित कार्रवाई करते हुए अपने निजी वाहन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहरागोड़ा लाया गया.जहां प्राथमिक इलाज के बाद स्थिति सामान्य है. मिली जानकारी के अनुसार घायल व्याख्याता अपने पीडब्लूडी मोड़ स्थित आवास से बहरागोड़ा महाविद्यालय जाने के क्रम में किसी अज्ञात वाहन ने पीछे से धक्का मार दिया जिससे वे सड़क पर गिर पड़े और बुरी तरह से घायल हो गए.

झामुमो मझगांव पंचायत में बूथ समिति का गठन

झामुमो का हर कार्यकर्ता हेमंत जैसा रखता है हौसला : दिलवर

संवाददाता। मझगांव

झामुमो मझगांव पंचायत में चार बूथ समिति का गठन मझगांव के बांदासाई टोला में झामुमो के वरिष्ठ कार्यकर्ता दिलबर हुसैन ,मोहम्मद फैय्याज व जाने आलम की संयुक्त अध्यक्षता में की गई. इस दौरान सैकड़ों की संख्या में मौजूद कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए दिलबर हुसैन ने कहा कि लोकसभा चुनाव में झामुमो के कार्यकर्ताओं को एक मौका मिला है. जिसमें महा गठबंधन के प्रत्याशी पूर्व मंत्री जोबा मांझी को हर हाल में जीत दर्ज करवाना है. इस संकल्प के साथ हम सभी कार्यकर्ता मतदाता के घर-घर जाकर झामुमो के सरकार के द्वारा की गई जनकल्याणकारी कार्यों को बताना है. भाजपा के इसारे पर केंद्र एजेंसी ईडी ने पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जेल में डालने का काम किया है. उन्हें लगता है कि हमारे नेता को जेल में डालकर आसानी के साथ चुनाव जीत जाएंगे. वहीं मो. फैयाज ने कहा कि यह लड़ाई बहुत बड़ी फौज के साथ है. जिसके पास धन बल की बड़ी ताकत नजर आ रही है. हमारी ताकत प्रत्येक गांव और बूथ में मौजूद कार्यकर्ता है. मौके पर नुंदीराम हेम्बम, मोजाहिद अहमद, सुरेंद्र पिंगुवा, जाने आलम, हरिश पिंगुवा, रुशदुस्लाम,मनोज गोप, सफीक अहमद, दशरथ गोप, साहिद अहमद, शब्बीर अहमद,साबित्री महाराणा, विपीन महाराणा, सद्दाम हुसैन आदि सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे.

कोई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चौकीदार बताकर वोटरों को लुभा रहा है, तो कोई राहुल गांधी को गरीबों का मसीहा कह कर जनता से मांग रहा वोट

पार्टी के शीर्ष नेता के नाम के सहारे चुनावी नैया पार लगाना चाहते हैं नेताजी

शुभम संदेश ग्राउंड रिपोर्ट

प्रमोद उपाध्याय। हजारीबाग

लोकसभा चुनाव 2024 में प्रत्याशियों का वोट मांगने का तरीका एकदम बदल गया है. अब प्रत्याशी अपनी उपलब्धियों या कार्यक्रमों की बात न कर अपनी पार्टी के शीर्ष नेता के नाम पर जनता से वोट मांग रहे हैं. अगर प्रत्याशी अतीत में अपने-अपने क्षेत्र में विकास कार्य किए होते तो आज वह अपनी छवि के साथ मतदाताओं के बीच जाकर अपने लिये समर्थन मांग सकते थे. उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी या पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी का नाम नहीं लेना पड़ता. नेताओं के कामकाज का ट्रैक रिकॉर्ड सही होता तो आज उन्हें मतदाताओं की खरी खोटी नहीं सुननी पड़ती और जनता चुनाव बहिष्कार की घोषणा नहीं करती. ऐसा नहीं है कि मतदाता चांद-सूरज लाने की मांग करते हैं, बल्कि वे सड़क, नाली, गली, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं की ही मांग कर रहे हैं.

हम बता कर रहे हैं हजारीबाग व कोडरमा लोकसभा क्षेत्रों की. दोनों लोकसभा क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीणों का कहना है कि जब चुनाव आता है तो नेताजी सही-गलत अपनी उपलब्धियों को गिनाना शुरू कर देते हैं. कोई प्रधानमंत्री की तारीफ करता है. तो कोई राहुल गांधी का नाम लेकर संसद पहुंचना चाहता है. लेकिन इस बार उन्हें केंद्रीय नेताओं का नाम लेने से वोट नहीं मिलेगा, बल्कि इनके लोकसभा क्षेत्र का विकास देखा जाएगा. इसके बाद जनता खुद तय करेगी कि किसको समर्थन देना है और किसको नहीं.

योग्य उम्मीदवार को मौका मिलना चाहिए

कोडरमा लोकसभा क्षेत्र के निर्दलीय उम्मीदवार **जयप्रकाश वर्मा** ने बताया कि

कोडरमा और हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र में जनता को सिंबल दिखाकर गुमराह कर दिया जाता है. अगर इनके पांच साल के कार्यकाल की उपलब्धि देखी जाए तो केवल बड़ी-बड़ी बिल्डिंग दिखेगी, जिससे उनका कमीशन बनता है. उन्होंने यह भी कहा कि कोडरमा लोकसभा क्षेत्र की बात करें तो कई गांवों को सांसद ने गोद लिया. उसके बावजूद ग्रामीण मूलभूत सुविधा से वंचित हैं. कई जगहों पर तो ग्रामीणों ने विकास नहीं होने पर आवाज बुलंद करते हुए चुनाव का बहिष्कार करने की चेतावनी दी है. फिर अब चुनाव में सिंबल को ही मुद्दा बनाया जा रहा है और ग्रामीणों को गुमराह किया जा रहा है. सच्चाई है कि प्रत्येक वर्ष सांसद को फंड मिलता है. कई बार तो सांसद का फंड ऑडिट के समय वापस हो जाता है. अगर योग्य, शिक्षित व ईमानदार प्रत्याशी को मौका दिया जाए तो क्षेत्र का विकास हो सकता है.

ग्रामीणों को भी मिलना चाहिए मान व सम्मान

कोडरमा लोकसभा क्षेत्र के इचाक

प्रखंड स्थित मुकतमा निवासी **गायत्री देवी** ने बताया कि ग्रामीणों को भी मान सम्मान मिलना चाहिए. चुनाव के समय नेताजी हाथ पांव भी पकड़ लेते हैं, लेकिन जीतने के बाद वह गरीब की बात नहीं सुनते, न ही सीधी बात करते हैं. इसके लिए वह प्रतिनिधियों को लगा देते हैं और प्रतिनिधि गरीब जनता का काम नहीं करते बल्कि सांसद को झूठी कहानी सुना देता है.

प्रतिनिधि के भरोसे क्षेत्र में होता है काम

केरेडारी प्रखंड के जोरदाग निवासी

देवंती देवी ने बताया कि चुनाव जीतने के बाद नेताजी दिल्ली, मुंबई और विदेश की यात्रा पर रहते हैं और क्षेत्र में वह सांसद प्रतिनिधि को छोड़ देते हैं, जो जनता के लिए काम नहीं, बल्कि अपना ही विकास करवाता है. अगर नेताजी की तरफ से कोई फंड दिया भी गया तो प्रतिनिधि खुद ठेकेदार बन जाता है और व्यक्तिगत लाभ लेने का प्रयास करता है. यही कारण है कि क्षेत्र में विकास नहीं हो पाता है.

कोई अपनी उपलब्धि पर वोट नहीं मांग रहा

कोडरमा के बरकट्ठा वेलकम निवासी

अभिषेक कुमार ने बताया कि चुनाव में प्रत्याशी तो अपनी बात करते ही नहीं. कोई गांधी परिवार को गरीबों का मसीहा बता कर चुनाव जीतना चाहता है तो कोई प्रधानमंत्री मोदी को चौकीदार कहकर अपनी चुनावी नैया पार लगाना चाहता है. कोई अपनी उपलब्धि पर वोट नहीं मांग रहा है. सच्चाई यह है कि नेताजी ने कोई ऐसा काम किया ही नहीं है जिसके आधार पर वह जनता से वोट मांगे.

विभाजन की बात कर जीतना चाहते हैं नेताजी

हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के चौपारण ताजपुर निवासी **शमशाद खान** ने बताया कि अगर झूठ बोलना सीखना है तो 2024 के लोकसभा चुनाव में नेताजी का भाषण सुनिए. आपको खुद पता चल जाएगा. प्रत्याशी विकास का एजेंडा लेकर प्रचार प्रसार नहीं करते, बल्कि वह जात-पात और समुदाय की बात कह कर चुनाव जीतना चाहते हैं. ऐसे में जनता को समझने की जरूरत है.

ब्रीफ खबरें

राम भक्तों का पुष्प वर्षा कर किया स्वागत

हजारीबाग। श्री श्री चैत्र रामनवमी स्वागत समिति दसवीं की रात से एकादशी तक राम भक्तों सहित सभी अखाड़ाधारियों का स्वागत परंपरागत ढंग से जोरदार पुष्प वर्षा कर किया. दशमी की शाम 7:00 बजे मंच का शुभारंभ हजारीबाग बड़ा अखाड़ा के महंत विजयानंद दास ने किया. समिति के अध्यक्ष टोनी जैन ने महंत को का स्वागत किया. भाजपा नेता मनीष जायसवाल, आरएसएस जिला प्रमुख श्रद्धानंद सिंह, यदुनाथ पांडेय, कांग्रेस नेता जयप्रकाश भाई पटेल, बड़कागांव विधायक अंबा प्रसाद, कांग्रेस नेता मुन्ना सिंह, हजारीबाग सांसद जयंत सिन्हा के सुपुत्र आशीर सिन्हा ने भी मंच का सम्मान बढ़ाया.

सर्पदंश से छह वर्षीय बच्ची की हुई मौत

कोडरमा। चंदवारा प्रखंड की बेंदी पंचायत के राजेश घटवार की 6 वर्षीय पुत्री किरण कुमारी की मौत सर्पदंश के बाद इलाज के दौरान हो गयी. घटना 17 अप्रैल की है. मृतका किरण अपनी मां के साथ बेंदी तालाब से देर शाम लौट रही थी. इसी दौरान रास्ते में उसे सांप ने काट लिया.आनन फानन में उसे सदर अस्पताल लाया गया, जहां से उसे रिम्स रेफर कर दिया गया. रिम्स में इलाज के दौरान शुक्रवार की रात उसकी मौत हो गयी. शनिवार को बच्ची का अंतिम संस्कार बेंदी में किया गया.

ईवीएम/वीवीपैट का किया गया प्रथम रैंडमाइजेशन

हजारीबाग। जिला समाहरणालय भवन के एनआईसी में शनिवार को भारत निर्वाचन आयोग के सॉफ्टवेयर द्वारा कंप्यूटर सिस्टम से ईवीएम और वीवीपैट का प्रथम रैंडमाइजेशन कराया गया. राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों को वीवीपैट मशीनों की विधानसभावार सूची उपलब्ध कराई गई. जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि शांतिपूर्ण मतदान करने की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं. उप निर्वाचन पदाधिकारी ने इस दौरान प्रथम रैंडमाइजेशन की पूरी प्रक्रिया के बारे में विस्तार से समझाया.

अंबा ने अनाथ लड़की के विवाह में की मदद

बड़कागांव। पंकरी बरवाडीह ग्राम के स्व. गिरधारी राम की पुत्री सपना कुमारी के पिता का देहांत पूर्व में हो चुका था. उसकी एकमात्र सहारा उसकी दादी शांति है, जो खुद विकलांग व लाचार है. ऐसे में उसका विवाह होने में आर्थिक कठिनाई आ रहा थी. इसकी सूचना मिलने पर बड़कागांव विधायक अंबा प्रसाद तक पहुंची. इसके तत्पश्चात विधायक ने आर्थिक मदद की.

प्रत्येक रामनवमी में कटती है बिजली, समाजसेवी ने लगाया आरोप

त्योहार के नाम पर करोड़ों रु. घोटाला करता है विभाग

संवाददाता। हजारीबाग

समाजसेवी अभिमन्यु प्रसाद ने शनिवार को अपने आवास पर प्रेस वार्ता कर बिजली विभाग पर शहर में त्योहार के नाम पर करोड़ों रुपये का घोटाला करने का आरोप लगाया. बताया कि बिजली विभाग रामनवमी त्योहार पर भी आम जनता के साथ धोखेबाजी करता है और करोड़ों का घोटाला कर लेता है.

विभाग रिपेयरिंग के नाम पर 15 दिनों तक बिजली काट देता है और लाइन पूरी तरह से नहीं बन पाती है. फिर महीने दो महीने में लाइन खराब हो जाती है. उन्होंने यह भी कहा कि त्योहार में बहुत शौक से छोटे व्यापारी कोल्ड ड्रिंक, पानी, आइसक्रीम का व्यवसाय करता है और वह ज्यादा मात्रा में माल मंगवाता है, लेकिन बिजली विभाग इनके व्यवसाय पर ही पानी फेर देता है. वह बिजली देता ही नहीं है, जिसके कारण इनका सामान खराब हो जाता है. जबकि दूरदराज से रेस्टोरेंट, होटल की भी त्योहार में खूब बुकिंग होती है, लेकिन बिजली नहीं होने के कारण उन्हें जनरेटर का इस्तेमाल करना पड़ता है. यह एक रेस्टोरेंट, होटल की बात नहीं, बल्कि पूरे शहर की यही हालत है. एक दिन में एक रेस्टोरेंट, होटल वाले का 5000 रुपये का डीजल जलता है और उनका मुनाफा कम होता है. वहीं बात करें पानी की तो एकादशी के दिन दिनभर बिजली कटी हुई रहती है. ऐसे में पानी का संकट हो जाता है. उन्होंने यह भी कहा कि सच्चाई यह है कि रामनवमी का जुलूस कुछ ही सड़क से गुजरता है, जिसमें झंडा चौक, महावीर स्थान, पंच मंदिर चौक, मस्जिद रोड और बस स्टैंड शामिल है. ऐसे में पूरे शहर की बिजली काट दी जाती है, लेकिन मीटर रुकता नहीं है. वह महीने का फिक्स किया हुआ है.

खास बातें

- व्यवसाय करने वालों के साथ आम लोग भी होते हैं परेशान
- रिपेयरिंग पर खर्च का लेखा-जोखा सार्वजनिक किया जाए

यही रवैया रहा तो किया जायेगा उग्र आंदोलन

उन्होंने कहा कि अगर बिजली विभाग का यही रवैया रहा तो उग्र आंदोलन भी किया जाएगा. यह भी कहा कि बिजली विभाग ने त्योहार के नाम पर कितना रिपेयरिंग पर खर्च किया है इसका लेखा-जोखा उसे सार्वजनिक करना चाहिए. उसे बताना चाहिए कि अपने उसने कितना पैसा सरकार से रामनवमी त्योहार के नाम पर रिपेयरिंग के लिए लिया है. पूर्व में भी कहा गया था कि बिजली विभाग अब रामनवमी जुलूस के रूट पर अंडरग्राउंड वायरिंग करवाएंगे, लेकिन कई साल बीत गए आज तक न अंडरग्राउंड वायरिंग हुयी और न बिजली आपूर्ति में सुधार हो पाया. रामनवमी तो एक बहाना है. वहीं इस संबंध में भाजपा नेता बटेश्वर प्रसाद मेहता ने बताया कि बिजली विभाग के कर्मचारियों की संपत्ति की जांच होनी चाहिए. इनकी लापरवाही लगातार सामने आती है. इस वर्ष की रामनवमी में बिजली विभाग की खूब निंदा हुई है.

बालू गिराकर लौटने के क्रम में झपकी आने से चालक की गयी जान

तालाब में गिरा ट्रैक्टर, एक की मौत

संवाददाता। विष्णुगढ़

18 वर्षीय ट्रैक्टर चालक अरुण कुमार की शुक्रवार की देर रात हादसे की जद में आने से मौत हो गयी. मृतक गोमिया (बोकारो) के कढमा का रहने वाला था. घटना बनासो थाना क्षेत्र की है. जानकारी के मुताबिक अरुण बालू लेकर विष्णुगढ़ के गाल्होबार गया था.

बालू गिराकर लौटने के क्रम में उसे झपकी आ गयी और ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर बनासो के कुबरी बांध में गिरकर पलट गया तथा चालक उसके नीचे दब गया. इस दुर्घटना में उसकी मौके पर ही मौत हो गयी. रात होने की वजह से इस हादसे की भनक तक किसी को नहीं लग सकी. दिन होता तो शायद उसकी जान बच सकती थी. ट्रैक्टर जरकुंडा (गोमिया) के अशोक साव का बताया गया है. सूचना मिलने पर विष्णुगढ़ थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची एवं शव को कब्जे में लेकर अंत्यपरीक्षण के लिए हजारीबाग भेज दिया.

पुलिस ने चोरी का बिजली तार लदा टेंपो जब्त किया, दो गिरफ्तार

संवाददाता। रामगढ़

पुलिस ने चोरी के छह बोरी अल्युमिनियम विद्युत तार लदे टेंपो के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया है. साथ ही पुलिस ने मोबाइल फोन भी बरामद किया है. इससे पहले पुलिस अधीक्षक डॉ. विमल कुमार को गुप्त सूचना मिली थ्की कि वेस्ट बोकारो ओपी क्षेत्र से चोरी किए गए तार को टेंपो में लाद कर कुज्जू की ओर ले जाया जा रहा है. पुलिस अधीक्षक ने इस सूचना पर कुज्जू ओपी प्रभारी को त्वरित कार्रवाई करने का आदेश दिया. पुलिस टीम नया मोड़ के निकट एक खड़े टेंपो को देखकर आगे बढ़ी. पुलिस को आता देख दो लोग टेंपो लेकर भागने लगे. पुलिस की टीम ने पीछा कर टेंपो को पकड़ा.

पुलिस ने टेंपो से चोरी किए गए बिजली तार को बरामद कर रोहित कुमार और मोहम्मद फिरोज नामक व्यक्ति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. गिरफ्तार मोहम्मद फिरोज का पुराना आपराधिक रिकार्ड है. छापामारी दल में कुज्जू ओपी प्रभारी दिगंबर पांडे, अयोध्या प्रसाद और सशस्त्र पुलिस बल शामिल थे.

मैट्रिक में मॉडर्न हाई स्कूल का शत-प्रतिशत परिणाम

रामगढ़। वार्षिक माध्यमिक परीक्षा में शामिल मॉडर्न हाई स्कूल चैनगड़ा के छात्रों ने शत प्रतिशत परिणाम प्राप्त कर मिसाल पेश की है. विद्यालय से कुल 36 बच्चे बोर्ड परीक्षा में शामिल हुए थे. इनमें 30 बच्चे प्रथम श्रेणी से और 6 बच्चे द्वितीय श्रेणी में सफलता प्राप्त कर क्षेत्र का मान बढ़ाया है. नेहा कुमारी ने 90 प्रतिशत अंक लाकर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया है. वहीं 89.40 प्रतिशत अंक के साथ संजना कुमारी दूसरा स्थान और 85 प्रतिशत अंक के साथ निशा कुमारी तीसरा स्थान प्राप्त किया है. अली असगर, नीतीश कुमार महतो, दीपा कुमारी, सना आफरीन, रोशन महतो, मोहम्मद समीर अंसारी, विशाल महतो ने क्रमवार दशम स्थान प्राप्त किया है. विद्यालय परिवार और बच्चों के माता-पिता में खुशी का माहौल है.

राजग प्रत्याशी के पक्ष में पूर्व विधायक ने किया तूफानी दौरा

संवाददाता। चौपारण

हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के एनडीए उम्मीदवार के पक्ष में बरही के पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव ने प्रखंड की 11 पंचायतों के दर्जनों गांवों में तूफानी जनसंपर्क अभियान चलाया. इस दौरान चोरदाहा, चौपारण, सियरकोनी, यवनपुर, चयकला, दादपुर, बेड़ना, बेला, रानीक, झापा, चेथी, पपरो, करमा, बहेरा और मानगढ़ का दौरा किया. महाराजगंज चौक पर सैकड़ों बाइक जत्थे के साथ मनोज यादव का भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने स्वागत किया. ग्राम पंचायत चयकला में ग्रामीणों ने 51 किलो का विशाल माला पहना कर अभिनंदन किया. ग्राम दादपुर में जनसंवाद के दौरान मैट्रिक परीक्षा प्रखंड टॉपर बने छात्र अनिकेत सिन्हा और उनके स्कूल मॉडर्न स्कूल के शिक्षकों का मनोज यादव ने हौसला आफजाई की.

नेता नहीं, बेटा-भाई चुनें : यादव ने जनसंवाद के दौरान कहा कि लोकसभा चुनाव में नेता नहीं, बेटा-भाई चुनें. एनडीए प्रत्याशी जैसे सुलभ, मिलनसार और मृदुभाषी व्यक्तित्व को ही अपना सांसद चुनें. कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिप सदस्य राकेश रंजन, भाजपा जिला उपाध्यक्ष राजेश सहाय, भाजपा जिला महामंत्री सुनील साव, मंडल अध्यक्ष मुकेश सिन्हा, गुरुदेव गुप्ता आदि मौजूद थे.

उरीमारी में आपराधिक घटनाओं को अंजाम देने की थी योजना

रिवाल्वर व कट्टे के साथ दो धराये

संवाददाता। रामगढ़

पुलिस ने भुरकुंडा के सयाल से दो युवकों को हथियार के साथ गिरफ्तार किया है. दोनों युवक बाइक पर स्याल से उरीमारी, हजारीबाग किसी आपराधिक घटना को अंजाम देने के लिए जा रहे थे. इस संबंध में शनिवार को पुलिस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में मामले का खुलासा करते हुए बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि दो युवक हथियार के साथ किसी आपराधिक घटना को अंजाम देने के लिए बाइक पर सवार होकर स्याल से उरीमारी जा रहे हैं. इस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पतरातू पुलिस निरीक्षक योगेंद्र सिंह के नेतृत्व में छापेमारी दल का गठन किया गया. टीम ने अभियान चलाकर स्याल चेक पोस्ट के समीप एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया. इस दौरान हरे रंग की यामाहा बाइक पर सवार दो युवक पुलिस को देखकर भागने लगे. इस पर पुलिस के जवानों ने पीछा कर

उन्हें पकड़ लिया. युवकों की पहचान स्याल पिपला सेंट्रल निवासी राकेश कुमार उर्फ राजू (20) और स्याल शिवाजी रोड निवासी प्रेम कुमार राम (19) के रूप में हुई है. राकेश के पास से एक देसी रिवाल्वर और प्रेम कुमार के पास से एक देसी कट्टा और एक गोली बरामद की गयी.

पुलिस ने युवकों को गिरफ्तार करते हुए हथियार और बाइक जब्त कर लिया है. मामले को लेकर पतरातू थाने में आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिक दर्ज कर उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है. पुलिस अधीक्षक ने बताया कि एक अभियुक्त राकेश कुमार उर्फ राजू का आपराधिक इतिहास भी रहा. है पतरातू थाना में पूर्व से आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज है. जांच में फिलहाल अभियुक्त का किसी आपराधिक संगठन के साथ संबंध होने की बात सामने नहीं आई है. छापेमारी दल में पुलिस निरीक्षक पतरातू योगेंद्र सिंह, भुरकुंडा ओपी प्रभारी अभिषेक कुमार, कुणाल कुमार सदल बल जवान शामिल थे.

मतदाताओं को सुविधाएं उपलब्ध कराने को कहा

बैंक प्रतिनिधियों व सीएसआर समिति संग डीसी ने की बैठक

संवाददाता। रामगढ़

जिले में लोकसभा चुनाव के सफल तथा स्वच्छ आयोजन को लेकर शनिवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त चंदन कुमार ने समाहरणालय सभाकक्ष में विभिन्न बैंक प्रतिनिधियों के साथ बैठक की. इस दौरान सीएसआर समिति की बैठक का भी आयोजन किया गया. बैठक के दौरान कुमार ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों में पड़ने वाले बैंकों के प्रतिनिधियों से मतदाता जागरूकता सहित अन्य विषयों पर किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली. उपायुक्त ने सभी बैंक प्रतिनिधियों को उनके क्षेत्र में पड़ने वाले मतदान केंद्रों पर दिव्यांग, बुजुर्ग सहित अन्य जरूरतमंद मतदाताओं का मतदान आसानी पूर्वक सुनिश्चित कराने को लेकर व्हीलचेयर सहित अन्य उपकरण उपलब्ध कराने को लेकर दिशा निर्देश दिए.

वहीं उपायुक्त ने सीएसआर समिति की बैठक के दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए एजेंसियों के अधिकारियों तथा प्रतिनिधियों से भी उनके द्वारा लोकसभा चुनाव के तहत किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली. उपायुक्त ने सभी को उनके क्षेत्र में पड़ने वाले मतदान केंद्रों पर विभिन्न स्वास्थ्य उपकरण ,व्हीलचेयर आदि उपलब्ध कराने तथा मतदान केंद्रों के संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय तथा लगातार संपर्क में रहकर आवश्यकता अनुसार सहयोग देने को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए. बैठक के दौरान उप निर्वाचन पदाधिकारी रविंद्र कुमार गुप्ता, नोडल पदाधिकारी मतदाता जागरूकता कोषांग सह जिला समाज कल्याण पदाधिकारी कनक तिर्की, वरीय पदाधिकारी आदि उपस्थित थे.

राजनीति कहा-हमारे चाचा रीतलाल ने डाली थी भाजपा की मजबूत नींव, पांच बार चुने गए थे सांसद

कोडरमा लोस क्षेत्र से निर्दलीय लड़ेंगे जयप्रकाश वर्मा

संवाददाता। हजारीबाग

कोडरमा लोकसभा क्षेत्र से निर्दलीय प्रत्याशी जयप्रकाश वर्मा चुनाव लड़ेंगे. इस संबंध में उन्होंने शुभम संदेश संवाददाता से बातचीत के दौरान बताया कि क्षेत्र में विकास नहीं हुआ है और यहां एक ही उम्मीदवार को पार्टी से बार-बार मौका मिल रहा है. ऐसे में इस बार वह निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ेंगे. उन्होंने बताया कि रीतलाल प्रसाद वर्मा हमारे चाचा थे और वह कोडरमा संसदीय क्षेत्र से पांच बार सांसद चुने गए. स्व. रीतलाल प्रसाद वर्मा ने इलाके में भाजपा की मजबूत नींव रखी थी. कॉलेज से ही राजनीति

में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेने वाले कोडरमा के पूर्व भाजपा सांसद स्व. वर्मा राजनीतिक जीवन में चुनावी सफलता का सफर तय करते गए. वे वकालत छोड़ कर राजनीति में आए थे और यहां अपनी एक अलग पहचान बनाई थी.

कांग्रेस के गढ़ को किया था ध्वस्त : 1969 में जनसंघ का जिलाध्यक्ष बनने के बाद 1972 में जनसंघ के टिकट पर जमुआ विधानसभा से पहली बार विधायक बने थे और कांग्रेस के मजबूत गढ़ को ध्वस्त करने में सफल रहे थे. उन्होंने जमुआ विस क्षेत्र पर तत्कालीन श्रम मंत्री और कांग्रेस के दिग्गज नेता सदानंद प्रसाद को मात दी. गरीब गुरबों के अधिकार दिलाने और साफ-सुथरी शासन-प्रशासन का निर्माण करना ही स्व. वर्मा का मुख्य उद्देश्य था. यही कारण है कि 1974 में जय प्रकाश नारायण के आह्वान पर उन्होंने एकीकृत बिहार विधानसभा से से त्याग पत्र दे दिया और जेपी के आंदोलन में शामिल हो गए.

पहली बार रिकार्ड मतों से जीत

स्व. वर्मा ने अपना पहला संसदीय चुनाव वर्ष 1977 में रिकार्ड मतों से जीता था. उस समय कुल मतदाताओं की संख्या 53359, भाकपा के रामनारायण प्रसाद यादव को 21377 और निर्दलीय जोहन मरांडी को 7412 मत मिले थे. जयप्रकाश वर्मा ने यह भी कहा कि रीत लाल वर्मा के कई अधूरे सपने थे जो चुनाव जीतने के बाद हम पूरा करेंगे. उनके सपनों को साकार करेंगे.

1977 में कोडरमा संसदीय क्षेत्र का गठन : 1977 में कोडरमा संसदीय क्षेत्र का गठन हुआ. तब पहली बार लोक दल से स्व. वर्मा सांसद बने और इस क्षेत्र के ज्वलंत मुद्दों को संसद में उठाने का कार्य किया. जमुआ प्रखंड के भंडारो गांव में 1 फरवरी, 1938 को किसान परिवार में जन्मे स्व. वर्मा ने एलएलबी और डीआईपी की शिक्षा ली. गिरिडीह-कोडरमा रेलवे लाइन, मरकच्चो के बरियारडीह आयुध कारखाना के लिए वे संसद में बात रखते रहे. अलग वनांचल राज्य के लिए आवाज को बुलंद करते रहे. वे 1977 के बाद जनता पार्टी से 1980, भाजपा से 1889, 1996 और 1998 में कोडरमा से सांसद चुने गए थे.

स्मृति शेष

नहीं रहे सेवानिवृत्त एजुकेशन एसडीओ श्याम बिहारी ओझा

संवाददाता। हजारीबाग

सेवानिवृत्त एजुकेशन एसडीओ श्याम बिहारी ओझा नहीं रहे. वह 92 वर्ष के थे और को-ऑपरेटिव कॉलोनी स्थित अपने आवास पर 11 अप्रैल को आखिरी सांस ली. वे अपने समय के ईमानदार अफसर के रूप में जाने जाते थे. सामाजिक और धार्मिक कार्यों में भी उनकी खूब भागीदारी रहती थी. दो सप्ताह पहले उन्होंने नृसिंग स्थान मंदिर में पूजा की थी. मूल रूप से वह बिहार के बक्सर जिला के रहने वाले थे. वे मई 1984 में हजारीबाग आए और फिर यहां की आबोहवा में रच-बस गए. यहीं को-

ऑपरेटिव कॉलोनी में उन्होंने घर बना लिया. वे जुलाई 1993 में सेवानिवृत्त हुए थे. उनका अंतिम संस्कार खीरगांव स्थित मुक्तिधाम में किया गया. उनके बड़े पुत्र गोपाल कृष्ण कश्यप ने उन्हें मुखाग्नि दी. श्याम बिहारी ओझा की पत्नी रामदुलारी देवी फरवरी 2016 में चल बसी थीं. श्याम बिहारी ओझा के दो पुत्रों में बड़े गोपाल कृष्ण कश्यप आईटी इंजीनियर एटीएम और छोटे पुत्र हरिगोपाल कश्यप इटिनेट मुंबई में सीनियर डायरेक्टर हैं.

क्लब ने थाना प्रभारी को किया सम्मानित

चौपारण। प्रखंड में रामनवमी का त्योहार सफलतापूर्वक संचालित करने में प्रखंड प्रशासन और पुलिस प्रशासन का महत्वपूर्ण योगदान रहा. इसको लेकर ऐतिहासिक बजरंग क्लब दादपुर, चक्रसार अखाड़ा कमिटी के सचिव अरविंद कुमार सिन्हा, जितेंद्र सिंह, मो. डब्लू अंसारी, जन्मेजय सिंह, मंतोष सिंह, रामचंद्र रजक आदि ने चौपारण थाना पहुंचकर थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें सम्मानित किया. बता दें कि चौपारण प्रखंड में 26 पंचायतें हैं. इसकी लगभग 2 लाख आबादी है. सभी पंचायतों में रामनवमी धूमधाम से मनायी जाती है. ऐसे में चौपारण प्रखंड में रामनवमी का पर्व शांतिपूर्ण संपन्न करवाना किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं था.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष ऋण भाव में चन्द्र है. उधार सामग्री लेने से बचें. कोर्ट-कचहरी व सरकारी कार्यालयों में रुके काम मनोनुकूल रहेंगे. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रह सकती है. लेन-देन में जल्दबाजी न करें.

वृषभ दुष्ट व्यक्ति से सावधान रहें. वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें. शारीरिक हानि की आशंका है. क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें. व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा. आय बनी रहेगी. माता लक्ष्मी को गुलाब फूल अर्पण करें.

मिथुन कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति अनुकूल होगी. जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा. शत्रुभय रहेगा. धनहानि हो सकती है. भावना पर नियंत्रण रखें. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. कोई छोटा निवेश शुभ रहेगा.

कर्क समय उपयुक्त है. भाई के सहयोग से कार्य बनेगा. बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. नौकरी में चैन रहेगा. किसी पुरानी बीमारी से परेशानी हो सकती है. नए मित्र बनेंगे. विवेक का प्रयोग करें. कार्य का लाभ में वृद्धि होगी.

सिंह किसी धार्मिक या पूजा में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है. समाज से जुड़े व्यक्ति को विशेष लाभ होगा. व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा. स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा. धनार्जन होगा.

कन्या समय उत्तम फल प्रदान करेगा. मानसिक संतुष्टि मिलेगी. विवाद को बढ़ावा न दें. कार्य को लेकर दौड़धूप अधिक रहेगी. लाभ के अवसर हाथ से निकल सकते हैं. आय में निश्चितता रहेगी. किसी अनजान कार्य में जोखिम न लें.

तुला खर्च की वृद्धि पर रोक आवश्यक है. जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे. समाजसेवा करने की प्रेरणा प्राप्त होगी. समाज परिवार में मान-सम्मान मिलेगा. आय के नए स्रोत प्राप्त होंगे. धन प्राप्ति सुगम होगी. शृंगार का सामान दान करें.

वृश्चिक लेन-देन में जल्दबाजी न करें. घर में मेहमानों का आगमन हो सकता है. व्यय होगा. शुभ समाचार प्राप्त होगा. घर-बाहर प्रसन्नता का माहौल बनेगा. धन प्राप्ति सुगम होगी. संतान पक्ष की चिंता रहेगी.

धनु थकान व कमजोरी रह सकती है. अप्रत्याशित लाभ की संभावना है. व्यावसायिक यात्रा लंबी हो सकती है. लाभ होगा. बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. भाग्य की अनुकूलता बनी रहेगी. अन्न का दान करें.

मकर कोई अप्रत्याशित खर्च सामने आ सकता है. आर्थिक स्थिति बिगड़ सकती है. किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है. अपेक्षित कार्यों में विलंब होगा. कार्य नहीं बनने से मानसिक रूप से चिंता तथा तनाव रहेंगे. आय बनी रहेगी.

कुंभ कार्य नहीं होगा, जिससे तनाव रह सकता है. बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. नए काम मिल सकते हैं. आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी. नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा. उत्साह व प्रसन्नता रहेगी.

मीन समय उत्तम है. पर व्यापार में विशेष ध्यान दें. कार्य में तत्काल लाभ नहीं मिलेगा. कार्यप्रणाली में सुधार होगा. आय के नए स्रोत प्राप्त होने के योग हैं. मित्रों व रिश्तेदारों की सहायता कर पाएंगे. मिठाई का दान करें.

मतदाता पंजीकरण के लिए विशेष शिविर लगा

लातेहार। आसन्न लोकसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाने एवं युवा मतदाताओ के पंजीकरण के लिए एक विशेष शिविर शहर के बनवारी साहू महाविद्यालय, गांधी इंटर कॉलेज तथा राजकीय पोलिटेक्निक संस्थान में लगाए गए. बीएलओ पर्यवेक्षक अतुल कुमार ने बताया इस शिविर में लगभग 15 छात्रों ने प्रपत्र- छह प्राप्त किया. कार्यक्रम में क्विज प्रतियोगिता भी कराया गया और विजेता छात्रों को पुरस्कार प्रदान किया. छात्र आयन कुमार, नीरज कुमार, अभिजीत कुमार, प्रिया कुमारी, सौरभ कुमार व अल्पना हांसदा आदि ने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए हम सभी अपना अपना मतदान जरूर करेंगे. कार्यक्रम को सफल बनाने में पोलिटेक्निक संस्थान के अजय कुमार मिश्र, नोडल पदाधिकारी डॉ विशाल शर्मा, आभा केरकेट्टा, मो असफाक, गांधी कॉलेज के प्राचार्य दशरथ साहू, व्याख्याता संजय सिन्हा, बनवारी साहू कॉलेज के प्राचार्य प्रदीप कुमार तिवारी अनुपम मिश्र, बैजनाथ महतो, किशोर प्रसाद के अलावा बीएलओ सुनीता देवी व सविता देवी का योगदान रहा.

पेज 1 का शेष

रांची में दिखेगी इंडिया गठबंधन...

रिकॉर्ड पांच लाख लोगों को जुटाने का है दावा : झामुमो के अनुसार जब राज्य का गठन हुआ था, उसके बाद जून 2001 में झामुमो की विजय महारैली हुई थी. उस महारैली में जो भीड़ उमड़ी थी, उसका रिकॉर्ड आज तक नहीं टूटा है. अब झामुमो की कोशिश उस रिकॉर्ड को तोड़ने की है. झामुमो ने अपने दम पर तीन लाख और सहयोगी दलों के साथ महारैली में पाच लाख लोगों को जुटाने का लक्ष्य रखा है.

20 से अधिक एलइडी स्क्रीन लगाए जा रहे : प्रभात तारा मैदान के पंडाल में और पंडाल के बाहर रहने वाले लोगों के लिए 20 से ज्यादा बड़े -बड़े एलइडी स्क्रीन लगाए जा रहे हैं. मुख्य पंडाल की लंबाई 40 मीटर और चौड़ाई 20 मीटर है. जबकि दो सहायक मंच 30 मीटर लंबा और 13 मीटर चौड़ा बनाया गया है. महारैली में शामिल होने वाली जनता और गठबंधन दलों के पार्टियों के कार्यकर्ता को भीषण गर्मी में भी थोड़ी राहत मिल सके, इसके लिए 40 मीटर गुना 150 मीटर का एक मुख्य और 30 मीटर गुना 150 मीटर के दो अन्य पंडाल बनाये गए हैं.

इंडी गठबंधन के साथियों को एक बार उलगुलान विद्रोह को फिर से पढ़ना चाहिए

आदिवासी जमीन के लुटेरे उलगुलान जैसे पवित्र शब्द का प्रयोग न करें: बाबूलाल

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि आदिवासी समाज की जमीन और उनके संसाधनों को लूटने और तबाह करने वालों को उलगुलान जैसे पवित्र शब्द के प्रयोग से बचना चाहिए. इतिहास में झांककर इंडी गठबंधन के साथियों को एक बार उलगुलान विद्रोह को फिर से पढ़ना चाहिए. उलगुलान विद्रोह मूल निवासियों के संसाधन, उनकी जमीन और उनके अधिकारों को जमीदारों और साहूकारों द्वारा छीने जाने के विरोधस्वरूप हुआ था. आज इंडी गठबंधन उन्हीं साहूकारों और जमीदारों की तरह आदिवासी समाज की जमीन को हड़पकर उलगुलान जैसे शब्दों का उपयोग कर उसका राजनीतिकरण कर जनता को बरगलाने का प्रयास कर रहा है, बाबूलाल शनिवार को भाजपा कार्यालय में मीडिया से बात कर रहे थे. कहा कि हेमंत के नेतृत्व में आदिवासी समाज की पुश्तैनी जमीन पर अवैध तरीके से कब्जा जमाकर बैंक्वेट हॉल बनाने का सपना संजोया जा रहा है, ऐसे व्यक्ति के लिए उलगुलान जैसे क्रांतिकारी शब्द का प्रयोग कर भगवान बिरसा मुंडा को अपमानित किया जा रहा है.

भ्रष्टाचारियों का, भ्रष्टाचारियों के लिए और भ्रष्टाचारियों द्वारा आयोजित है यह रैली

मरांडी ने समझाया, क्यों हो रहा महारैली का आयोजन

बाबूलाल ने कहा कि जहां झारखंडवासियों के लिए बेरोजगारी, भुखमरी, बुनियादी जरूरतों की कमी (बिजली,पानी और आवास) और पलायन जैसी गंभीर समस्याएं हैं, वहीं इंडी गठबंधन के लिए मुख्य विषय परिवारवादी व तुष्टिकरण की मानसिकता को बढ़ावा देना, भ्रष्टाचार करना और भ्रष्टाचारियों को संरक्षण देना, कुशासन की सारी हदों को पार करना, आदिवासी जमीन व संपदा को लूटने के नए तरीके ढूंढना, ट्रांसफर पोस्टिंग के नाम पर अधिकारियों से मनमानी वसूली करना, युवाओं के भविष्य को अंधकार में रखकर अपना और अपने परिवार के भविष्य को बेहतर बनाना, महिला सुरक्षा के नाम पर राज्य में डर और भय का माहौल स्थापित करना और जनता को लूटकर उनके ही नाम पर, उनसे ही सहानुभूति बटोरना है. यह रैली भ्रष्टाचारियों का, भ्रष्टाचारियों के लिए और भ्रष्टाचारियों द्वारा आयोजित किया गया है. झारखंड की जनता पर पूरा विश्वास है कि मेरे परिवारजन इस फर्क को अच्छी तरह से समझते हैं और उन्हें पता है कि अपने बहुमूल्य वोट का सही इस्तेमाल कब और कैसे करना है.

इंडी गठबंधन का मुद्दा हेमंत सोरेन को अपराध मुक्त घोषित करना है

इंडी गठबंधन के लिए मुद्दा- सच्चाई, इंसाफ, न्याय न होकर, भ्रष्टाचारी हेमंत को अपराध मुक्त घोषित करना है. रैली में शामिल होने वाले इंडी गठबंधन के साथियों के लिए आदिवासी कल्याण कभी मुद्दा था भी नहीं, और आज भी नहीं है. सबको पता है कि पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, जिनके लिए इस रैली का आयोजन किया जा रहा है, उनका हाथ-पैर तो दूर, पूरा शरीर ही भ्रष्टाचार के दलदल में पूरी तरह डूबा हुआ है. पिछले चाल साल के कार्यकाल में हेमंत ने आदिवासी समाज के मान, सम्मान और पहचान को न सिर्फ धूमिल किया है, बल्कि आदिवासी धरोहरों को नष्ट कर उनके संसाधनों को बिचौलियों के हाथों बेचने और उनकी जमीन पर अवैध तरीके से कब्जा करने व अपने साथियों की मदद से कागजों में भी हेरफेर करने का कुत्सित प्रयास किया है.

काटे जानेवाले पेड़ों की क्षतिपूर्ति के लिए 2015 हेक्टेयर में 20.15 लाख पौधे लगाये जाने हैं

हुजूर... इन्हें बेरहमी से काटिए क्योंकि ये वोट नहीं दे सकते है

समीर चक्रवर्ती। रांची

झारखंड में जल, जंगल, जमीन बचाने की लड़ाई हाल के दिनों में तेज हुई है. एक और जहां जंगल बचाने के लिए केंद्र और राज्य सरकार अपने स्तर से प्रयास कर रही हैं, वहीं लातेहार के बरवाडीह में बन रहे मंडल डैम पर गेट लग जाने से तीन लाख 44 हजार 644 से अधिक पेड़ या यों कहें एक पूरा जंगल ही काट दिया जाएगा. काटे जाने वाले पेड़ों बदले दस गुना ज्यादा पौधे लगाये जाने हैं. लेकिन अब तक एक भी पौधा नहीं लगाया जा सका है. जल, जंगल, जमीन बचाने की बात करने वाले किसी भी राजतीतिक दल ने मुखर होकर इसका विरोध नहीं किया. कारण ये पेड़ वोट नहीं देते हैं. वहीं इस डैम के बन जाने से पलामू को कम बिहार को ही अधिक लाभ होगा. इसके साथ कई दलों की राजनीति भी जुड़ी हुई है. ऐसे में विरोध करे भी तो करे कौन. वहीं इस जंगल के साथ ही आयुर्वेद की बहुत सारी जड़ी -बूटियों व एक पूरा जंगली वनस्पितयों का चक्र ही समाप्त हो जाएगा. हालांकि, काटे जानेवाले पेड़ों की क्षतिपूर्ति के लिए 2015 हेक्टेयर में 20.15 लाख पौधे लगाये जाने हैं. पलामू टाइगर रिजर्व की आपत्ति के बाद डैम की ऊंचाई 26 मीटर कम कर के 341 मीटर कर दी गई है.

70 के दशक में उत्तर कोयल नहर परियोजना का काम शुरू हुआ था : बता दें कि 70 के दशक में उत्तर कोयल नहर परियोजना के तहत मंडल डैम का निर्माण कार्य शुरू किया गया था. लेकिन काम आगे नहीं बढ़ पाया. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पांच जनवरी 2019 को मंडल डैम के अधूरे कार्य को पूरा करने की योजना का शिलान्यास किया था. शिलान्यास के बावजूद आज तक निर्माण कार्य शुरू न हो सका. इसके पीछे पुनर्वास के लिए मुआवजा लंबित होना भी एक वजह बतायी जा रही थी. मुआवजा लंबित होने के कारण ग्रामीण विस्थापित नहीं हो रहे थे. पेड़ों को काटे जाने के बाद दोगुने पेड़ कहां लगाये जाएंगे, यह भी तय नहीं हो सका है.

झारखंड में मोदी की गारंटी फेल

पांच साल में मंडल डैम का काम शुरू न हो सका

मंडल डैम के डूब क्षेत्र में काटे जाएंगे तीन 3.44 लाख से अधिक पेड़

पलामू में पर्याप्त जमीन ही नहीं, कहां विकसित हो नया जंगल

15-15 लाख रुपये मुआवजे का भुगतान करना है

जानकार बताते हैं कि मंडल डैम पर गेट लग जाने से निश्चित रूप से किसानों को खेती करने में फायदा होगा, लेकिन इससे सटे पलामू टाइगर रिजर्व क्षेत्र को भी नुकसान का अंदेशा हर समय बना रहेगा. सरकार ने चार दशक बाद फिर से परियोजना को रफ्तार देने की आस जगा दी है.राज्य सरकार ने 171 करोड़ रुपये मुआवजा मद में जारी कर दिए हैं. इस राशि से मंडल डैम के विस्थापितों को मुआवजा देने की योजना है. तत्कालीन प्रमंडलीय आयुक्त और डीआईजी ने मंडल डैम डूब क्षेत्र में पड़ने वाले इलाके का जायजा भी लिया था, ताकि झारखंड सरकार की ओर से जारी की गयी राशि से डैम डूब क्षेत्र में आने वाले इलाके के हर परिवार को 15-15 लाख रुपये दिये जा सकें.

पीटीआर में आता है मंडल डैम का इलाका

मंडल डैम क्षेत्र का पूरा का पूरा इलाका पलामू टाइगर रिजर्व के अंतर्गत आता है. डूब क्षेत्र के कारण इलाके में काफी समय से विकास योजनाएं नहीं चलायी जा रही हैं. गांव के लोग न किसी और सरकारी योजना का लाभ ले पा रहे हैं और न ही कहीं बस पा रहे हैं. ग्रामीणों ने बताया कि वे विस्थापित होने को तैयार हैं, लेकिन सरकार उन्हें मुआवजा दे. ग्रामीणों ने बताया कि अधूरे मंडल डैम से उन्हें काफी परेशानियां हो रहीं हैं. उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ भी नहीं मिल पा रहा है.

780 परिवार का कुनबा आएंगे डूब क्षेत्र में

सरकार की नजरों में 780 परिवार डूब क्षेत्र में आयेंगे, जबकि ग्रामीणों का कहना है कि 1050 परिवार डूब क्षेत्र में आ रहे हैं. डूब क्षेत्र के ग्रामीणों के साथ सरकार का समन्वय नहीं है. अविभाजित पलामू में 1972 में कोयल नदी के कुटकु में नदी पर मंडल डैम का निर्माण कार्य शुरू हुआ था. 30 करोड़ की लागत से परियोजना शुरू हुई थी, जो अब 2391.36 करोड़ की हो गयी है. 1993 में डैम के निर्माण स्थल पर नक्सली हमले के बाद काम ठप हो गया था.

नशे के कारोबार पर केंद्र व राज्य सरकार को कार्रवाई का निर्देश दिया

झारखंड हाईकोर्ट और सिविल कोर्ट में कई महत्वपूर्ण केस पर सुनवाई

वीकली राउंडअप

विनीत उपाध्याय। रांची

झारखंड हाईकोर्ट और रांची सिविल कोर्ट में इस सप्ताह (15 से 20 अप्रैल तक) कई महत्वपूर्ण मामलों में सुनवाई हुई. इस सप्ताह मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की जामनत याचिका पर ईडी कोर्ट में सुनवाई हुई, वहीं चार आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया. हाईकोर्ट ने नशे के कारोबार पर सख्ती दिखाते हुए राज्य और केंद्र सरकार को संयुक्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया.

▶ **1.** लैंड स्कैम केस में जेल में बंद पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की जमानत याचिका पर रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉउंड्रिंग एक्ट) के विशेष कोर्ट में सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान ईडी ने जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा, जिसके बाद कोर्ट ने अगली सुनवाई के लिए 23 अप्रैल की तिथि निर्धारित की है.

▶ **2.** पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से जुड़े लैंड स्कैम केस में फर्जी डीड बनाने के आरोपी मोहम्मद सद्दाम की निशानदेही पर ईडी ने चार आरोपियों अंतु तिर्की, प्रियरंजन सहाय, विपिन सिंह और इरशाद को गिरफ्तार कर कोर्ट में प्रस्तुत किया. कोर्ट ने उनसे पूछताछ के लिए ईडी को अनुमति दी. पूछताछ में कई अहम खुलासे हुए हैं.

▶ **3.** तत्कालीन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ आपत्तिजनक बयान देने के आरोपी पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी को दो मामलों में हाईकोर्ट से बाबूलाल को राहत मिली. कोर्ट ने इसी सप्ताह दोनों मामलों में उनके खिलाफ पीड़क कार्रवाई पर रोक लगा दी है.

▶ **4.** झारखंड हाईकोर्ट ने इस सप्ताह नशे के कारोबार के खिलाफ स्वतः संज्ञान से दर्ज जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य और केंद्र सरकार की एजेंसियों को संयुक्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया.

▶ **5.** हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि अनुशासनात्मक कार्यवाही में सेवा बर्खास्तगी की सजा से पहले कदाचार की गंभीरता पर विचार किया जाना चाहिए.

आजसू पार्टी का जमशेदपुर ग्राम प्रभारी सम्मेलन आज

संवाददाता। रांची

जमशेदपुर लोकसभा स्तरीय ग्राम प्रभारी सम्मेलन का आयोजन रविवार को डिमना लेक एरिया, जमशेदपुर में होगा.सम्मेलन में मुख्य रूप से केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो शामिल होंगे. इसमें जमशेदपुर समेत राज्य की सभी 14 सीटों पर एनडीए की जीत सुनिश्चित करने की रूपरेखा और भावी रणनीति पर विस्तृत चर्चा की जाएगी. कार्यक्रम में लोकसभा क्षेत्र के सभी केंद्रीय पदाधिकारी, केंद्रीय सदस्य, जिला कमेटी, जिला के सभी प्रखंड प्रभारी व जमशेदपुर लोकसभा क्षेत्र के सभी इकाइयों के प्रखंड अध्यक्ष, सचिव, पंचायत एवं ग्राम प्रभारी हिस्सा लेंगे.

कार्मिक विभाग के तर्कहीन प्रस्ताव पर जताई आपत्ति

सचिवालय सेवा संघ ने किया पद कटौती का पुरजोर विरोध

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड सचिवालय सेवा संघ की कार्यकारिणी समिति की आपात बैठक ध्रुव प्रसाद की अध्यक्षता में नेपाल हाउस सचिवालय में हुई. इसमें कार्मिक विभाग के तर्कहीन और मनमाने तरीके से पदों की कटौती संबंधी प्रस्ताव पर आपत्ति जताई गई. बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि यदि सरकार पद सृजन के मामले में सकारात्मक पहल नहीं करती है और पदों में कटौती के प्रस्ताव को तत्काल वापस नहीं लेती है, तो झारखंड सचिवालय सेवा संघ भविष्य में एक बड़ा आंदा करने को बाध्य होगा, जिसकी रूपरेखा अगले सप्ताह होने वाली बैठक में तय की जाएगी।

क्या है पूरा मामला

केन्द्रीय सेवा शर्तों के अनुरूप झारखंड सचिवालय सेवा के प्रवर कोटि के पदों के सृजन की संचिका पिछले डेढ़ साल से प्रशासी पदवर्ग समिति के समक्ष विचाराधीन थी, जिस पर तत्कालीन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का अनुमोदन प्राप्त है. मामले को लेकर संघने कई बार वित्त सचिव, कार्मिक सचिव, मुख्य सचिव और मुख्यमंत्री से भी मुलाकात की, लेकिन कार्मिक विभाग द्वारा पद सृजन की संचिका प्रशासी पदवर्ग समिति से वापस मांग ली गई है. पद सृजन के विपरीत कार्मिक विभाग द्वारा पदों में कटौती का प्रस्ताव लाया गया है, जो अत्यंत निंदनीय है. बैठक में अध्यक्ष ध्रुव प्रसाद, महासचिव सिद्धार्थ बेसरा, उपाध्यक्ष विनय कुमार बरनवाल, रितेश कुमार, सचिव पीयूष कुमार, सीमा कुमारी, उमाशंकर मुंडा, निधि टोपनो, देवाशीष आदि उपस्थित थे.

राष्ट्रीय समानता दल के राजेंद्र यादव बने केंद्रीय प्रवक्ता

ब्रजेश तुरी को पलामू लोकसभा से दिया टिकट

संवाददाता। रांची

राष्ट्रीय समानता दल ने शनिवार को पलामू लोकसभा से ब्रजेश तुरी को चुनाव में उतारा है. हरमू स्थित पार्टी कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष कुमुद कुशवाहा ने पलामू लोकसभा सीट के कैंडिडेट का नाम की घोषणा किया. कुमुद कुशवाहा ने कहा ब्रजेश तुरी पार्टी के पुराने कैडर रहे है. सामाजिक समानता की लड़ाई में पलामू प्रमंडल में एक जाना माना चेहरा है. पार्टी झारखंड के आठ लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी पूरी कर चुकी है. रांची और चतरा के बाद पलामू लोकसभा सीटों से पार्टी कैंडिडेट के नाम की घोषणा की गयी है. जल्द ही खूंटी और कोडरमा लोकसभा सीटों से पार्टी कैंडिडेट की नामों की घोषणा किया जायेगा.

ब्रजेश तुरी पार्टी के पुराने कैडर है:कुमुद कुशवाहा

राष्ट्रीय समानता दल ने राजेंद्र यादव को झारखंड का केन्दीय प्रवक्ता नियुक्त किया है. राजेंद्र यादव को केन्दीय प्रवक्ता नियुक्त करते हुए राष्ट्रीय समानता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोतीलाल शास्त्री, प्रदेश अध्यक्ष कुमुद कुशवाहा और प्रदेश महासचिव अशोक कुमार मेहता ने कहा कि उनके लंबे राजनीतिक अनुभव का पार्टी को लाभ मिलेगा.

आठ लोस सीटों पर चुनाव लड़ेगा राष्ट्रीय समानता दल

राष्ट्रीय समानता दल के प्रदेश अध्यक्ष कुमुद कुशवाहा ने कहा पार्टी की और से तीन लोकसभा सीटों पर प्रत्याशियों के चुनाव मैदान में उतार चुकी है. अन्य पांच लोकसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों के नामों पर मंथन चल रहा है, पार्टी जल्द ही खूंटी और कोडरमा लोकसभा के प्रत्याशियों के नामों की घोषणा करेगी. राष्ट्रीय समानता दल विकास के मुद्दे को लेकर चुनाव लड़ रही है. पार्टी ने अपने एजेंडा में शिक्षा, रोजगार के साथ पिछड़े दलित को समानता का अधिकार देने की बात कही है.

झामुमो में महिलाओं को नहीं मिलता है सम्मानः सीता सोरेन

जामताड़ा। झारखंड मुक्ति मोर्चा में महिलाओं को नहीं मिलता है सम्मान. पार्टी में सम्मान नही मिलने के कारण पार्टी को छोड़कर भाजपा में शामिल हुए. इस बार दुमका लोकसभा चुनाव में भाजपा को एक तरफा जीत मिलेगी. उक्त बातें शनिवार को कार्यकर्ता सम्मेलन के दौरान भाजपा के दुमका लोकसभा से घोषित प्रत्याशी सीता सोरेन ने प्रेस वार्ता के दौरान कहीं. उन्होंने कहा कि वर्तमान लोकसभा चुनाव में पिछले चुनाव के तुलना में अधिकतम वोटिंग होगी साथ ही भाजपा को अप्रत्याशित वोटों से जीत मिलेगी. उन्होंने झारखंड मुक्ति मोर्चा पार्टी की आलोचना करते हुए कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा पार्टी में महिलाओं को सम्मान नहीं मिलता है. उन्होंने कहा कि मैंने 14 साल तक झारखंड मुक्ति मोर्चा को सेवा दिया लेकिन घर परिवार में मुझे कोई सम्मान नहीं मिला.

राजनीति लोस चुनाव में वोट कर अपनी चट्टानी एकता का परिचय दे आंदोलकारी : पुष्कर महतो

खूंटी से झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के प्रत्याशी बसंत लोंगा होंगे

खास बातें

- कांग्रेस ने दयामनी बरला को टिकट नहीं देकर अपमानित किया
- आंदोलनकारी राजकीय पहचान, मान -सम्मान के मोहताज हैं

संवाददाता। रांची

झारखंड आंदोलनकारियों ने झारखंड आंदोलनकारी पूर्व विधायक बसंत लोंगा को खूंटी लोकसभा से प्रत्याशी बनाने का निर्णय लिया है. झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के संस्थापक सह प्रधान सचिव पुष्कर महतो ने कहा झारखंड आंदोलनकारी, पत्रकार एवं सामाजिक कार्यकर्ता दयामनी बरला को ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष राहुल गांधी द्तवारा खूंटी से टिकट न देकर अपमानित किया गया है. इसे लेकर झारखंड आंदोलनकारी खुद को अपमानित महसूस कर रहे हैं. इसलिए आंदोलनकारियों ने पूर्व विधायक बसंत लोंगा को खूंटी संसदीय सीट से चुनाव लड़ाने का फैसला लिया है.लोंगा झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के प्रत्याशी होंगे.

लोंगा झारखंड आंदोलनकारियों का प्रतिनिधित्व करेंगे

पुष्कर महतो ने कहा कि झारखंड आंदोलनकारी बसंत लोंगा का लोकसभा चुनाव में साथ देकर अपनी चट्टानी एकता का प्रदर्शन करें और अपनी पहचान को स्थापित करें. उन्होंने कहा कि खूंटी, सिमडेगा, गुमला, लोहरदगा व रांची अर्थात दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल झारखंड अलग राज्य के आंदोलन का केंद्र बिंदु रहा है. आज यहां के आंदोलनकारी राजकीय पहचान, मान- सम्मान के मोहताज हैं, उपेक्षित जिंदगी जी रहे हैं. लोंगा के चुनाव लड़ने से आंदोलनकारियों की अलग पहचान सुनिश्चित हो पाएगी. महतो ने कहा कि झारखंड आंदोलनकारी जाति, पार्टी एवं धर्म की भावना से ऊपर उठकर लोंगा का समर्थन करेंगे.

मुस्लिम लीग के प्रदेश अध्यक्ष पदधारियों संग राजद में शामिल

संवाददाता। रांची

प्रदेश राजद कार्यालय में शनिवार को इंडियन मुस्लिम लीग के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष साजिद आलम, महासचिव जसीम अख्तर, शबनम खातून समेत अन्य पदाधिकारियों सहित सैकड़ों समर्थकों के साथ राजद में शामिल हो गये. राजद कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष संजय कुमार सिंह यादव ने इंडियन मुस्लिम लीग के अध्यक्ष साजिद आलम, महासचिव जसीम अख्तर व पदधारियों का माला पहनाकर स्वागत किया. उन्होंने कहा कि पार्टी में सभी को सम्मान मिलेगा. राजद महासचिव सह मीडिया प्रभारी कैलाश यादव ने कहा कि इंडियन मुस्लिम लीग के सभी साथियों ने राजद की विचारधारा और अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव व यूथ आइकॉन तेजस्वी यादव की नीतियों को अपनाकर पार्टी में शामिल हो राजद को मजबूती प्रदान करने का काम किया है. उन्होंने कहा कि अल्पंख्यक समाज से राजद परिवार का पुराना नाता रहा है. निश्चित रूप से आनेवाले दिनों में विभिन्न पार्टियों के लोग राजद में शामिल होंगे. राजद में शामिल होनेवालों में अब्दुल कयूम अंसारी, संजर खान, अजहर आलम, मो साहिद, फैजान खान, मौलाना अशफाक नौशाद, मो शोएब, इसराइल अंसारी शामिल थे. मौके पर पार्टी की ओर से उपाध्यक्ष अनिता यादव, महासचिव आबिद अली, युवा अध्यक्ष रंजन यादव, कमलेश यादव, सुधीर गोप, शेखर भगत, इरफान अंसारी, शाहिल, शब्बार फातमी, शालिग्राम पांडेय मौजूद थे.

हर तरफ गोलमाल है आपका क्या ख्याल है

कविता कलम
डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

विद्वानों का कहना है कि किसी को रुला देना आसान है, लेकिन किसी को हंसा देना बहुत ही कठिन. हर जगह तनाव. हर जगह कुंठा. हर जगह समस्याओं का अंबार और आम आदमी लाचार. ऐसे कठिन समय में साहित्यकारों की भूमिका बढ़ जाती है, जो अपनी रचनाओं से लोगों को दिव्य लोक की सैर कराते हैं और रिसते घावों पर मरहम लगा कर राहत पहुंचाते हैं. इस कार्य में सबसे बड़ी जिम्मेदारी हास्य रस के कवि गण निभाते रहे हैं, जो अपनी चुटीली रचनाओं से हास्य रस बरसाते हैं. तनाव और कुंठा का दमन कर लोगों को हंसने मुस्कराने पर विवश कर देते हैं. ऐसे में याद आते हैं, हास्य व्यंग्य के धुरंधर कवि **प्रदीप चौबे**, जो पांच साल पूर्व इसी अप्रैल माह में दिवंगत हो गये. लेकिन हिंदी के हास्य साहित्य में उन्होंने जो छाप छोड़ी है, वह उनके पाठकों और श्रोताओं के लिए अमूल्य निधि है. चौबे जी प्रख्यात हास्य कवि शैल चतुर्वेदी के अनुज थे और अपने अग्रज की भांति ही इनका नाम भी धुरंधर हास्य कवियों में अग्रणी रहा है. इन्हें हास्य गैस का सिलेंडर कहा जाता था. जो नॉन स्टॉप ठहाकों की गारंटी माने जाते थे. वे कविताओं में कॉमेडी के साथ तीखे व्यंग्य के लिए भी पहचाने जाते थे. उनकी अधिकतर हास्य कविताओं में रूढ़िवादी मानसिकता पर गहरी चोट होती थी. पुरोधा हास्य कवि को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए प्रस्तुत है उनकी यह प्रसिद्ध हास्य कविता-

हर तरफ गोलमाल है साहब आपका क्या ख्याल है साहब
लोग मरते रहें तो अच्छा है अपनी लकड़ी की ठाल है साहब
आपसे भी अधिक फले फूले देश की क्या मजाल है साहब
मुल्क मरता नहीं तो क्या करता आपकी देखभाल है साहब
रिश्वतें खाके जी रहे हैं लोग रोटियों का अकाल है साहब
इसको डेंगू, उसे विकनगुनिया घर मेरा अस्पताल है साहब
तो समझिए कि पात-पात हूं मैं वो अगर डाल-डाल हैं साहब
गाल चांटे से लाल था अपना लोग समझे गुलाल है साहब
मौत आई तो जिंदगी ने कहा- 'आपका ट्रंक कॉल है साहब'

संसदीय चुनाव का चक्कर है. राजनीतिक दलों और गठबंधनों का एक दूसरे से टक्कर है. नाटक-नौटंकियों का दौर है. बेबस मतदाताओं के हाथ में वोटों का कौर है. राजनेताओं के बीच एक दूजे की बखिया उधेड़ने का तौर है. आरोपों-प्रत्यारोपों की बौछार है. और भी बहुत कुछ है, जो बता रहे हैं हास्य कवि और गीतकार

सुनील अग्रहरी-

चुनावी मौसम में नेता भी
कुकुरमुत्ते की तरह उग रहे हैं,
पार्टी से टिकट नहीं मिला तो
निर्दली ही चुनाव लड़ रहे हैं.
राजनीति की ऐसी बिसात है
जहां नायक और खलनायक साथ साथ हैं,
देश की फिक्र नहीं कोई इन्हें
बस सरकार बला रहे हैं
पत्थर के नीचे हाथ है
अच्छे बुरों का साथ है
एक दो की नहीं पूरे पांच साल की बात है
रुठना मनाना सब इनके अपने हाथ है.
आज मेरी, तो कल उसकी बारी है
यहां तो घोड़े की भी घास से यारी है
जनता पर थोपे जाते हमेशा
झूठे वादे झूठे इरादे
आज सत्ता में हैं तो ऐश करो
कल की ना कोई फ़िक्र करो
मिलजुल कर बांट कर खायेंगे
आज आधी मिली तो कल पूरी भी पायेंगे
विपक्ष में रहेंगे तो हंगामा करेंगे
फिर से चुनाव करवाएंगे
जनता के पास फिर से जायेंगे
एक बार फिर से उसे बेवकूफ बनायेंगे
झुग्गी-झोपड़ी इलाकों में
सबसे पहले जायेंगे
गरीबों के नंग-धड़ंग बच्चों को
गोद में भी उठायेंगे
उन्हें रोटी मिले, मिले ना सही
चॉकलेट टॉफ़ी का स्वाद चखाएंगे
बूढ़ी को माँ कहेंगे, जवान को बहन
थोड़ी देर को ही सही एक नया कुनबा बनायेंगे

चौसठ चूहे खा कर जब कोई बिल्ली हज करने को जाती है तो राजनेताओं के लिए नजीर बन जाती है. विशेष कर उस राजनेता के लिए जो चुनाव के मौसम में ऊंची आवाज में खुद को दूध का धुला हुआ बताता है और फिर गिड़गिड़ाते हुए वोट की मांग दुहराता है, तब जनता अवाक होकर रह जाती है. कभी कभी अपने गुस्से का इजहार भी कर बैठती है. इस प्रसंग में अपने शब्दों के माध्यम से कवयित्री **संगीता स्वरूप** मनोरम चित्र प्रस्तुत कर रही हैं. प्रस्तुत है इनकी यह व्यंग्य पूरित हास्य रचना-

लोकतंत्र का उत्सव मना रहे इस बार
जनता नेताओं से खाये बैठी है खार .
जनता के हाथ में आ गया एक हथियार
जूते से हैं लैस सब चलाने को तैयार .
नेताजी अब सोच रहे कैसे होगा बेड़ा पार
भरी सभा में डर रहे क्या रखें अपने विचार ?
जनता से कर धोखा और करके अत्याचार
आज खड़े हैं आ कर दो जूते का पहने हार .
त्रस्त हुई अब जनता नेताओं पर कर विश्वास
पर नेताजी घूम रहे लेकर जीत की आस .
कोई नहीं है ऐसा नेता जो सुने जनता की पुकार
जनता तो ठगी ही जायेगी आये कोई भी सरकार ..

तकनीकी विकास चाहे जितना भी हो गया हो, समय चाहे जितना भी बदल गया हो, पर गांवों देहातों में निवास करनेवाली बहुत सारी महिलाओं की हालत में कोई बदलाव नहीं आ पाया है. रांची की जानी-मानी कवयित्री **मीरा सिंह** उन महिलाओं की संवदेना को गहराई से महसूस किया है. वही संवेदना उनकी 'देहात की औरतें' शीर्षक कविता में मुखरित हो रही है. प्रस्तुत है उनकी यह कविता-

ख्वाबों को मन में दबा भोर प्रहर में
आंखें मीचते उनका उठना और
घर आंगन लीप पोतकर चमका देना,
पूरे मन से करतीं सारे काम वो हमारी देहात की औरतें.
मायके से लेकर आतीं सीख ससुराल की
उंगली मायके की ओर ना उठवाना,
जैसा भी परिवार हो एडजस्ट कर लेना,
मायके में मिली ये सीख कितना जल्दी सीख जातीं हैं
वो हमारी देहात की औरतें.
सास के ताने सहतीं पति की मार से भी
कभी उफ तक ना करती ,
दिन रात कोल्हू के बैल की तरह
खटती रहतीं फिर खुद को उसी
देहरी से लेती बाँध और
तलाशती रहतीं अपनी खुशियों को उसी देहरी में
वो हमारी देहात की औरतें.
पीहर से बुलावे के आस में ताकती रहती गांव की पगडंडी,
हृदय के कोने में हमेशा बसाएं रखती पीहर का आँगन,
बहन भाइयों संग बिताए पलों को याद कर
अकेले में भी मुस्कुरा देती हैं वो हमारी देहात की औरतें,
बाप भाई को अचानक अपनी देहरी पर आया देख
आंखों से बहते आँसुओं को
कहां रोक पातीं हैं वो हमारी देहात की औरतें।
खेतों में पकते धान के बालियों जैसा ही जीती हैं वो अपना जीवन,
बालों में झांकती सफेदी और प्रौढ़ावस्था की ढलान पर दौड़ लगाता
उनका यौवन, कहां कर पातीं अपने मन की
चूल्हे की आंच पर ही तपता रहता सदैव उनका जीवन,
गोया कठपुतली हो कोई ये कैसी जिंदगानी जीने आती हैं
वो देहात की औरतें हां, वो हमारी देहाती औरतें.

मीरा जी ने अपनी इस रचना में देहाती औरतों का मार्मिक चित्र प्रस्तुत किया है. ये सामाजिक परिस्थतियों के मार्मिक चित्रण में पारंगत हैं, जिसका प्रमाण इनकी यह रचना है. इनकी इस रचना से फिल्म जय संतोषी मां के इस गीत की याद आ जाती है-मत रो मत रो आज राधिके सुन लो बात हमारी, जो दुःख से घबरा जाये, वो नहीं हिंद की नारी. इन्हीं शब्दों के साथ आपकी आज्ञा चाहता हूं.
जय हिंद ! जय झारखंड !!

रोजगार, पलायन और विश्व गांव

आज सवेरे सवेरे चौधरी जी का फोन आया. बहुत खुश लग रहे थे. चार बच्चों के पिता चौधरी जी के एक मात्र पुत्र को अमेज़न में नौकरी मिल गयी है और उसे स्वीडेन जाना है. भारतीय रुपयों में उसकी प्रारंभिक तनख्वाह कुछ बीस लाख रुपए सालाना होगी. चौधरी जी बहुत परंपरावादी ईमानदार, कुशाग्रबुद्धि और सज्जन इंसान हैं. तीनों बेटियों में दो इंजीनियरिंग पढ़ रही हैं और चौथी बहुत प्रतिभाशाली है. उसे डॉक्टर बनने की इच्छा है. चौधरी जी स्वयं भी पढ़ने लिखने में बहुत मेधावी थे. एमए (अर्थशास्त्र) की परीक्षा में बिहार के किसी विश्वविद्यालय में तीसरा स्थान प्राप्त किया था. पहला स्थान विश्वविद्यालय के प्रॉक्टर की बेटी का था, दूसरा स्थान स्थानीय विधायक के बेटे का था. तब जाकर सामान्य विद्यार्थियों का नंबर आता था. सो चौधरी जी को वह स्थान मिला. चौधरी जी को तुरंत रोजगार चाहिए था. एमए रिजल्ट से पहले ही बेटे का जन्म हो गया था. पिता जी पोस्ट मास्टर से रिटायर हुए थे. पेंशन इतना नहीं था कि आठ आदमी के परिवार का गुजारा हो. चौधरी जी की जाति प्रजाति कहीं से भी राज्य सरकार या विश्वविद्यालय के शिक्षण के योग्य नहीं ठहरती थी. खैर, ऊपरवाला सबके लिए कुछ रास्ता खोल ही देता है. इश्तेहार निकला और उन्होंने एजी ऑफिस में ऑडिटर के पद के लिए आवेदन किया, परीक्षा हुई और प्रथम स्थान के साथ चुन लिए गए. एक सांस लेने वाली ज़िंदगी शुरू हुई. वृद्ध माता-पिता को भी प्रतिमाह नियमित कुछ पैसे भेजते रहे. समय बीतता गया और दो बेटियां भी घर में आ गयी थीं. कभी कभी चौधरी जी अपने आप को कोसते कि क्यों मां की भावना में बहते हुए त्रिभुवन विश्वविद्यालय (नेपाल) में प्रवक्ता का पद स्वीकार नहीं किया था ! मां ने बहुत भावुक शब्दों में कहा था कि बूढ़े मां-बाप को छोड़कर विदेश जाओगे ? वहां जाते तो कम से कम यूनिवर्सिटी प्रोफेसर तो अवश्य ही होते ! या उनके तीन साल सीनियर की तरह अमेरिका जाकर प्रोफेसर बन गए होते ! खैर ये सारी बातें तो चौधरी जी आपबीती में सुना गए. उन्होंने यह भी बताया कि एमए में उनसे तीस स्थान नीचे पानेवाला अभी वहां का विभागाध्यक्ष है. इधर लगातार विभागीय परीक्षाएं पास कर चौधरी जी सब से कम उम्र में सीनियर एओ बन गए थे. उन्हें याद आती है शुरुआत के उन दिनों की जब एक दिन उनके सीनियर डीएजी ने उन्हें बुलाकर आग्रह किया था कि उनके बेटे और बेटी को गणित और अंग्रेज़ी पढ़ा दिया करें. इतने वरिष्ठ अधिकारी के सामने इन्हें कुछ बोलते नहीं बना ! और सप्ताह में तीन दिन बच्चों को जाकर पढ़ाने लगे. बच्चे सभ्य, शालीन, कुशाग्रबुद्धि और संस्कारी थे. महीना समाप्त होने पर उनके अधिकारी ने एक लिफाफा थमाया. उनके ना-नुकर करने पर बोले 'देखिए आपकी योग्यता का कोई मूल्य हो नहीं सकता, पर आभार का एक टोकन समझ कर रख लीजिए !' चौधरी जी के लिए सन 1988 का पांच सौ रुपये मायने रखता था. फिर धीरे धीरे चौधरीजी की ख्याति ऐसी हो गयी कि उनकी तनख्वाह से कई गुना अधिक आमदनी पढ़ाने से होने लगी. चौधरी जी चाहते हैं कि उनके बच्चों को इस संसार में जहां अवसर मिले, नौकरी करें, बस जायें ! आपके आस पास भी बहुत सारे चौधरी जी, मिश्रा जी, सिंह जी, गुप्ता जी और शुक्ल जी होंगे, जिनके बच्चे इंग्लैंड, अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी, स्वीडन, ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर, मॉरीशस, थाईलैंड, ढाका, न्यूज़ीलैंड आदि देशों में अच्छे पदों पर काम कर रहे हैं- बस रहे हैं. आप इसे चाहें तो पलायन कह लें या मजबूरी, पर ये ही है असल में विश्व गांव ! इस विश्व गांवों में एक मात्र योग्यता ही अवसर देता है जाति, क्षेत्र, धर्म, सम्प्रदाय, लिंग और वर्ग नहीं ! दुनिया ऐसे ही तो फैली थी न !

चौराहा
प्रमोद कुमार झा

वैशाली : विश्व का प्रथम गणतंत्र

यायावर
डॉ. जंगबहादुर पाण्डेय

पिछले 14 अप्रैल को गोरखपुर से पीएचडी मौखिकी लेकर मौर्य एक्सप्रेस से रांची लौटने के क्रम में अचानक हाजीपुर स्टेशन पर उतर गया. डॉ. प्रतिभा पराशर के पतिदेव श्री नागेंद्र कुमार सिंह स्टेशन लेने के लिए आ गये थे. रात्रि उनके यहां विश्राम किया.शाम में ही आरएन कालेज हाजीपुर के डॉ. श्याम किशोर प्रसाद से राम-राम हुई तो उन्होंने विनीत आग्रह किया कि 15 अप्रैल को उनके कालेज में धरती के धनी फणीश्वरनाथ रेणु की 47 वीं पुण्यतिथि पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी है, जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में मेरी उपस्थिति सादर प्रार्थित है. मुख्य अतिथि के रूप में एलएन कालेज भगवान पुर की विदुषी प्राचार्या डॉ. सुनीता गुप्ता थीं. संगोष्ठी की अध्यक्षता कालेज के प्राचार्य डॉ. आर के सिन्हा ने की.

इसी बहाने विश्व के प्रथम गणतंत्र वैशाली को देखने सुनने का सुअवसर प्राप्त हुआ. आज जिस धरती पर खड़े होकर हम वैशाली की प्राचीन सभ्यता और संस्कृति को याद कर रहे हैं, वहां ढाई हजार साल पहले गणतंत्र की तूती बोलती थी. आज के दिन की वैशाली बहुत लोगों की बस्ती को लेकर कई गांवों का एक मंडल था. एक जमाने में यह वैशाली एक वृहत् नगरी थी और यही वैशाली एक दिन सारी दुनिया के अंदर गणतंत्र की सबसे पुरानी और सुप्रसिद्ध केंद्र स्थली थी. वाल्मीकि रामायण के अनुसार

इसका निर्माण राजा इक्ष्वाकु के पुत्र राजा विशाल ने किया था. यह वैशाली गौतम बुद्ध और महावीर के सत्य और अहिंसा को जाग्रत रखने वाला सांस्कृतिक केंद्र रहा है. बौद्ध साहित्य के अनुसार इस नगर को कई बार परिस्थिति वश विशाल (विस्तृत) करना पड़ा. यानी बढ़ाना पड़ा. दोनों ही कारणों का आधार विशाल शब्द है, जिससे वैशाली शब्द बना.

पालि दंत कथाओं में लिच्छवी, वज्जि तथा वैशाली नामकरण से संबंधित व्युत्पत्ति मूलक एक कथा आती है, जो इस प्रकार है. अति प्राचीन काल में वाराणसी की महारानी ने एक मांस पिण्ड को जन्म दिया. फिर अपयश लगने की आशंका से उसे सेविकाओं द्वारा पिटारी में बंद करवाकर चुपके से गंगा में प्रवाहित करवा दिया. देवताओं ने उसे संरक्षण दिया और वाराणसी की महारानी से उत्पन्न ऐसा स्वर्ण पट पर अंकित कर पिटारी में बांध दिया. गोपालकों के साथ गंगा किनारे रहने वाले एक तपस्वी की दृष्टि उस पर पड़ी. वे उसे अपने आश्रम में लाकर भ्रूण का पालन करने लगे. उक्त भ्रूण ने कुछ दिनों के बाद एक बच्ची और एक बच्चा का रूप धारण कर लिया. शिशुओं को देखते ही तपस्वी के हृदय में वात्सल्य उमड़ पड़ा. और उनके अंगूठे से दूध की धारा फूट पड़ी. तपस्वी अपने अंगूठे का दूध पान कराकर शिशुओं का पालन करने लगे.

बच्चे के पेट की त्वचा पारदर्शी थी. वह जो कुछ भी खाता था, स्पष्ट दिखाई पड़ता था. तात्पर्य यह कि उसके पेट की त्वचा बहुत पतली होने के कारण पेट का भोजन झलकता था. इस तरह बच्चे के त्वचा रहित (निच्छति) अथवा पतली त्वचा होने के कारण उसका नाम लिच्छवी पड़ा. शिशुओं को पोसने में तपस्वी को कठिनाई होते देख, गोपालकों ने उसे पोसने हेतु मांगा. शिशुओं के बड़े होने पर आपस में शादी कर देने एवं राजा से उसके लिए भूमि अर्जित कर राजा नियुक्त करने के सुझाव के साथ तपस्वी ने शिशुओं को उन्हें सौंप दिया. बच्चा जब बड़ा हुआ तो अन्य बच्चों को सताने लगा. उसकी झगड़ालू प्रवृत्ति के कारण दूसरे बच्चे उसे वर्ज्य (वज्जे त्वचा) बताने लगे, जिससे 100 योजन में विस्तृत वह भूभाग वज्जि कहलाने लगा.

कहा जाता है कि गोपालकों ने राजा को खुश कर वज्जित भूभाग को प्राप्त कर 16 वर्ष की अवस्था में कुमार उक्त बच्चों का राज्याभिषेक कर राजा बना दिया. फिर बच्चे की बच्ची के साथ शादी कर दी गई, जिससे 16 जुड़वां बच्चे हुए. इस कारण नगर का विस्तार करना पड़ा. नगर का विस्तार होने पर उसका नाम वैशाली पड़ा. बौद्ध साहित्य से विदित होता है कि जनसंख्या में वृद्धि के कारण इसके नगर प्रकार को बढ़ाकर विशाल बनाना पड़ा था, इसीलिए इसका नाम वैशाली पड़ा, जो प्रजातंत्र की जननी बनी. वाल्मीकि रामायण के अनुसार कौशल के राजा दशरथ एवं विदेह के राजा सीरध्वज जनक के समकालीन वैशाली के राजा सुमति थे. इन्हीं के समय महर्षि विश्वामित्र ने वैशाली का इतिहास बताते हुए कहा कि हे राम ! यह वही भूमि है, जहां देव और दानवों ने मिलकर समुद्र मंथन के संदर्भ में मंत्रणा की थी. वैशाली के गौरवशाली अतीत को देख सुनकर प्राचार्य मनोरंजन प्रसाद सिंह की कविता की ये पंक्तियां सहसा मानस पटल पर कौंधने लगीं:-

सुना यहीं उत्पन्न हुआ था, किसी समय वह राज कुमार.
त्याग दिये थे जिसने जग के, भोग विलास साज शृंगार.
जिसके निर्मल जैन धर्म का, देश देश में हुआ प्रचार.
तीर्थंकर जिस महावीर के यश अब भी गाता संसार.
है पवित्रता भरी हुई, इस विमल भूमि के कण कण में,
मत कह क्या क्या हुआ यहां, इस वैशाली के आंगन में.,

नफ़रत के बीज और वोटों की बारिश

नश्तर
सुधीर राघव

अंग्रेजी में जिसे यूनियन बोलते हैं, हिंदी में उसे संघ कहते हैं. इस तरह हर यूनियनिस्ट संघी है. संघी या यूनियनिस्ट होना बुरी बात नहीं है. बुरा तब लगता है जब मछली तेजराम खाए और कांटा संघी के फंस जाए. मछली का सारा स्वाद और प्रोटीन तेजराम को मिले और दर्द से बिलबिलाना तथा छटपटाना संघी के हिस्से आए. तेजराम चटखारे ले और संघी आंसू बहाये. तेजराम तली हुई मसालेदार मछली की सेल्फी डाले और संघी यह भी न दिखा सके कि कांटा कहां फंसा है. उल्टा सब उसके विधवा विलाप का मज़ाक़ उड़ाएं. ही-ही खी-खी करें. तब बुरा लगना स्वाभाविक है. यह और भी बुरा है कि माछ-भात खाते तेजराम को लाखों लोग लाइक कर रहे हैं. हजारों कमेंट कर रहे हैं. मगर संघियों के रोने पर कोई ध्यान ही नहीं दे रहा. वे एक-दूसरे को ही अपना दुखड़ा व्हाट्सएप कर रहे हैं. भाई ! थोड़ी सी सहानुभूति तो संघियों के साथ भी रखो. आखिर कांटा तो उन्हीं बेचारों के फंसा है. उनकी कोई सुन ही नहीं रहा है. इसलिए बेचारे यूनियनिस्ट उर्फ संघी यूनियन बनाकर माछखोर तेजराम के खिलाफ रुदन कर रहे हैं. वे मिलकर तय कर देना चाहते हैं कि तेजराम कब क्या खाये और क्या नहीं. तेजराम से संघी नहीं डरते उन्हें तो बस उसके चटखारों का डर है. इसलिए वे चाहते हैं कि तेजराम सात्विक बने. वह सिर्फ गाय का गोबर खाए और गोमूत्र पिया करे. दोनों चीजें पहले ही गाय के पेट से प्रोसेस होकर निकलती हैं, इसलिए इनमें ऐसा कोई कांटा नहीं होता जो संघियों को फंस जाए.

दर्द से कराहते यूनियनिस्ट गोबर का प्रचार कर रहे हैं, जबकि तेजराम मछली पर ही अड़ा है. उसकी डाइट प्रोटीन रिच है, जो एक मजबूत शरीर में मजबूत दिमाग बना रही है. उधर, संघी उर्फ यूनियनिस्ट वर्षों से गोबर निर्भर है. वर्षों पहले खाया गोबर उसके दिमाग तक पहुंच चुका है. वह गोबर अब सड़कर खाद बन चुका है. सभी यूनियनिस्ट इस खाद में नफ़रत के बीज रोप रहे हैं. बस अब उन्हें वोटों की बारिश का इंतजार है. उनकी फसल लहलहा उठेगी तब वे तेजराम को सबक सिखाएंगे.

मनुष्य की मनोवृत्ति को कलाकृतियों में टटोलते हैं अरविंद

कला-संवाद
मनोज कुमार कपरदार

कला के विराट जगत में निरंतर कुछ न कुछ जुड़ता चलता है. यह कला का और समस्त मानवीय जगत का शाश्वत सत्य है. यही कला मानव पर भावनात्मक प्रभाव डालती है, जो इसे अपनी ओर आकर्षित करती है. कला की प्रभावशीलता उस ज्ञान और अनुभव के बारे में कुछ बुनियादी धारणाओं पर निर्भर करती है, जो कलाकार और दर्शकों के बीच सामान्य है. कला मानव को पिछली घटनाओं और भावनाओं का दृश्य स्मरण कराती है. पिछले मिलियन वर्षों में जैसे-जैसे मानव मस्तिष्क अधिक परिष्कृत होता गया, हम अपनी यादों के रूप में व्यापक विवरण संग्रहित करने में सक्षम हो गए. आज हम भाग दौड़ के जीवन में इसी मानव की मनोवृत्ति को टटोलने की कोशिश करते हैं. इसमें कवि, साहित्यकार, कलाकार सभी अपने-अपने तरीके से इसे व्यक्त करते हैं. ऐसे ही रांची के एक कलाकार हैं अरविंद पांडेय.

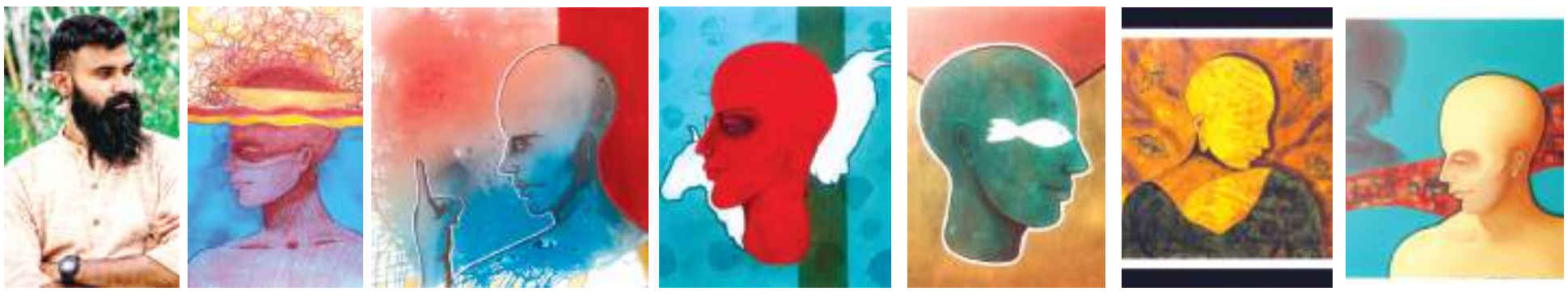

इन्होंने कला का प्रशिक्षण किसी कला महाविद्यालय से नहीं लिया. ये एक स्व शिक्षित समकालीन कलाकार हैं.
इन्होंने वर्ष 2011 से खुद को कला की दुनिया के लिए समर्पित कर दिया. 2013 में इन्होंने शिक्षण का कार्य के माध्यम से अपने कलात्मक ज्ञान को साझा करने की यात्रा शुरू की. इन्होंने 10 राष्ट्रीय और चार अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी सहित 20 प्रदर्शनियों और चित्रकला शिविरों में भाग लेकर एक पहचान बनायी है. अरविंद पांडेय अपनी कलाकृतियों के माध्यम से यह दर्शाते हैं कि मनुष्य विकल्पों में जीता है. विकल्प मनुष्य होने की पहचान भी है. यही पहचान उसे संपूर्ण जीव जगत में सबसे श्रेष्ठ बनाती है. दूसरी ओर मनुष्य हृदय से अधिक बुद्धि का स्वामी है. बुद्धि और हृदय की जंग में बुद्धि बलवान बन कर उभरती है. मनुष्य का रिश्ता भी इसी हृदय और बुद्धि के समान है. अरविंद पांडेय ने भी बुद्धि को भौतिकवादी और उपभोगवादी मनोवृति का परिचायक माना है. मनुष्य ने अति-दोहन के चक्कर में प्रकृति के ही अस्तित्व को संकट में डाल दिया है. उपभोक्तावादी संस्कृति के इस दौर में अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस प्रत्येक व्यक्ति प्रकृति का दोहन कर रहा है. प्रकृति से प्राप्त सुविधाओं का अंधाधुंध प्रयोग उसे अधिक खतरे में डाल रहा है. चारों ओर पर्यावरण का संकट गहरा गया है. एक ओर अमेजोन के जंगल जल रहे हैं, जो मानव निर्मित आपदा थी तो दूसरी ओर आस्ट्रेलिया के जंगल जल रहे हैं जो कहने को प्राकृतिक आपदा है, परंतु यह स्थितियां मानव निर्मित है.
कलाकार अरविंद पाण्डेय प्रज्ञाशील विज्ञान चेतना के युग में एक नये विषय को लेकर चित्रकारिता को योगदान दे रहे हैं और अपने नवीन माध्यमों और रूपाकारों की खोज के साथ-साथ नये प्रयोग कर रहे हैं. इन्होंने जीवन में जो भोगा है, उसे ही सृजित करने का प्रयास करते हैं. किसी व्यक्ति के निधन पर दसवीं के क्रिया कर्म को दर्शाती इनकी कलाकृति में कौआ और गाय इनकी भावुकता को ही इंगित करते हैं. इनकी कलाकृतियों में भावुकता का भी समावेश दिखता है. सच कहा जाय तो मिक्स मीडिया में बनी अरविंद पांडेय की कलाकृतियां मनुष्य की मनोवृत्तियों को टटोलने का पूरा प्रयास करती है और इनकी कलाकृतियो में संवेदनशीलता की आंतरिक दृष्टि स्पष्ट झलकती है.

आखर

इज़्ज़त

कहानी

गतांक से आगे...

नीरज नीर

शालिनी परम्पराओं एवं प्रचलित सामाजिक मान्यताओं में यकीन करने वाली एक सामान्य भारतीय घरेलू महिला थी, जो अपने परिवार के कल्याण के सिवा कुछ नहीं सोचती, लेकिन यह कल्याण, वह स्थापित मान्यताओं की परिधि के भीतर ही सोच पाती थी, जिसके बाहर भी कुछ अच्छा हो सकता है ऐसा सोचना भी उसके लिए असंभव था. प्रशांत जब घर से बाहर निकले तो उन्हें लग रहा था कि समूचे बाजार को उनकी बेटी की बात पता चल गयी है और बाजार के सारे लोग उन्हीं को देख रहे हैं. इससे तो अच्छा होता कि मौत आ जाती. एक बार को उनके जी में आया कि ऐसी बेटी से बिना बेटी के भला.

चलते-चलते उन्हें प्यास लगी तो बनवारी हलवाई की दुकान पर ठहर गए थे. बनवारी से उनका वर्षों का राबता था. छोटे से कस्बे की यही तो खासियत होती है कि हर व्यक्ति हर किसी को जानता है. बनवारी ने प्रशांत को मुस्कुराते हुए राम-राम कहा. आज उसकी मुस्कुराहट प्रशांत को अत्यंत कुटिल लगी. ऐसा लगता है मानो सारे शहर को खबर हो गई. सब मजे ले रहे हैं.

उधर शालिनी बेटी को समझाने में लगी थी. "समाज में बेटियां शीशे के बर्तन की तरह होती हैं, एक बार चटक जाए तो लाख जतन करो नहीं जुड़ती. अगर जुड़ भी जाए जुड़ने के दाग रह जाते हैं."

"और बेटे किस चीज के बर्तन की तरह होते हैं मम्मी?" सोने के? जो टूट भी जाएं तो उनकी कीमत मिल जाती है?" अवंतिका ने तुर्की ब तुर्की प्रश्न जड़ दिया था. इसी बीच प्रशांत के छोटे भाई की पत्नी निर्मला भी आकर अवन्तिका को समझाने लगी. निर्मला की उम्र कम थी और उसका व्यवहार अवन्तिका के साथ दोस्ताना था. "अवन्तिका

जरा सोचो कि जिस लड़के के साथ तुम रह रही हो. उससे अगर तुम्हारी शादी नहीं हुई तो तुमसे फिर कौन लड़का शादी करेगा."? चाची प्रॉब्लम यही है कि लड़का लड़की से शादी करता आया है क्योंकि लड़की आर्थिक रूप से पर-निर्भर रही है. जितना लड़का लड़की से शादी करता है, उतना ही लड़की भी तो लड़के से शादी करती है. लेकिन समाज कभी नहीं कहता कि लड़की ने लड़के से शादी की है. मुझसे कोई लड़का शादी तभी करेगा जब मैं उससे शादी करूंगी. शादी लड़के और लड़की के बीच का एक परस्पर जुडने वाला संबंध हैं. लड़की कोई गठरी नहीं, जिसे लड़का उठाता है.

देखो बेटे हमारे बड़े-बुजुर्गों ने कुछ सोच-समझ कर ही स्त्रियों के लिए कुछ मर्यादाएं सुनिश्चित की होंगी. चाची आप तो पढ़ी-लिखी हैं. जानती हैं सारी समस्या की जड़ क्या है? सारी समस्या की जड़ है स्त्री यौनिकता. स्त्री सहवास के उपरांत गर्भ धारण कर सकती है और पुरुष नहीं. दूसरी बात है कि स्त्री के शरीर को और विशेषतः स्त्री योनि को पुरुष अपनी संपत्ति मानता है, जिसे वह किसी के साथ शेयर नहीं करना चाहता है. अगर स्त्री गर्भ नहीं धारण करे तो उसके शारीरक गठन में कोई फरक नहीं आता. फिर चाहे वह किसी के साथ रहे क्या अंतर पड़ता है. निर्मला उठकर जा चुकी थी.

बाहर गरम लू के थपेड़े थककर हांफने लगे थे और उनकी जगह थोड़ी नर्म हवा ने ले ली थी. दिन ढलने लगा था. लोग जो अब तक घरों में दुबके थे धीरे-धीरे अपने काम-काज को लेकर बाहर निकलने लगे थे. प्रशांत शाम में थके हारे घर लौटने लगे तो रास्ते में मित्र महावीर ने आवाज देकर अपनी दुकान पर बुला लिया.

"बड़े थके और उदास दिखाई दे रहे हो. कहां से आ रहो और कहां जा रहे हो?" मित्र महावीर ने पूछा. प्रशांत की कुछ बोलने की इच्छा नहीं हुई. इस बीच महावीर ने चाय मंगवा ली थी. साथ ही कुछ मिठाई भी लाने को कह दिया था. प्रशांत और महावीर का दुःख एक सा ही है. अभी कुछ महीने पूर्व ही तो महावीर की बेटी अंकिता ने दूसरे समाज के लड़के से दिल्ली में शादी कर ली थी. कितनी थू-थू हुई थी महावीर की. महावीर उसकी की जाति के थे और समाज के अध्यक्ष भी थे. कई हफ्तों तक तो महावीर ने अपनी दुकान भी नहीं खोली थी. इन बच्चों के चलते मां -बाप को क्या क्या दुःख देखने पड़ते हैं.

प्रशांत ने पहले सोचा महावीर से पूछ ले कि उसकी बेटी के क्या हाल हैं. लेकिन फिर सोचा कि क्यों किसी का दिल दुखाया जाए. जो गति महावीर की वही तो उसकी भी होने वाली है, यही सोचकर चुप रहे. लेकिन बात महावीर ने ही शुरू कर दी.

"प्रशांत भाई एक गुड न्यूज है, आप मित्र हैं आपसे शेयर करना चाहता हूं."

"हां बताइए" प्रशांत ने उत्सुकता से पूछा.

मेरी बेटी और दामाद दोनों ने पीसीएस की परीक्षा पास कर ली है. अब दोनों एसडीएम लगेंगे.

"यह तो बड़ी अच्छी बात हुई" हठात प्रशांत के मुंह से निकला.

महावीर के चेहरे से खुशी का नूर छलक रहा था।

यह तो वाकई गौरव की बात है महावीर भाई. समाज का नाम रोशन कर दिया है बिटिया ने.

"हां भाई और दामाद जी ने भी. " महावीर ने गर्व से कहा.

इसी बीच प्रशांत का फोन बजने लगा. देखा घर से पत्नी का फोन था. पर उनका मन फोन उठाने का नहीं हुआ. लेकिन फोन था कि बार-बार बजे ही जा रहा था. जब फोन कई बार बजता रहा तो महावीर ने कहा कि प्रशांत भाई फोन उठा क्यों नहीं लेते ?

उधर से पत्नी की आवाज थी "कहां हैं, इतनी देर से फोन लगा रही हूं. जल्दी घर आइए, अवन्तिका बंगलोर वापस जाना कहती है.

अवन्तिका ने अपने सामान बांध लिए थे.

सॉरी पापा, मेरे चलते आपको दुःख पहुंचा. पर यह सब एक स्टेट ऑफ माइन्ड है. कोई किसी लड़के के साथ रहता है या लड़की के साथ रहता है, इससे ज्यादा फर्क नहीं पड़ता. दरअसल फर्क इस बात से पड़ता है कि कैसे इंसान के साथ रहता है.

तुम ठीक कहती हो बेटी. सब समय और सफलता की बात है. अगर हम सफल होते हैं तो समाज हमारे हर काम का समर्थन करता है और उसी को दृष्टांत एवं मापदंड के रूप में प्रयोग करता है पर असफल लोगों के लिए यह समाज अत्यंत क्रूर है. **(समाप्त)**

समीक्षाएं

वैश्विक 11 कहानियों का अति रोचक नाट्य संसार

अनिता रश्मि

जीवन एक नाटक ही तो है. उसे कहानियों में रचता है कथाकार. और उन कथाओं में से कुछेक को नाटक में ढाल दिया है कलमकार कुमार संजय ने. नाटक लिखना इतना भी आसान नहीं. सब कुछ चंद दृश्यों, संवादों और चंद क्रियाकलापों से प्रकट कर देना होता है. कहानियों, वह भी विश्व प्रसिद्ध लेखकों की कहानियों को नाटक में ढालना और भी कठिन. कहानी को कहानी के कलेवर से निकाल दृश्य, एक्शन और संवाद की दुनिया में प्रत्यक्ष परोस देना दुरूह कार्य. और यह कार्य 15 नाट्य पुस्तकों के रचयिता कुमार संजय ने किया है. नाटकों को भारत में मंचन योग्य बनाने के लिए कई तरह की छूट भी नाटककार को लेनी पड़ी है. कहानी को नाटक, फिल्म में परिवर्तित करने में ये छूट लेनी पड़ती ही है. यथा - कहानी से परे कुछ दृश्यों की रचना, आधुनिक संवादों के सहारे दर्शकों को नाटक से जोड़ने का प्रयास, भारतीय परिवेश, पात्रों का भारतीय नामकरण, स्थानीय भाषा-बोली का प्रयोग... आदि.... इत्यादि !

ग्यारह नाटकों से सज्जित पुस्तक में केवल एक भारतीय नाम है, जो वैश्विक है. वह नाम - प्रेमचंद का है. बाकी दस नामों में समाहित हैं - चेखव, लारेंस, टॉलस्टॉय, जेकॉब्स, कॉनन डायल, ओ हेनरी, मोपासां, लीकॉक, ली शून. संवाद और एक्शन की जुगलबंदी से इनकी कहानियों को नाटकीय रूप दिया गया है. चेखव की कहानी को परिवेश, संवाद, एक्शन के सहारे शानदार रूप प्रदान करता है नाटक ' गिरगिट '....लगभग सवा सौ साल पूर्व लिखित कहानी के पात्रों का नाम, संवाद बिहारी पुट लिये हुए रोचक. पात्रों के नाम पर गौर करें- बबन, बलेसर, सुबोध बाबू, वसंत आदि. दृश्यांकन में भी छूट ली गई है. ' गिरगिट ' में आमूलचूल परिवर्तन का दर्शन होता है. पात्र, परिवेश, भाषा सब बिहारी रंग में रंगे. बिहार की बोली की मिठास एक नये रस की सृष्टि कर इस गंभीर नाटक में हास्य का तड़का लगाता है. भाषा की रवानी देखें - अवारा जंगली जानवरन को अइसहीं छोड़ दिया जाए.... अउर तुम ससुर के नाती....!

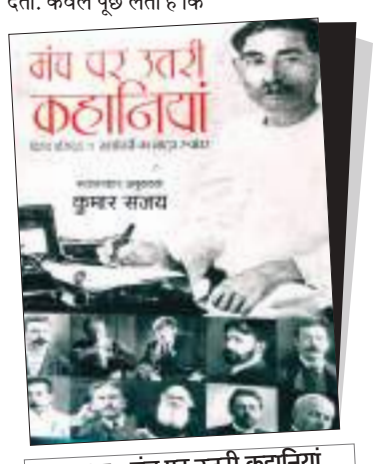

भारतीयता के तड़के ने नाटक में नई जान डाल दी है. ओ हेनरी की दो कहानियों का रूपांतरण किया है लेखक ने. एक है - कैक्टस ... एक छोटा सा नाटक, प्रेम औ वियोग से रचित. नायक ट्राइसडेल मारिया को पारंपरिक ढंग से प्रपोज करता है, घुटनों के बल बैठ. मारिया भी किसी और दिन कलात्मक ढंग से उत्तर देने की बात कह उस दिन प्रत्युत्तर नहीं देती. केवल पूछ लेती है कि

नाटक : मंच पर उतरी कहानियां
रूपांतरकार / अनुवादक : कुमार संजय
प्रकाशक : विस्तता पब्लिशिंग, नई दिल्ली
मूल्य : 295/-

वह स्पैनिश भाषा तो जानता है. नायक इंकार नहीं करता. कैक्टस के साथ स्पैनिश में लिखे टैग को पाकर भी ट्राइसडेल पढ़ नहीं पाता उसका मज़मून और इस शुष्क गिफ्ट से मारिया के इंकार की प्रतिध्वनि महसूसता है, वह तटस्थ हो गया अब. कैक्टस यहां वियोग का कारण बन गया.

मारिया का भाई मार्टिन द. अमेरिका से आकर उसे मारिया के ' विवाह ' में ले जाता है. आख़िरी दृश्य में मार्टिन की नज़र कैक्टस पर पड़ती है, वह उस उम्दा किस्म के कैक्टस के बारे में बताता है. साथ ही टैग का मज़मून भी. टैग में उस अनोखे कैक्टस का नाम स्पैनिश में लिखा था - वेंटोमारमे ! अर्थ है - कम एंड टेक मी. बहुत खूबसूरती के साथ संवादों, दृश्य, एक्शन के माध्यम से नाटक में सारी कहानी उतर आई है.

ओ हेनरी की दूसरी कहानी का नाट्य रूपांतर ' वाह री किस्मत '.....नायक सोपी ठंडी रातों में बर्फीली हवा, स्नो फॉल में फुटपाथ पर सोने से बचने के लिए तीन-चार महीने के लिए जेल जाकर सर पर छत की आश्वस्ति पाना चाहता है. कुछेक छोटे अपराध कर पुलिस की निगाह में चढ़ने की पुरजोर कोशिश भी करता है. वह खुद हर अपराध के बाद कहता है कि उसने यह गलत कार्य किया है. लेकिन उसे अपराधी नहीं, पागल समझ लिया जाता है.... बार-बार... हर बार. अंत में एक चर्च के बाहर खड़े होकर वह अंदर से आती संगीत लहरी, उपदेश सुन ठानता है कि अब वह कायराना हरकत नहीं करेगा, संघर्ष करेगा. बस, उसी समय चर्च में चोरी की योजना बनाने के इल्जाम में उसे गिरफ्तार कर लेती है पुलिस. सोपी के मुंह से निकलता है - वाह री किस्मत !

हास्य में करूणा का पुट. संवादों, क्रियाकलापों से पात्र पाठक के मर्म को छूता है. मंचित होकर दर्शक के दिल को भी छू लेगा. लेकिन मुझे लगता है, इस संवाद की आवश्यकता नहीं. अंतिम दृश्य ही शीर्षक को सार्थक रूप देने में सक्षम.

चीनी लेखक ले शून का मोनोलॉग है - एक पागल की डायरी. मनुष्य के आदमखोर बन जाने, बनते जाने, बने रहने की त्रासद स्थितियों से त्रस्त नायक डेमिंग एकालाप का शिकार हो गया है. वह समाज से पूछता है - कोई इंसान ऐसा है जो नरभक्षी नहीं है? अंत में उसकी गुजारिश कि मासूम बच्चों को आदमखोर बनने से बचाया जाए. बहुत खूबसूरती से अपनी बात कहता है यह नाट्य रूपांतर. एकालाप के लिए जैसी भाषा, दृश्य की आवश्यकता है, उसे समाहित किया गया है इसमें. कठिन विधा को विविधवर्णी दृश्यों के सहारे बड़ी सहजता से निभा ले जाते हैं नाटककार संजय.

इसी तरह सभी नाटकों के लिए कहानियों का सार्थक चयन उसके प्रस्तुतिकरण के प्रति भी आश्वस्त करता है.

नाटककार का दावा है, कहानियों की आत्मा को उन्होंने सभी नाटकों में बचा लिया है, यह प्रयोग इन विश्व प्रसिद्ध कहानियों की आत्मा से भारतीय दर्शकों को पुरजोर तरीके से जोड़ेगा. और हमें उनके दावे, विश्वास पर विश्वास कर, पाठक से दर्शक में परिवर्तित हो नाटकों का आन्नद लेना होगा. स्वागतेय !

बच्चों के लिए उपयोगी पुस्तक

पूनम त्रिवेदी "शलाघ्या"

हिंदी एवं खोरठा के कवि सह लेखक अनंत ज्ञान की बाल कविता संग्रह फूल से सुंदर बच्चे हाल ही आई है. शुभदा प्रकाशन, साहिबाबाद से प्रकाशित यह पुस्तक नाम के अनुरूप ही सुन्दर आवरण से सुसज्जित है. एक सौ एक कविताओं का यह बाल-संग्रह आज के परिप्रेक्ष्य में यकीनन उपयोगी साबित होगी. हर इंसान के दिल में एक बच्चा बैठा होता है लेकिन हर किसी के बस की बात नहीं कि वो बच्चों के दिल की बात को पन्नों पर उतार दे. संग्रह की सभी कविताएं बाल मनोभावों का बेहद खूबसूरती से चित्रण तो करती ही हैं, साथ ही शिक्षाप्रद भी हैं. "छोटी ए बी सी डी" के अलावा अनेक ऐसी कविताएं हैं जिससे कवि की अथाह कल्पनाशीलता का पता चलता है.

फूल से सुंदर बच्चे
(बाल कविता संकलन)
कवि : अनंत ज्ञान
प्रकाशक : शुभदा प्रकाशन, उप्र
मूल्य : 190/, पृष्ठ सं : 180

अगर मैं कहूं कि पुस्तक के कवर पृष्ठ पर अनंत जी की बेटी "ज्ञानमयी" की तस्वीर शीर्षक को और भी खूबसूरत बना रही है तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी. जिन उद्देश्यों को लेकर पुस्तक लिखी गई है वह पूर्ण हो तथा आप जीवन में बुलंदियों को छूते हुए निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ते रहें.

पुस्तक की शुरुआत "मां की ममता" कविता से होती है जिसमें मानवीय संवेदनाओं को बेहद खूबसूरत तरीके से एक बच्चे के माध्यम से व्यक्त किया गया है. इस पुस्तक में कवि ने बाल-मन के हर बिंदुओं को बहुत ही सहजता से छुआ है."मैं हूं सबसे खास" कविता जहां हास्य प्रस्तुत करती है वहीं "कर दो हमारा बस्ता हल्का", "चिड़ियाघर की सैर", "नहीं-नहीं मोबाइल नहीं" जैसी कविताएं समाज की गम्भीर समस्याओं की तरफ हमारा ध्यान आकर्षित करवाती हैं. बाल-सुलभ सहजता को बनाए रखने के लिए कवि ने "प्याज के कपड़े", "शकरकंद" आदि कविताओं को शामिल किया है. निश्चय ही कविताओं को पढ़ते हुए पाठक स्वयं को एक बच्चा महसूस करता है. कहीं "गूगल बाबा" तो कहीं "हाय रे छींक", "दादा की दाढ़ी" सरीखी कविताएं गुदगुदाती हैं. पूरी किताब में कविताएं कहीं भी पाठकमन को बोझिल नहीं करती हैं. आज के समय मे जहां बच्चे अपने बुजुर्गों से दूर हो रहे हैं वहीं इस किताब में कवि ने कविता के माध्यम से बुजुर्गों की देखभाल को जरूरी बताया है.

व्यंग्य ›› बर्बरीक

तेरा रामजी करेंगे बेड़ा पार

हमारा कॉलेज एक शानदार कॉलेज था जहां असली डिग्री मिलती थी. अगर आप यह समझ रहे हैं कि आज के गणमान्य माननीय की तरह हमें भी फर्ज़ी डिग्री दी जाती थी तो आप गलतफहमी में हैं. यह बात और है कि हमलोगों ने उस वक्त पढ़ाई की थी जब क्लासेज नहीं होते थे. आखिर हम विद्यार्थी तानाशाही के खिलाफ लड़ रहे थे. कॉलेजों से निकल कर सड़कों पर थे. शासक को उखाड़ फेंकने के लिए कटिबद्ध थे. खैर, तो पढ़ाई होती नहीं थी, धरना प्रदर्शन जुलूस में टाइम जाता था. सब शांत हुआ तो परीक्षाएं सर पर आ गईं. हमारी सिट्टी पिट्टी गुम. तभी हमें यह मंत्र मिला- तेरा रामजी करेंगे बेड़ा पार. कैसे? रामजी

> रामजी तो लंबे समय से बेड़ा पार लग़ा ही रहे हैं फिर से आसरा है. देश की धर्मप्राण जनता ही तो परीक्षक है वह रामजी से थोड़े ही अलग है. भवसागर को पार करवाने वाले रामजी क्या चुनावसागर भी पार नहीं करवा सकेंगे?

तो हमारे बदले पढ़ाई करने आते नहीं. सीनियर्स ने बताया कि परीक्षा में शामिल हो जाओ बस... रामजी करेंगे बेड़ा पार. परीक्षाएं होने के बाद हमें ज्ञान प्राप्त हुआ कि दरअसल रामजी हमारे कॉलेज के वह क्लर्क थे जो अंकपत्र वगैरह बनाने का काम करते थे. वही थोड़े बहुत हेरफेर के साथ बेड़ा पार कर देते थे.

इस कथा से यह शिक्षा मिलती है कि यदि आपने साल भर पढ़ाई नहीं की हो, अपना निर्धारित कार्य नहीं किया हो, जनता की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए कुछ नहीं किया हो, खाली पड़े हाथों के लिए रोजगार देने के लिए कुछ नहीं किया हो, एक बड़ी आबादी के अंदर अपनी रोटी खुद कमाने का आत्मसम्मान पैदा नहीं किया हो, दान पर जीने का अभ्यस्त बना दिया हो, समाज में नफरत का कारोबार फैलाया हो, निंदकों को आंगन कुटी छवाकर नियरे रखने की जगह जेल में रखा हो तो पांच साल वाली परीक्षा के समय तो रामजी की याद आएगी ही. वही बेड़ा पार कर सकते हैं. रामजी की चापलूसी में उनका भव्य मन्दिर, कभी उनका सूर्य तिलक कभी कुछ करना ही पड़ेगा ताकि रामजी प्रसन्न होकर परीक्षा पास करवा दें. रामजी तो लंबे समय से बेड़ा पार लग़ा ही रहे हैं फिर से आसरा है. देश की धर्मप्राण जनता ही तो परीक्षक है वह रामजी से थोड़े ही अलग है. भवसागर को पार करवाने वाले रामजी क्या चुनावसागर भी पार नहीं करवा सकेंगे?

बाकी जिन सरंजाम की आवश्यकता है उसमें कमी नहीं है. घोषणाएं की जा रही है, इनकी मियाद बढ़ा दी गई है 2047 तक. ऐसे भी जनता की स्मृति की मियाद ही कितनी होती है. दस साल में की गई कितनी घोषणाओं को याद रखा है? कितने कष्टों और ज़ख्मों को याद रखा है? घोषणापत्र पढ़ने की जहमत भी उठाई है? बस हमारे माननीयों को जनता की कमज़ोर स्मृति और रामजी का भरोसा है. उम्मीद है पार करेंगे बेड़ा आखिर भारत की पवित्र भूमि पर अवतार लेने का कुछ तो मोल चुकाएंगे.

कविता/ग़ज़ल

शिरोमणि आर महतो

लाठीचार्ज

लाठीचार्ज
का मतलब-लाठीचार्ज
कोई तर्क नहीं कोई दलील नहीं!

आन्दोलनकारियों पर
लाठीचार्ज का मतलब

सिर्फ़ और सिर्फ़ लाठीचार्ज
विधार्थियों पर लाठीचार्ज
एक बर्बर कारवाई....

और लड़कियों पर लाठीचार्ज
बर्बर से बर्बर से बरबर...!

सत्या शर्मा'कीर्ति'

तुम भी लिखो ना

मेरी पहली कविता की तरह
मेरी कहानी के पहले
पात्र भी तुम्हीं हो
लिखते-लिखते
कई बार सोचती हूं

मैं तुम्हें लिख रही हूं या
खुद के अंदर तुम्हारा होना
या मैं खुद को लिख रही हूं
जो तुममें कहीं समाई है.

सुनो, मेरा
तुम हो जाना
कहानी को खूबसूरत बनाता है.
अक्सर लिखते-लिखते
मैं बहने लगती हूं प्रवाह में
भूल जाती हूं खुद को
और एक कहानी बन
जीने लगती हूं.

क्या सिर्फ कहानियां ही
सुंदर होती हैं?

काश! किसी दिन
तुम भी मुझ पर
कोई कहानी लिखो न.

राकेश रमण

तुमसे ही

ऐ सूरज !
सुनो न!!
क्या कर सकते हो तुम
अपनी उष्मा का विस्तार ?
देखो न !
इस धरती पर
मात्र ठण्ढ का
साम्राज्य हो गया है.
ज्ञान, प्रेम, सम्बन्ध, संवेदना-
सबकी उष्मा
समाप्त हो चली है.
और तो और
अब संघर्षों में भी
उष्मा का अभाव है,
आस्था और विश्वास पर
शीत का ही प्रभाव है.

तुम तो हो न !
ऋतु चक्र के कारक.
कर रहे हो परिवर्तन
मिट्टी के कण कण में
भर रहे हो ऊर्जा
ताकि हो नव सृजन.
वसंत बिताकर अब
ग्रीष्म लाओगे,
पूरी धरा को तपाओगे.

तो क्या
इनमें भी
नहीं भर सकते !
थोड़ी उष्मा?
कहो न!

वीना श्रीवास्तव

प्यार की अग्नि में तब जलना

प्रीत की रीत सिखा दूं तुमको
पहले सम्भालो अपने कदम.

नैनों की ये भाषा समझो
नैनों में हो प्यार सनम
दिल को समझो दिल को जानो
पास न आना मेरे सनम

बाहों में यूं भरना छोड़ो
दिल में बसा लो मुझको तुम
मन के जो हो पास इतला
तन से रहना दूर सनम

प्यार ही पूजा प्यार ही ईश्वर
मेरी पूजा तुम हमदम
मैं तो सदा से तुम्हारी ही हूं
मुझको करो स्वीकार सनम

पहले मन को अपना बनाओ
तन की चाहत छोड़ो तुम
प्यार की अग्नि में तब जलना
मैं भी जलूंगी साथ सनम

सुधीर कुमार सोनी

हम मिलें

इतनी
लम्बी उम्र साथ बिताने के बाद
हम फिर से जानबूझ कर भटक जाएं
और फिर मिलें.
हम मिलें
और इस तरह मिलें
कि पहली बार मिल रहें हों.
हम मिलें
और इस तरह मिलें
जैसे छिप-छिपकर मिलतें हैं प्रेमी-
युगल.
हम मिलें
किसी तालाब में दोनों पैर डुबोकर
पानी से खेलते हुए मिलें.
हम मिलें
जैसे सूखे मिट्टी के ढेले से
पहली बार पानी की बूंद मिलती हो.
हम मिलें
और
फुर्र से उड़े चिड़ियों की तरह.

अनिता महतो

पक्षी का घर

पर्ण-हरित किसलय वृक्ष सुन्दर
पक्षी बना रहे घर उसपर.
तृण-तिनका कतरन के धागे,
उड़ - उड़ लाते पीछे -आगे.
नरम-सुकोमल बिस्तर होगा,
तभी तो सुख शिशुओं को होगा.
पले-बढ़ेंगे उत्तम खेचर,
बनेंगे प्रिय प्रकृति के सहचर.
अवनि अम्बर नाप आयेंगे,
मात-पिता हृद हर्षायेंगे.
और थकेंगे उड़ते-उड़ते,
लौटेंगे पर मुड़ते -मुड़ते.
मगर नीड़ न पायेंगे जब,
हाल बुरा होगा उनका तब.
हे मानव निज सुख के खातिर,
जाने बन बैठे क्यों शातिर.
रहने दो सबका ठौर-ठिकाना,
बचा लो प्रकृति का ताना-बाना.
तुम से हम है,हम से तुम हो,
वन से हम हैं,वन से तुम हो.
अतः यही विनय हे! मानव,
वृक्ष काट न बनो तुम दानव.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

ब्रीफ खबरें

धौनी का दिमाग पूरा चुस्त है : उथप्पा

लखनऊ। महेंद्र सिंह धौनी के लंबे कैरियर से मंत्रमुग्ध भारत के पूर्व बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा ने कहा कि चेन्नई सुपर किंग्स के इस महान क्रिकेटर का दिमाग अभी भी उतना ही चुस्त है और प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में उनके लंबे सफर पर विराम सिर्फ फिटनेस की वजह से लग सकता है. धौनी ने इस आईपीएल सत्र में जबर्दस्त बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई के लिए कई मैचों में ताबड़तोड़ रन बनाये हैं. उथप्पा ने जियो सिनेमा से कहा, सिर्फ एक ही चीज उन्हें रोक सकती है, स्वास्थ्य, फिटनेस की वजह से ही शायद वे आगे नहीं खेलें. खेल के लिए उनका जुनून काफी गहरा है और वह खेलते रहना चाहते हैं. अगर कुछ उन्हें रोक सकता है, तो वह उनका अपना शरीर है. धौनी की आक्रामक पारियों के बारे में भारत के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान ने कहा, दर्शकों का शोर और तेज होता जा रहा है.

मनु का शानदार प्रदर्शन अनीश पुरुष वर्ग में जीते

नयी दिल्ली। मनु भाकर ने ओलंपिक चयन ट्रायल वन में महिलाओं के 25 मीटर पिस्टल क्वालीफिकेशन में शानदार प्रदर्शन करते हुए छह अंक से विश्व रिकॉर्ड तोड़ा, जबकि अनीश भानवाला ने पुरुषों का 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल ट्रायल जीता. ओलंपियन मनु ने महिलाओं के 25 मीटर पिस्टल क्वालीफिकेशन में पहला स्थान हासिल किया. उन्होंने पांच रैपिड फायर शॉट की दस सीरिज में 47 अंक बनाये. ईशा सिंह सातवीं सीरीज के बाद बाहर हो गई थी. ईशा अभी भी महिलाओं के 25 मीटर पिस्टल वर्ग में आगे हैं, जिन्होंने क्वालीफाइंग में 585 अंक बनाये. मनु दूसरे स्थान पर हैं जबकि सिमरनप्रीत, अभिध्या और रिदम सांगवान उनसे पीछे हैं.

राहुल और डिकॉक ने विश्व स्तरीय बल्लेबाजी की : हेनरी

लखनऊ। लखनऊ सुपर जाइंट्स के तेज गेंदबाज मैट हेनरी ने कप्तान केएल राहुल और क्विंटोन डिकॉक की विश्व स्तरीय बल्लेबाजी की तारीफ करते हुए कहा कि पहले विकेट की शतकीय साझेदारी से उन्हें चेन्नई सुपर किंग्स के बेहतरीन गेंदबाजी आक्रमण पर दबाव बनाने में मदद मिली. जीत के लिए 177 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए राहुल (82) और डिकॉक (54) की पारियों के दम पर लखनऊ ने आठ विकेट से जीत दर्ज की. हेनरी ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, बल्लेबाजी की बात करें तो सलामी साझेदारी बेहतरीन रही. केएल और क्विंटोन ने मैच का रुख हमारी तरफ कर दिया. यह विश्व स्तरीय बल्लेबाजी थी. दोनों ने 15 ओवर में 134 रन की साझेदारी की. हेनरी ने कहा, यह प्रतिस्पर्धी स्कोर था.

60 घंटे शतरंज खेलने का नया रिकॉर्ड बनाया

न्यूयार्क। नाइजीरिया के शतरंज चैम्पियन टुंडे ओनाकोया ने गिनीज विश्व रिकॉर्ड तोड़ने के लिए न्यूयार्क के टाइम्स स्क्वायर में 60 घंटे तक लगातार शतरंज खेला. ओनाकोया को बुधवार को शुरू हुए रिकॉर्ड प्रयास के जरिए पूरे अफ्रीका में बच्चों की शिक्षा के लिए 10 लाख डॉलर जुटाने की उम्मीद है. टुंडे ने 58 घंटे तक शतरंज खेलने के लिए तैयारी की थी, लेकिन शनिवार सुबह करीब 12:40 बजे 60 घंटे तक शतरंज खेलते रहे. इस तरह उन्होंने 56 घंटे नौ मिनट और 37 सेकंड के मौजूदा शतरंज मैराथन रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया, जो 2018 में नार्वे के हॉलवर्ड हॉग फ्लैटबो और सजुर फर्किंगस्टेड ने बनाया था.

विनेश को मिला पेरिस ओलंपिक का टिकट

- विनेश ने रियो और तोक्यो ओलंपिक में भी लिया था हिस्सा, इस बार है पहलवान से बड़ी उम्मीद
- भारत के तीन और पहलवानों को मिल सकता है पेरिस का टिकट, सभी सेमीफाइनल में पहुंचे हैं

एजेंसी। बिश्केक (किर्गिस्तान)

भारत की स्टार पहलवान विनेश फोगाट ने शनिवार को यहां एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर में महिलाओं के 50 किग्रा वर्ग में एक भी अंक गंवाए बिना फाइनल में पहुंच कर पेरिस ओलंपिक का कोटा पक्का कर लिया. यह पेरिस ओलंपिक के लिए भारत का दूसरा कोटा है. उनसे पहले अंतिम पंघाल ने पिछले साल विश्व चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीत कर 53 किग्रा वर्ग में कोटा हासिल किया था. यह 29 साल की विनेश का लगातार तीसरा ओलंपिक कोटा है. उन्होंने इससे पहले रियो ओलंपिक (2016) और तोक्यो ओलंपिक (2020) में भी हिस्सा लिया था. विनेश ने मजबूत प्रदर्शन करते हुए अपने प्रतिद्वंद्वियों को मात दी. उन्होंने पहले कोरियाई प्रतिद्वंद्वी मिरान चियोन को एक मिनट 39 सेकंड तक चले मुकाबले में हराया. उनकी मजबूत

अंतिम पंघाल पहले ही कर चुके हैं क्वालीफाई

पकड़ का विरोधी के पास कोई जवाब नहीं था. अगले मुकाबले में उन्होंने 67 सेकंड में कंबोडिया की एसमानांग डिट को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई. सेमीफाइनल में कजाखस्तान की 19 साल की पहलवान लौरा गानिकिजी ने उनके सामने थोड़ी चुनौती पेश की लेकिन इस भारतीय पहलवान ने अपने अनुभव का इस्तेमाल कर युवा प्रतिद्वंद्वी को मात दी. विनेश पहले पीरियड में 4-0 से आगे थी और इस टूर्नामेंट में वह पहली बार दूसरे पीरियड तक पहुंची. एक बार दबदबा बनाने के बाद विनेश को उसे हराने में कोई परेशानी नहीं हुई. चयन ट्रायल जीतने के बाद विनेश 50 किलोवर्ग में खेल रही है. फाइनल में पहुंचने वाले पहलवानों को अपने देश के लिए कोटा मिलेगा. भारत अंशु मलिक (57 किग्रा), मानसी अहलावत (62 किग्रा) और रीतिका (76 किग्रा) के जरिये तीन और कोटे हासिल कर सकता है क्योंकि ये भी अपने वर्ग के सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं. विश्व चैम्पियनशिप 2021 रजत पदक विजेता अंशु को क्वार्टर फाइनल में सीधे प्रवेश मिला जिसमें उसने किर्गिस्तान की कलमीरा बिलिम्बेकोवा को तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हराया. अंडर 23 विश्व चैम्पियन रीतिका (76 किलो) ने युंजू हवांग को हराया. पहला दौर उन्होंने तकनीकी श्रेष्ठता पर जीता. इसके बाद मंगोलिया की दावानासान एंख एमार को भी इसी तरह से मात दी. चीन की जुआंग वांग के खिलाफ आखिरी ग्रुप मुकाबले में उन्होंने 8 . 2 से जीत दर्ज की. मानसी अहलावत (62 किलो) भी अंतिम चार में पहुंच गई जिसके लिए उन्हें महज एक मुकाबला जीतने की जरूरत थी. उन्होंने कजाखस्तान की इरिना कुजनेत्सोवा को 6.4 से हराया. पेरिस ओलंपिक का आखिरी विश्व क्वालीफायर तुर्की में नौ मई से खेला जाएगा.

आईपीएल में आज दो मैच : सभी टीमें अब मैच जीतने के लिए लगा रहीं जोर

आरसीबी के सामने केकेआर की चुनौती

एजेंसी। कोलकाता

हार दर हार से आजिज आ चुकी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर को बखूबी पता है कि अब किसी चूक की गुंजाइश नहीं है लिहाजा रविवार को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में उसे हर हालत में अच्छा प्रदर्शन करना होगा. सात मैचों में से छह हार के बाद आरसीबी का पहला आईपीएल खिताब जीतने का सपना टूटता नजर आ रहा है. लगातार पांच हार के बाद आरसीबी अंकतालिका में सबसे नीचे है और प्लेआफ की उम्मीदें बनाये रखने के लिए उसे बाकी सातों मैच जीतने होंगे.

आरसीबी की कमजोर कड़ी गेंदबाजी : आरसीबी की कमजोर कड़ी उसके गेंदबाज साबित हुए हैं और टीम पूरी तरह से विराट कोहली, फाफ डु प्लेसी और दिनेश कार्तिक की बल्लेबाजी पर निर्भर रही है. ऐसे में केकेआर की चुनौती उसके लिये काफी कठिन होगी. कप्तान फाफ डु प्लेसी ने कहा था, गेंदबाजी में हमारी तरकश में ज्यादा तीर नहीं हैं. इससे सारा दबाव बल्लेबाजों पर आन पड़ा है. हम सिर्फ बड़े स्कोर बनाकर ही मैच जीत सकते हैं. सनराइजर्स हैदराबाद ने आरसीबी के खिलाफ ही टूर्नामेंट का सर्वोच्च स्कोर तीन विकेट पर 287 रन बनाया था. इस सत्र में सबसे महंगे 11 करोड़ 50 लाख रुपए में खरीदे गए अलजारी जोसफ ने तीन मैचों में एक ही विकेट लिया और 11.89 की इकॉनॉमी रेट से रन दिये. आस्ट्रेलियाई हरफनमौला ग्लेन मैक्सवेल भी फॉर्म के लिए जूझ रहे हैं जिन्होंने मानसिक थकान का हवाला देकर सनराइजर्स के खिलाफ नहीं खेला. उनके कूल्हे की मांसपेशी में खिंचाव के कारण वह कुछ और मैचों

मैच का समय : दोपहर 3.30 बजे से

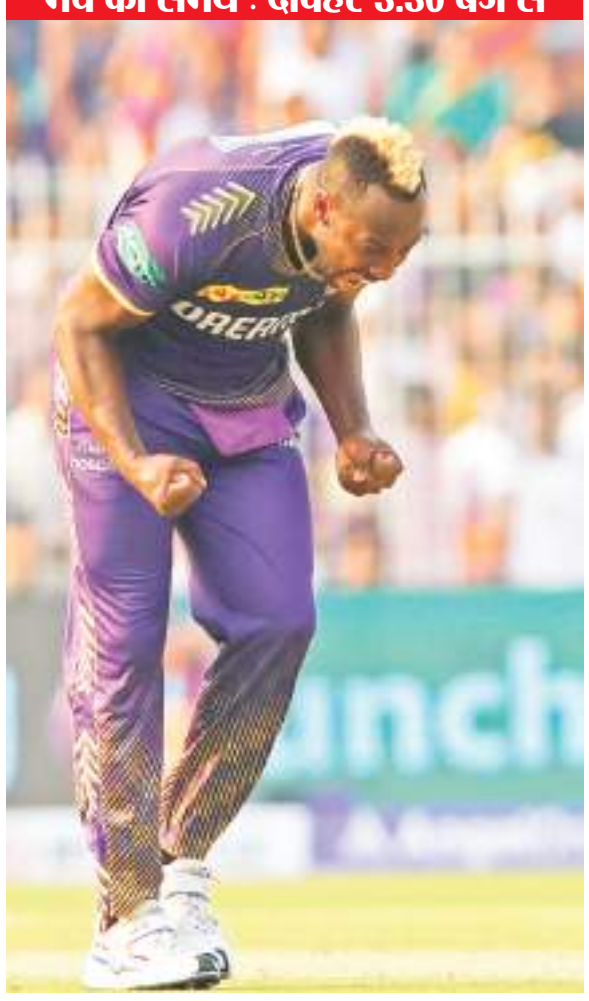

में बाहर रह सकते हैं. बल्लेबाजी में टीम कोहली, डुप्लेसी और कार्तिक पर ही निर्भर है. कोहली 72.20 की औसत से 361 रन बना चुके हैं, लेकिन 135 का स्ट्राइक रेट चिंता का विषय है. वह सातवें से 15वें ओवर के बीच स्पिनरों के सामने तेजी से रन नहीं बना पा रहे. कार्तिक ने 205 से अधिक की औसत से 226 रन बनाये हैं. सनराइजर्स के खिलाफ उन्होंने सिर्फ 35 गेंद में 83 रन बना डाले थे. इन तीनों का सामना अब सुनील नारायण, मिचेल स्टार्क और हर्षित राणा जैसे गेंदबाजों से है.

जीत की राह पर लौटने के लिए उतरेंगे पंजाब और गुजरात

- मैच का समय : शाम 7 .30 से

एजेंसी। मुल्लांपुर

लगातार हार के बाद अंक तालिका में नीचे खिसकी पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटंस इंडियन प्रीमियर लीग में रविवार को जब आमने सामने होंगी, तो दोनों का इरादा जीत की राह पर लौटने का होगा. पूर्व चैम्पियन गुजरात टाइटंस पिछले मैच में दिल्ली कैपिटल्स से हारने के बाद आठवें स्थान पर खिसक गई है. दिल्ली ने उसे 89 रन पर समेट दिया था और चार मैचों में यह उसकी तीसरी हार थी. पंजाब किंग्स नौवे स्थान पर है, जिसे मुंबई इंडियंस ने नौ रन से हराया. जीत के लिए 193 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए उसने चार विकेट 14 रन पर गंवा दिये थे, लेकिन उसके बाद आशुतोष शर्मा और शशांक सिंह ने टीम को मैच में लौटाया. सात मैचों में पांच हार और दो जीत से टीम का आत्मविश्वास डिगा हुआ है, लेकिन विरोधी टीम का भी वही हाल है.

धवन का खेलना पक्का नहीं : पंजाब को प्रभावी कप्तान शिखर धवन की कमी खल रही है और उनका रविवार के मैच में भी खेल पाना निश्चित नहीं है. धवन कंधे की चोट से उबरने की प्रक्रिया में हैं, जो उन्हें नौ अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ घरेलू मैच में लगी थी. उनकी जगह सैम कुरेन कप्तानी का जिम्मा संभाल रहे हैं. धवन ने पांच मैचों में 125.61 की औसत से 152 रन ही बनाये हैं लेकिन उनकी मैदान पर मौजूदगी जीतने का तरीका भूल चुकी टीम के लिए टॉनिक का काम करती. पिछली बार आठवें स्थान पर रही पंजाब के लिए इस बार भी कुछ बदलता नजर नहीं आ रहा. प्रभसिमरन सिंह, लियाम लिविंगस्टोन और रिली रोसोयू जैसे उसके बल्लेबाज अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर सके. शशांक और आशुतोष ने हालांकि निचले क्रम पर बल्लेबाजी से सभी का ध्यान खींचा है.

गुजरात को नयी शुरुआत करनी होगी : वहीं, गुजरात ने अभी तक तीन मैच जीते और चार गंवाये हैं. दिल्ली के खिलाफ शर्मनाक प्रदर्शन को भुला कर उसे नये सिरे से शुरूआत करनी होगी. कप्तान शुभमन गिल, साइ सुदर्शन, डेविड मिलर और राशिद खान जैसे सितारों की मौजूदगी के बावजूद टीम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई है. गेंदबाजी में मोहम्मद शमी की कमी खल रही है, जबकि उमेश यादव काफी महंगे साबित हुए हैं.

फैंस पर उमड़ा धौनी का प्यार

हाथ जोड़ कर अपने चाहने वालों के शुक्रगुजार हुए माही

एजेंसी। लखनऊ

इंडियन प्रीमियर लीग 2024 में चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धौनी को फैंस से खूब प्यार मिल रहा है. वह जिस शहर में खेलने जाते हैं. उस शेहर में उनके नाम के नारे लगते हैं. 19 अप्रैल की रात को लखनऊ सुपर जायंट्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच आईपीएल 2024 का 34वां मैच लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया. कहने को तो यह लखनऊ का होम ग्राउंड था. लेकिन चर्चे सिर्फ माही के हो रहे थे. फैंस धौनी-धौनी के नारे लगा रहे थे. वहीं अब उस मैच की एक वीडियो वायरल हो रही है, जिसमें धौनी अपने फैंस का हाथ जोड़ कर शुक्रिया कर रहे हैं. दरअसल, सोशल मीडिया पर एक वीडियो इकाना क्रिकेट स्टेडियम में तेजी से वायरल हो रही है. उस वीडियो में एमएस धौनी बाउंड्री लाइन पर खड़े हैं. ऐसे में उनके फैंस को खूब चीयर करते हुए नजर आ रहे हैं. फिर धौनी अपने फैंस की तरफ देखते हैं, दोनों हाथ जोड़ते हैं, उनका शुक्रिया करते हैं. धौनी के इस जेस्चर ने सबका दिल जीत लिया.

लखनऊ में आया धौनी का तूफान : टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई सुपर किंग्स ने निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट पर 176 रन बनाए थे. हालांकि धौनी की वजह से ही सीएसके इस स्कोर तक पहुंच पाई थी. अंत में आकर माही ने अपना फिनिशर का रूप अपनाया और लखनऊ के गेंदबाजों की जमकर धुनाई की. उन्होंने सिर्फ 9 गेंदों का सामना किया और 311 के तूफानी स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 28 नाबाद 28 रन बना डाले. उनकी पारी में 3 चौके और 2 छक्के भी शामिल थे. धौनी ने लखनऊ के क्राउड का जमकर मनोरंजन किया.

लारा ने कहा, धौनी से पूछना चाहिए कि क्या वह ऊपर बल्लेबाजी करना चाहेंगे

एजेंसी। लखनऊ

जहां एक तरफ खेल प्रेमी धौनी के बल्लेबाजी क्रम में ऊपर बल्लेबाजी करने की मांग कर रहे हैं, तो वहीं ब्रायन लारा को लगता है कि इस करिश्माई खिलाड़ी से पूछा जाना चाहिए कि क्या वह ऊपरी क्रम में बल्लेबाजी करना पसंद करेंगे? टीम प्रबंधन भी धौनी को ऊपरी क्रम में खिलाना पसंद करेगा, लेकिन वेस्टइंडीज के महान क्रिकेटर लारा जानते हैं कि 42 वर्षीय धौनी को घुटने की समस्या है, जिससे वह ज्यादा लंबे समय तक बल्लेबाजी नहीं कर सकते. घुटने की समस्या के अलावा धौनी उम्र के ऐसे पड़ाव में हैं, जहां वह युवाओं को अपनी काबिलियत साबित करने का मौका देना चाहेंगे. लारा ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, यह शानदार होगा. उनसे पूछना चाहिए कि क्या वह ऊपरी क्रम में बल्लेबाजी करना चाहेंगे? क्योंकि वह उपयोगी योगदान कर रहे हैं. लेकिन इसमें कुछ नुकसान के कारण भी हैं. इसलिए मुझे लगता है कि इन पर विचार किया जाना चाहिए. चेन्नई सुपर किंग्स के महान खिलाड़ी धौनी ने शुक्रवार को यहां लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ नौ गेंद में 28 रन की पारी खेली, जो इस आईपीएल सत्र की कुछ रोमांचक उपयोगी पारियों में से एक रही. लारा ने कहा, 42 साल की उम्र में वह टीम के लिहाज से भी सोच रहा होगा कि युवा खिलाड़ियों को ज्यादा जिम्मेदारी लेनी चाहिए. लेकिन मुझे लगता है कि मध्यक्रम की पारी से सीएसके की बल्लेबाजी के बारे में पता चलता है. धौनी ने हालांकि अंत में तेज तर्रार पारी खेली लेकिन अंत में उनकी पारी भी नाकाफी रही.

खास बात

- घुटने में समस्या से ज्यादा बैटिंग नहीं कर सकते माही

डेविड और पोलार्ड पर जुर्माना लगा

नयी दिल्ली। मुंबई इंडियंस के बल्लेबाज टिम डेविड और बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड पर 18 अप्रैल को मुल्लांपुर में पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच के दौरान इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है. यह जुर्माना मैच का एक वीडियो वायरल होने के कारण खड़े हुए विवाद के बाद लगाया गया है. इस वीडियो में दिख रहा था कि पांच बार की चैम्पियन मुंबई इंडियंस के सदस्य और सहयोगी स्टाफ कथित रूप से बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को रिव्यू लेने के लिए कह रहे थे, जो आईपीएल की आचार संहिता के खिलाफ है. आईपीएल की शनिवार को जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया, डेविड और पोलार्ड ने आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.20 के अंतर्गत लेवल एक का अपराध किया है. डेविड और पोलार्ड पर उनकी मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है. इसमें कहा गया, दोनों ने उल्लंघन स्वीकार कर लिया और मैच रेफरी द्वारा लगाया जुर्माना स्वीकार कर लिया है.

सीएसके के दिल की धड़कन हैं धौनी: फ्लेमिंग

एजेंसी। लखनऊ

महेंद्र सिंह धौनी को चेन्नई सुपर किंग्स के दिल की धड़कन बताते हुए कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा, घुटने की चोट से उबरने के बाद वह लंबे समय तक बल्लेबाजी नहीं कर सकते, लिहाजा फॉर्म के बावजूद उन्हें बल्लेबाजी में ऊपर नहीं भेजे सकते. 42 वर्ष के धौनी ने लखनऊ के खिलाफ शुक्रवार को नौ गेंद में 28 रन बनाये, लेकिन टीम आठ विकेट से हार गई. धौनी के फॉर्म के बारे में फ्लेमिंग ने कहा, यह प्रेरणास्पद है

ना. वह बहुत उम्दा बल्लेबाजी कर रहे हैं. टीम इससे हैरान नहीं है क्योंकि सत्र से पहले तैयारी में भी वह शानदार खेल रहे थे. उनके घुटने में दर्द है. वह इससे उबरने की प्रक्रिया में कुछ ही गेंद खेल सकते हैं. हर कोई उन्हें लंबे समय तक बल्लेबाजी करते देखना चाहता है, पर हम उन्हें पूरे टूर्नामेंट में देखना चाहते हैं. इसलिए दो तीन ओवर खेलना ही ठीक है. वह हर समय अपनी भूमिका बखूबी निभा रहे हैं और उसे देखने में मजा आ रहा है. लंबे समय से चेन्नई के कोच रहे फ्लेमिंग ने कहा कि पांच बार टीम को खिताब दिलाने वाले धौनी टीम के दिल की धड़कन हैं और हर स्टेडियम पर दर्शकों से उन्हें मिल रहे अपार प्रेम के बीच उनकी मौजूदगी के हर पल का टीम लुत्फ उठा रही है.

कैंडिडेट्स शतरंज : गुकेश का सामना अलीरजा से

एजेंसी। टोरंटो

भारत के युवा ग्रैंडमास्टर डी गुकेश कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट के 13वें दौर में फ्रांस के फिरोजा अलीरजा को हरा कर खिताब जीतने की अपनी उम्मीदें पुख्ता करना चाहेंगे. सफेद मोहरों से गुकेश का यह आखिरी मैच होगा और अलीरजा इस समय सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं हैं. गुकेश, अमेरिका के हिकारू नकामूरा और इयान नेपोम्नियाश्चि 7.5 अंक लेकर संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं. टूर्नामेंट के दो ही दौर बाकी हैं. टूर्नामेंट का अहम मुकाबला नेपोम्नियाश्चि और नकामूरा में होगा. नकामूरा ने तीन जीत दर्ज की है, जबकि नेपाम्नियाश्चि अकेले खिलाड़ी हैं, जो 12 मुकाबलों में अपराजेय रहे हैं. कारूआना भी जीत के दावेदारों में से हैं, जिनके सात अंक है.

खास बात

- अलीरजा को हरा कर खिताब जीतना चाहेंगे गुकेश

उनका सामना भारत के आर प्रज्ञानानंदा से और आखिरी दौर में नेपोम्नयाश्चि से होगा. गुकेश को आखिरी दौर में नकामूरा से खेलना है. प्रज्ञानानंदा के छह अंक है और वह शीर्ष तीन की दौड़ से बाहर हैं. भारत के विदित गुजराती भी पदक की दौड़ में नहीं है. महिला वर्ग में चीन की झोंग्यी तान आठ अंक लेकर शीर्ष पर हैं, जबकि उनकी हमवतन टी लेइ उनसे आधा अंक पीछे हैं. रूस की अलेक्जेंड्रा गोरियाश्किना और कैटरीना लागनो के साथ भारत की कोनरू हम्पी के छह अंक हैं.

बातचीत केकेआर के मार्गदर्शक गौतम गंभीर बोले-सुनील आईपीएल इतिहास का सबसे महान गेंदबाज

मैं जानता था कि नारायण टी20 का महान क्रिकेटर बनेगा

एजेंसी। कोलकाता

भारत के पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर ने सुनील नारायण को आईपीएल का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज बताते हुए कहा कि जब उसने 2011 में भारत के खिलाफ वनडे पदार्पण किया था, तो उन्हें अंदाजा हो गया था कि वेस्टइंडीज का यह खिलाड़ी टी20 क्रिकेट का महान क्रिकेटर बनेगा. कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के पूर्व कप्तान और अब टीम के मार्गदर्शक गंभीर ने खुलासा किया कि 2011 में नारायण को पदार्पण श्रृंखला में खेलते हुए देखने के बाद ही उन्होंने वेस्टइंडीज के इस खिलाड़ी को आईपीएल के लिए शामिल करने का फैसला किया था. गंभीर ने केकेआर नाइट्स डगआउट पोडकास्ट में कहा, मेंने सात या आठ गेंदों का ही सामना किया होगा और मुझे लगा कि यह खिलाड़ी खेल का महान क्रिकेटर बनेगा, विशेषकर टी20 क्रिकेट में.

देखिए आज सुनील कहां है

उन्होंने कहा, देखिए अब सुनील नारायण कहां हैं? शायद वह आईपीएल इतिहास का सबसे महान गेंदबाज है. नारायण ने अपने आईपीएल करियर में 170 विकेट चटकाये हैं और लीग में 168 मैच में अब तक एक शतक सहित 1322 रन भी बनाये हैं. नारायण ने दिसंबर 2011 में अहमदाबाद में तीसरे वनडे में भारत के खिलाफ वनडे पदार्पण किया था जिसमें उन्होंने विराट कोहली और आर अश्विन को आउट कर 34 रन देकर दो विकेट चटकाये थे. गंभीर ने चौथे वनडे में पहली बार नारायण की गेंदों का सामना किया. नारायण हालांकि छह ओवर में 46 रन देकर कोई विकेट नहीं झटक सके थे. लेकिन गंभीर को लग गया था कि त्रिनिदाद का यह खिलाड़ी आईपीएल 2012 में शानदार गेंदबाज बनेगा. 2012 में नारायण केकेआर के रहस्यमयी गेंदबाज के तौर पर सामने आये और 24 विकेट लेकर मोर्नी मोर्कल के 25 विकेट के बाद दूसरे सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज बने. इससे केकेआर की टीम 2012 में अपना पहला आईपीएल खिताब जीतने में सफल रही.

मैंने दिया है मंत्र - साहसी बने रहो

गंभीर ने फिर नारायण की बल्लेबाजी काबिलियत देखी और उन्हें केकेआर के लिए पारी का आगाज कराया. नारायण बल्ले से काफी सफल रहे लेकिन गेंद पर भी अपनी पकड़ कायम रखी. लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ पिछले दो सत्र में यही भूमिका निभाने के बाद गंभीर ने कहा कि इस सत्र में केकेआर के लिए उनका मंत्र है कि साहसी बने रहो.

शाहरुख का समर्थन याद किया

गंभीर ने 2014 में उनकी खराब फॉर्म के दौरान टीम के मालिक शाहरुख खान के समर्थन को याद किया. उन्होंने बताया कि शाहरुख ने उन्हें कहा था, जब तक आप यहां हैं, तब तक आप हार नहीं मानोगे. ये शब्द गंभीर के लिए प्रेरणादायी शब्द बन गये और 2014 में उन्होंने खिताब जीता.गंभीर ने कहा, मैं चार मैच में एक भी रन नहीं बना सका था. मैं कई दफा कह चुका हूं कि मुझे लगता है कि मैंने जिनके साथ भी काम किया है, वह उनमें से सर्वश्रेष्ठ मालिक हैं. ऐसा नहीं हैं कि मैं अब केकेआर का हिस्सा हूं या इसका हिस्सा था इसलिए ऐसा कह रहा हूं. उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि केकेआर की कपतानी के सात वर्षों में हमने सात मिनट के लिए भी क्रिकेट संबंधित बातचीत की हो. बस जब मैं खराब दौर से गुजर रहा था, तभी इस पर बात हुई थी. गंभीर ने कहा, उस समय भी हमने इसलिए बातचीत की थी क्योंकि मैं खुद ही काफी निराश हो रहा था. तभी उन्होंने मुझसे कहा था कि जब तक तुम यहां हों, तुम हार नहीं मानोगे.

ब्रीफ खबरें

आपसी रंजिश में एक को पीटकर मार डाला

डेहरी-ऑन-सोन । रोहतास जिले के नासरीगंज नगर पंचायत के वार्ड संख्या 14 में दो पक्षों के बीच चल रहे रंजिश को लेकर शुक्रवार की देर रात हुई मारपीट में एक व्यक्ति की मौत हो गई. मृतक धनेश्वर चौधरी, उम्र 49 वर्ष के बताए जाते हैं. पुलिस घटनास्थल पर पहुंच कैंप कर रही है. पुलिस के अनुसार पूर्व से चल रहे विवाद के कारण दोनों पक्ष देर रात मारपीट किए. पिटाई के कारण धनेश्वर चौधरी की मौत हो गई. आक्रोशित एक पक्ष शव को कब्जे में लेने का विरोध कर रहे हैं.

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह आज करेंगे सभा

कटिहार । केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह आज कटिहार के राजेंद्र स्टेडियम में चुनावी जनसभा को संबोधित करेंगे. गृहमंत्री के कटिहार आगमन की तैयारियां अंतिम चरण में हैं. मंगल पांडे रैली की तैयारियों का जायजा लेने शनिवार को कटिहार पहुंचे. मंगल पांडेय, तारकिशोर प्रसाद के कटिहार के मिचाईबाड़ी आवास पर भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक के बाद मीडिया से रूबरू हुए. इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि बिहार प्रदेश के साथ पूरे देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लहर चल रही है. पहले चरण में हुए मतदान प्रतिशत में कमी पर उन्होंने कहा कि मौसम में ज्यादा गर्मी की वजह से थोड़ा मतदान प्रतिशत कम हुआ है.

पाठक के आदेश पर 67 बीईओ का वेतन रुका

पटना । शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक का फोन नहीं उठाने वाले 25 जिलों के 67 प्रखंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) का वेतन बंद करने का आदेश जारी किया है. कमांड एंड कंट्रोल सेंटर का फोन नहीं उठाने के आरोप में इन 67 बीईओ पर कार्रवाई की गयी है. पाठक ने नालंदा, पटना, पूर्णिया, रोहतास, सहरसा, समस्तीपुर, सारण, सीतामढ़ी, सीवान, शेखपुरा, सुपौल, वैशाली और पश्चिम चंपारण अररिया, औरंगबाद, बांका, बेगूसराय, भागलपुर, भोजपुर, बक्सर, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, किशनगंज, मधुबनी व मुजफ्फरपुर बीईओ को वेतन बंद करने का आदेश दिया है.

बिहार के भागलपुर में राहुल और तेजस्वी ने साथ की चुनावी सभा

यह चुनाव संविधान और लोकतंत्र बचाने के लिए है : राहुल गांधी

गिरधारी लाल जोशी। भागलपुर

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि यह चुनाव संविधान और लोकतंत्र बचाने के लिए है. इसके लिए इंडिया गठबंधन संघर्ष कर रहा है. दूसरी ओर आरएसएस, भाजपा और हिंदुस्तान के तीन-चार अरबपति लोग हैं. गरीबों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों को जो भी अधिकार और हक मिला है, वह संविधान से है. यदि संविधान बदल गया तो गरीबों की सब सुविधा रुक जाएगी. राहुल गांधी शनिवार को भागलपुर के सैंडिस कम्पाउंड में एक चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे. 2009 यानी 15 सालों बाद भागलपुर संसदीय सीट से कांग्रेस चुनाव लड़ रही है. इसलिए कार्यकर्ताओं में जोश दिखा. उनके साथ राजद नेता तेजस्वी यादव, वीआईपी पार्टी प्रमुख मुकेश साहनी, वाम दल के नेता व कार्यकर्ता मौजूद थे.

मंच पर पूर्णिया राजद उम्मीदवार बीमा भारती, भागलपुर के कांग्रेस प्रत्याशी अजीत शर्मा, बांका के राजद प्रत्याशी जय प्रकाश नारायण यादव बगैरह मौजूद थे. प्रचंड गर्मी के बीच पंडाल भरा था. राहुल गांधी 12 बजकर 18 मिनट पर मंच पर आए और करीबन 15 मिनट वे बोले. सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे.

राहुल गांधी ने कहा कि नरेंद्र मोदी के राज में देश के 22 लोगों के पास 70 करोड़ लोगों जितना धन है. अंबानी, अडाणी जी जैसे लोग सबसे ज्यादा धनी है. लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोगों का ध्यान बांटने के लिए इधर-उधर की बातें बोलते है. एक तरफ देश की 70 करोड़ जनता की आमदनी सौ रुपए से कम है दूसरी ओर अडाणी जी को देश की बिजली, खदानें, हवाई अड्डे, सोलर प्लांट सौंपे जा रहे है. 10 उद्योगपतियों के 16 लाख करोड़ रुपए माफ किए गए. इंडिया गठबंधन की सरकार आई तो हम इतना ही रुपया किसानों का कर्ज माफ करेंगे.

भाजपा 150 पर सिमट जाएगी : राहुल गांधी ने कहा कि वे (भाजपा वाले) जो भी बोलें, लेकिन वे भाजपा 150 सीटों के नीचे सिमट जाएगी. यह पहले चरण के चुनाव से मतदाताओं ने साफ कर दिया. बेरोजगारी, महंगाई, भागीदारी जैसे जरूरी मुद्दों पर बात नहीं कर भाजपा चौबीस घंटे गुमराह करने में लगी है. इंडिया गठबंधन की सरकार आने पर गरीब महिलाओं को एक लाख रुपए देंगे. और डिग्री-डिप्लोमाधारी नौजवानों को प्रशिक्षुता का अधिकार देंगे. साथ ही किसानों की उपज के एमएसपी की कानूनी गारंटी देकर किसानों का कर्ज माफ करेंगे. अग्निवीर योजना खत्म कर पुरानी व्यवस्था लागू करेंगे. शहीद का दर्जा सबको मिलना चाहिए. जीएसटी एक समान करेंगे. आशा-आंगनबाड़ी सेविकाओं का मानदेय दोगुना करेंगे. मनरेगा में काम करने वाले श्रमिकों का चार सौ रुपए की दर से भुगतान करेंगे.

महालक्ष्मी जैसी योजनाओं से गरीबों को मदद मिलेगी

गांधी ने कहा, अगर कांग्रेस सत्ता में आयी तो वह महालक्ष्मी जैसी योजनाओं के जरिए गरीबों की मदद करेगी. इस 'महालक्ष्मी' योजना के तहत हर गरीब परिवार की एक महिला सदस्य को सीधे नकद हस्तांतरण के माध्यम से एक लाख रुपये की वार्षिक सहायता का प्रस्ताव है. उन्होंने कहा, पैसा एक व्यक्ति के बैंक खाते में भेजा जाएगा लेकिन इसका उपयोग पूरे परिवार के लिए किया जाएगा. उन्होंने आरोप लगाया, मोदी नहीं चाहते कि लोग अपने आसपास मौजूद हालात पर ध्यान केंद्रित करें. वह किसी न किसी माध्यम से आप सभी का ध्यान भटकाने की कोशिश करते हैं. देश के किसी भी हिस्से में आप युवाओं को घंटों अपने स्मार्ट फोन पर सोशल मीडिया साइट से चिपके हुए देख सकते हैं. कारण यह है कि भारत बेरोजगारी का केंद्र बन गया है. नोटबंदी और जीएसटी (माल एवं सेवाकर) के दोषपूर्ण क्रियान्वयन ने रोजगार सृजन को प्रभावित किया है. कांग्रेस नेता गांधी ने अपनी पार्टी के घोषणा पत्र का जिक्र करते हुए कहा उनकी पार्टी 'अप्रेंटिसशिप करने वालों को रोजगार की गारंटी देकर बेरोजगारी की समस्या से निपटेगी जो देश में निजी क्षेत्र के साथ-साथ सार्वजनिक क्षेत्र में प्रशिक्षित कार्य बल पैदा करेगी.

काठ की हांडी बार-बार नहीं चढ़ती: तेजस्वी

वहीं राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि काठ की हांडी बार- बार नहीं चढ़ती है. पहले चरण चुनाव में इंडिया गठबंधन को बढ़त मिल रही है. मतदाताओं के रुझान से जाहिर होता है. भाजपा नीत राजग गठबंधन झूठ की खेती करता है. नफरत फैलाता है. इसलिए इनका नारा 400 पार सुपर फ्लॉप है. स्वागत बिहार प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने किया. राजद के जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर प्रसाद यादव भी मौजूद थे.

विवाहिता ने ब्लेड से अपना गला काटा

सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने महिला को अस्पताल में भर्ती कराया

संवाददाता । पटना

पटना में जहां युवती ने खुद गला काटकर सुसाइड करने का प्रयास किया है. बताया जा रहा है कि घटना एयरपोर्ट थाना क्षेत्र के जगदेव पथ स्थित सड़क किनारे एयरपोर्ट थाना क्षेत्र इलाके में शनिवार को एक विवाहिता युवती के गर्दन पर धारदार हथियार से कटे होने की सूचना मिली. आनन-फानन में एयरपोर्ट थाना की पुलिस सूचना पर घटना स्थल पर पहुंची. जहां से घायल युवती को इलाज के लिए अस्पताल भेजा है. फिलहाल इस मामले की पुष्टि करते हुए एयरपोर्ट थानाध्यक्ष विनोद पीटर ने बताया कि घायल युक्ति का इलाज अस्पताल में कराया गया. वहीं इसके बारे में जानकारी हासिल की गई. जिसमें घायल युवती शादीशुदा 24 वर्षीय मोनी कुमारी है. घायल युवती मोनी कुमारी रूकनपुरा ससुराल में रुपए मांगने पहुंची. जहां से युवती को भगा दिया. जिसके बाद युवती ने खुद ब्लेड से गला काट कर आत्महत्या की कोशिश की है. थानाध्यक्ष ने कहा कि घायल युवती मोनी कुमारी नशे की आदि है. वहीं उसका पति भी नशेड़ी है. जिसपर पूर्व में चोरी के कई मामले दर्ज है. फिलहाल पुलिस घायल युवती मोनी को इलाज करा आगे की कार्रवाई में जुटी है.

चार साल के बच्चे का पानी में उपलाता शव मिला

वैशाली । वैशाली में सहदेई बुजुर्ग थाना क्षेत्र के सलहा पंचायत अंतर्गत वार्ड संख्या 7 स्थित एक छोटे से गड्ढे में चार दिन से घर से लापता 4 वर्षीय बच्चे का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई. मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए हाजीपुर भेज दिया. मृतक बच्चा सलहा पंचायत के वार्ड संख्या सात निवासी अवधेश कुमार के पुत्र 4 वर्षीय कृष्णा बताया गया है जो कि कृष्णा तीन भाई बहन में सबसे छोटा था. स्थानीय लोगों ने शव को पानी में उपलाता हुआ देखने के बाद इसकी सूचना आसपास के लोगों और घर वालों को दिया. जिसके बाद बच्चे की पहचान कृष्णा के रूप में हुई. बताया गया कि कृष्णा 16 अप्रैल से हीं घर से लापता था. वह अपने घर के बगल में हीं एक पूजा में शामिल होने के लिए गया था और वहीं से खेलते खेलते कहीं गुम हो गया. जिसके बाद चार दिनों के बाद उसका शव तालाब में मिला.

स्कूल बस और कार में टक्कर 12 बच्चे हुए घायल, तीन रेफर

संवाददाता । नालंदा

नालंदा में शनिवार को बच्चों को स्कूल लेकर जा रही एक बस में तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने टक्कर मार दी, जिससे उसमें सवार लगभग 12 बच्चे बुरी तरह घायल हो गए. सभी को पावापुरी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है. घटना बिहारशरीफ नवादा फोरलेन पर पावापुरी ओपी के करमपुर गांव के पास घटी है.

बताया जाता है कि स्कूल बस बच्चों को सुबह-सुबह स्कूल लेकर जा रही था. उसी दौरान सामने से आ रही तेज रफ्तार कार ने स्कूल वाहन में जोरदार टक्कर मार दी. घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई. आनन-फानन में स्थानीय लोगों ने सभी घायल बच्चे को पावापुरी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज चल रहा है. तीन बच्चों को पटना रेफर किया गया है.

स्थानीय लोगों ने इस घटना की सूचना पावापुरी ओपी थाना पुलिस को दी. पुलिस के मौके पर पहुंचने से पहले ही ग्रामीणों की मदद से सभी घायल बच्चों को इलाज के लिए पावापुरी विम्स अस्पताल भेज दिया गया था. बस सरस्वती विद्या मंदिर की है, जो बच्चों को घर से लेकर स्कूल जा रही थी, तभी यह घटना घटी है, घटना के बाद स्कूल कर्मी ने घायल बच्चों के परिजनों को सूचना दी फिर परिजन भी अस्पताल पहुंच गए.

बेतिया में सात करोड़ की चरस के साथ तस्कर गिरफ्तार

बेतिया । पड़ोसी देश नेपाल से सात करोड़ अंतराष्ट्रीय मूल्य की चरस लेकर बेतिया पहुंचे तीन तस्करों को बेतिया नगर पुलिस की टीम ने सुप्रिया रोड व बस स्टैंड में छापेमारी कर गिरफ्तार किया है. इनकी गिरफ्तारी शुक्रवार की देर शाम की गयी है. शनिवार को पुलिस अधीक्षक अमरकेश डी ने बताया कि पुलिस टीम ने दो जगहों पर छापेमारी कर 35.766 किलो चरस के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार तस्करों में इनरवा थाना के इनरवा बाजार निवासी फैयाज मियां (45), सिरिसिया थाना के भीखमपुर निवासी संजय पटेल (38) तथा सहोदरा थाना के बैरिया बाजड़ा निवासी सुरेश यादव (38) शामिल है. इनके पास से तीन बाइक व दो मोबाइल बरामद हुए है. एफआईआर दर्ज कर तीनों को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है.

एसपी को गुप्त सूचना मिली कि सुप्रिया रोड में मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले इकट्ठा हुए है. सूचना के आधार पर एसपी ने एसडीपीओ के नेतृत्व में टीम गठित किया. टीम ने सुप्रिया रोड में छापेमारी कर फैयाज मियां व संजय पटेल को गिरफ्तार किया.

चोरी गई एसएलआर एवं गोली बरामद

नवादा । पुलिस ने नवादा जिले के पकरीबरमा थाने के राजाबीघा प्राथमिक विद्यालय में बने मतदान केंद्र संख्या 234 पर से पुलिस की चोरी गई सेल्फ लोडिंग राइफल तथा 30 कारतूस शनिवार को पुलिस ने बरामद कर ली है. एसपी कार्तिकेय शर्मा ने एक प्रेस वार्ता आयोजित कर शनिवार को बताया कि पकरीबरावां के थाना अध्यक्ष अजय कुमार के नेतृत्व में पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है. जिनके नेतृत्व में चोरी किए गए राइफल तथा कारतूस को ताबड़तोड़ छापेमारी के बाद राजेबीघा गांव के ही एक झाड़ी से बरामद कर लिया गया है. सच्चाई है कि गांव में एक बारात आई थी.

कारोबार

वेसुवियस ग्रुप 1,000 करोड़ का निवेश करेगा

नयी दिल्ली । ब्रिटेन के वेसुवियस ग्रुप की योजना भारत में निवेश बढ़ाकर 1,000 करोड़ रुपये करने की है. कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी पैट्रिक आंद्रे ने विशाखापत्तनम में मोल्ड फ्लक्स विनिर्माण संयंत्र का उद्घाटन करते हुए यह बात कही. कंपनी ने आंद्रे के बयान के हवाले से कहा, भारत में अपनी आकर्षक वृद्धि और निवेश परियोजनाओं के आधार पर हम अगले कुछ वर्षों में 500 करोड़ रुपये की अपनी पहले बताई गई निवेश योजनाओं से आगे बढ़ते हुए करीब 1,000 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंचने की उम्मीद कर रहे हैं.

आईनॉक्स विंड को पवन परियोजना का मिला ठेका

नयी दिल्ली । पवन ऊर्जा समाधान प्रदाता आईनॉक्स विंड ने हीरो फ्यूचर एनर्जीज (एचएफई) से फिर 210 मेगावाट का ठेका हासिल किया है. बयान में कहा गया, इसके अतिरिक्त आईनॉक्स विंड इसके पूरा होने के बाद बहु-वर्षीय संचालन तथा रखरखाव सेवाएं भी प्रदान करेगा. बयान के अनुसार, यह ठेका आईनॉक्स विंड लिमिटेड के अत्याधुनिक तीन मेगावाट विंड टर्बाइन जेनरेटर (डब्ल्यूटीजी) के लिए है. इस दायरे में कुछ अन्य सेवाओं के साथ उपकरण आपूर्ति शामिल है.

जोमैटो को 11.82 करोड़ का मिला टैक्स का नोटिस

नयी दिल्ली । ऑनलाइन ऑर्डर लेकर खाना पहुंचाने वाले मंच जोमैटो को जीएसटी प्राधिकरण से 11.82 करोड़ रुपये की कर मांग और जुर्माना देने का आदेश मिला है. कंपनी के जुलाई 2017 से मार्च 2021 के बीच भारत के बाहर स्थित उसकी सहायक कंपनियों को दी गई निर्यात सेवाओं के संबंध में यह नोटिस मिला. यह आदेश अतिरिक्त आयुक्त, केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर, गुरुग्राम ने जारी किया. इसमें 5,90,94,889 रुपये की जीएसटी मांग के अलावा 5,90,94,889 रुपये का ब्याज और जुर्माना शामिल है. जोमैटो ने शुक्रवार देर शाम शेयर बाजार को बताया कि कंपनी उचित प्राधिकारी के समक्ष आदेश के खिलाफ अपील दायर करेगी.

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा-

केंद्र का लक्ष्य भारत को विनिर्माण और सेवाओं के लिए आकर्षक गंतव्य बनाना

एजेंसी । अहमदाबाद

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि केंद्र ने भारत को विनिर्माण और सेवाओं के लिए एक आकर्षक गंतव्य बनाने के लिए नीतियां तैयार की हैं. उन्होंने कहा कि न केवल घरेलू बाजार के लिए बल्कि निर्यात के लिए भी उत्पादन करने पर सरकार का जोर है. वह अमेरिकी उद्योगपति एलन मस्क के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपनी बैठक स्थगित करने पर एक सवाल का जवाब दे रही थीं.

उन्होंने संवाददाताओं से कहा, निवेश आकर्षित करने के लिए नीतियां बनाई गई हैं. हम चाहते हैं कि विनिर्माता और निवेशक न केवल भारत के लिए, बल्कि यहां से निर्यात करने के लिए भी आएं और उत्पादन करें. हम नीतियों के माध्यम से विनिर्माताओं और निवेशकों को आकर्षित करने का प्रयास करेंगे. टेस्ला के सीईओ मस्क ने शनिवार को कहा कि कंपनी के भारी दायित्वों के कारण उनकी भारत यात्रा में देरी हो रही है.

सीतारमण ने कहा, जब बड़ी कंपनियां भारत आने में रुचि दिखाती हैं, तो हम उनके लिए यहां आने और निवेश को आकर्षक बनाने के लिए सब कुछ करेंगे. उस प्रक्रिया में, अगर चर्चा करने के लिए कुछ भी होगा, तो हम निश्चित रूप से चर्चा करेंगे. हमने जो भी किया है, नीति के जरिए किया है.

उन्होंने कहा कि नीतियों को इस तरह से तैयार किया गया है ताकि भारत को विनिर्माण और सेवाओं के लिए एक आकर्षक गंतव्य बनाया जा सके. वित्त मंत्री ने मुद्रास्फीति के बारे में बोलते हुए कहा कि मोदी सरकार के तहत एक महीने को छोड़कर, यह कभी भी सहनशील सीमा को पार नहीं कर पाई. उन्होंने आगे जोड़ा कि 2014 से पहले अर्थव्यवस्था खराब स्थिति में थी और मुद्रास्फीति दोहरे अंकों में थी. सीतारमण ने कहा, उस समय (2014 से पहले) किसी को भी देश से कोई उम्मीद नहीं थी. बहुत कड़ी मेहनत के बाद, हम दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर उभरे हैं और आत्मविश्वास से कह रहे हैं कि अगले दो से ढाई साल में हम तीसरे स्थान पर होंगे. रोजगार के बारे में उन्होंने कहा कि औपचारिक और अनौपचारिक दोनों क्षेत्रों के आंकड़ों में कमी है, लेकिन केंद्र की पहल से लाखों लोगों को रोजगार मिला है.

वित्त मंत्री बोलीं

2014 से पहले अर्थव्यवस्था खराब स्थिति में थी और मुद्रास्फीति दोहरे अंकों में थी

सीआईआई अध्यक्ष बोले- जब दुनिया तनाव में है भारत प्रगति कर रहा है

कोलकाता । प्रमुख उद्योग मंडल सीआईआई के मनोनीत अध्यक्ष संजीव पुरी ने कहा कि भारत ऐसे वक्त में प्रगति कर रहा है, जब दुनिया तनाव के दौर से गुजर रही है. उन्होंने शुक्रवार देर रात यहां एक कार्यक्रम में कहा कि मौजूदा वक्त काफी दिलचस्प है. पुरी आईटीसी लिमिटेड के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक भी हैं. पुरी ने कहा, सीआईआई के पास दशकों से बनी एक समृद्ध विरासत है. हम निश्चित रूप से अर्थव्यवस्था और उद्योग के विकास में योगदान देने के लिए तत्पर रहेंगे. उन्होंने कहा कि मौजूदा वक्त काफी दिलचस्प है, क्योंकि यह भारत का वक्त है. देश में कई नीतिगत हस्तक्षेप किए गए हैं, और वैश्विक कारक हमें आगे बढ़ने में मदद कर रहे हैं. देश ऐसे समय में प्रगति कर रहा है, जब दुनिया तनाव में है. पुरी ने कहा कि भारत में बहुत सारे अवसर हैं और यहां प्रतिभा का बड़ा भंडार है. उन्होंने कहा, जहां तक आपूर्ति श्रृंखला और डिजिटल परिवर्तन का सवाल है, दुनिया हमारी ओर देख रही है. भारत के पास जनसांख्यिकीय लाभांश भी है. उन्होंने कहा कि सेवा और विनिर्माण, दोनों क्षेत्रों में बड़े अवसर मौजूद हैं.

आईएमएफ, विश्व बैंक की बैठकों में सराहना

जी-20 अध्यक्ष के तौर पर भारत की भूमिका प्रशंसनीय रही : सेठ

एजेंसी । वाशिंगटन

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक की वार्षिक बैठकों के दौरान कई प्रमुख वैश्विक मुद्दों पर आम सहमति बनाने में जी-20 की अध्यक्षता के दौरान भारत द्वारा निभाई गई भूमिका की व्यापक सराहना की गई. भारत के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी. भारत ने 9-10 सितंबर तक नयी दिल्ली में जी-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी की. आर्थिक मामलों के सचिव अजय सेठ ने आईएमएफ और विश्व बैंक की वार्षिक बैठकों के मौके पर शनिवार को बताया, वैश्विक स्तर के लिए प्रासंगिक कई मुद्दों पर आम सहमति बनाने में जी-20 में भारत की अध्यक्षता की व्यापक सराहना हो रही है. मौजूदा लोस चुनाव के कारण केंद्रीय वित्त मंत्री आईएमएफ और विश्व बैंक की वार्षिक बैठक में शामिल नहीं हो रही हैं.

एचडीएफसी बैंक का लाभ बढ़ कर 17,622 करोड़ रुपये हुआ

मुंबई । देश में निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक एचडीएफसी बैंक का एकीकृत शुद्ध लाभ बीते वित्त वर्ष की मार्च तिमाही में 2.11 प्रतिशत वृद्धि के साथ 17,622.38 करोड़ रुपये रहा. बीते वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर, 2023 तिमाही में कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ 17,257.87 करोड़ रुपये रहा था. एचडीएफसी बैंक ने शनिवार को बताया कि एकल आधार पर उसका शुद्ध लाभ मार्च तिमाही में 16,511.85 करोड़ रुपये रहा, जो दिसंबर तिमाही में 16,372.54 करोड़ रुपये था. बैंक ने पिछले साल जुलाई में अपनी आवास ऋण केंद्रित मूल कंपनी एचडीएफसी का विलय कर लिया था. समीक्षाधीन तिमाही में इसकी मूल शुद्ध ब्याज आय बढ़कर 29,080 करोड़ रुपये हो गई, जबकि अन्य आय बढ़कर 18,170 करोड़ रुपये हो गईं. बैंक ने कुल संपत्ति पर अपना मुख्य शुद्ध ब्याज मार्जिन 3.44 प्रतिशत बताया है.

तनाव

ईरान और इजरायल के बीच चल रहे युद्ध ने कई देशों की टेंशन बढ़ाई

एयर इंडिया ने 30 तक कई फ्लाइट्स को किया कैंसिल

एजेंसी । नयी दिल्ली

इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच भारतीय एयरलाइंस ने मध्य-पूर्व में उभरती स्थिति के मद्देनजर इजरायल से अपनी सभी उड़ानें 30 अप्रैल तक रद्द कर दी हैं. एयर इंडिया ने कहा कि हम लगातार स्थिति की निगरानी कर रहे हैं और अपने यात्रियों को सहायता प्रदान कर रहे हैं, जिन्होंने तेल अवीव से आने-जाने के लिए बुकिंग कर दी है.

एयर इंडिया ने एक पोस्ट में कहा कि तेल अवीव के लिए फ्लाइट टिकट कैंसिल करने पर भी छूट दी जा रही है. साथ ही एयरलाइन ने कहा कि हमारे ग्राहकों और चालक दल की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है. पिछले रविवार को ही एयर इंडिया के अधिकारी ने जानकारी दी थी कि दिल्ली और तेज अवीव के बीच डायरेक्ट फ्लाइट कैंसिल कर दी गई हैं. 3 मार्च को शुरू हुई थी फ्लाइट्स टाटा ग्रुप की एयरलाइन ने करीब 5 महीने के अंतराल के बाद 3 मार्च को इजरायली राजधानी के लिए सेवाएं फिर से शुरू कीं थी, लेकिन एक बार फिर हमले से अब उड़ान में बाधा आई है. एयर इंडिया ने इजरायली शहर पर हमास के हमले के मद्देनजर सबसे पहले 7 अक्टूबर, 2023 से तेल अवीव के लिए उड़ानें निलंबित कर दी थीं.

इन शहरों के लिए कैंसिल हुई फ्लाइट्स राष्ट्रीय राजधानी और इजरायली शहर के बीच चार साप्ताहिक उड़ानें संचालित करती है. हाल के दिनों में कई इंटरनेशनल यात्री एयरलाइंस कंपनियों ने इसी कारण से अपनी उड़ानें रद्द कर दीं थी. 15 अप्रैल को, जर्मन एयरलाइन समूह लुफ्थांसा ने भी इजराइल पर ईरान के मिसाइल और ड्रोन हमले के बाद अम्मान, बेरूत, एरबिल और तेल अवीव के लिए उड़ानें निलंबित की हैं. यूएसई की एयरलाइंस ने भी रद्द की फ्लाइट्स गौरतलब है कि संयुक्त अरब अमीरात की एतिहाद एयरवेज भी तेल अवीव और अम्मान के लिए सेवाएं रद्द करते हुए इसमें शामिल हो गया. 13 अप्रैल से 15 अप्रैल तक में अस्थायी हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण एमिरेट्स एयरलाइंस ने भी अपनी कुछ उड़ानें रद्द कर दीं और अन्य का रूट बदला है. बता दें शुक्रवार तड़के ईरान में इजरायल ने मिसाइल हमला किया, जिससे तनाव अब और बढ़ रहा है

टेस्ला संबंधी दायित्वों के कारण भारत यात्रा टाली : एलन मस्क

एजेंसी । नयी दिल्ली

टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने शनिवार को कहा कि उनकी भारत यात्रा कंपनी संबंधी भारी दायित्वों के कारण टाल दी गई है. मस्क अप्रैल के चौथे सप्ताह में भारत की यात्रा पर आने वाले थे. उन्होंने सोशल नेटवर्किंग मंच 'एक्स' एक पोस्ट के जवाब में कहा, दुर्भाग्य से, टेस्ला संबंधी बहुत भारी दायित्वों के कारण भारत की यात्रा टाल दी है, लेकिन मैं इसी वर्ष यात्रा के लिए बहुत उत्साहित हूं. पोस्ट में कहा गया था कि मस्क 23 अप्रैल को टेस्ला के आंकड़ों की घोषणा करने के कारण फिलहाल भारत नहीं आ पा रहे हैं.

इसी महीने मस्क ने अपनी प्रस्तावित भारत यात्रा की पुष्टि करते हुए कहा था कि वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिलने के लिए उत्सुक हैं. पिछले साल जून में मस्क ने मोदी की अमेरिकी यात्रा के दौरान उनसे मुलाकात की थी. उद्योगपति ने कहा था कि उन्होंने 2024 में भारत का दौरा करने की योजना बनाई है, साथ ही विश्वास जताया कि टेस्ला जल्द ही भारतीय बाजार में प्रवेश करेगी.

ब्रीफ खबरें

बस पलटी, होमगार्ड के 21 जवान घायल

बैतूल (मध्य प्रदेश) । मध्य प्रदेश के बैतूल जिले में शनिवार सुबह एक बस के पलट जाने से उसमें सवार पुलिस और होमगार्ड के 21 जवान घायल हो गए. एक अधिकारी ने यह जानकारी दी. अधिकारी ने बताया कि ये जवान चुनावी ड्यूटी करने के बाद राज्य में अपने गृह जिले राजगढ़ लौट रहे थे, तभी भोपाल-बैतूल राजमार्ग पर बरेठा घाट के पास उनकी बस पलट गई. पुलिस अनुविभागीय अधिकारी (एसडीओपी) शालिनी परस्ते ने बताया कि यह दुर्घटना शनिवा सुबह करीब चार बजे हुई. उन्होंने कहा, बस में कुल 40 जवान सवार थे जिनमें से पांच पुलिसकर्मी और बाकी होम गार्ड के जवान थे.

नौका दुर्घटना: मृतकों की संख्या सात हुई

भुवनेश्वर । ओडिशा के झारसुगुड़ा जिले में महानदी से पांच और शवों के मिलने के साथ ही नौका पलटने की घटना में मारे गए लोगों की संख्या शनिवार को बढ़कर सात हो गई. अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार शाम नाव पलटने के तुरंत बाद तलाश अभियान शुरू करने वाले ओडिशा आपदा त्वरित कार्रवाई बल तथा अग्निशमन सेवा के कर्मियों ने महानदी से पांच और शव बरामद किए हैं. उन्होंने कहा, नदी के हीराकुंड जलाशय से पांच और शव बरामद किए गए. हादसे में मारे गए सभी लोग पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ के रहने वाले थे. यह हादसा तब हुआ जब करीब 50 लोग ओडिशा के बारगढ़ जिले के पथरसेनी कुडा स्थित मंदिर के दर्शन करने के बाद नौका से लौट रहे थे.

राज्यपाल से की नियुक्ति की मांग

कोलकाता । पश्चिम बंगाल उच्च शिक्षा विभाग ने राज्यपाल सी वी आनंद बोस से उन संस्थानों में अंतरिम कुलपतियों की नियुक्तियां करने का अनुरोध किया है जहां ये पद रिक्त हैं. राज्य सरकार ने अंतरिम कुलपतियों की नियुक्तियों के लिए 31 प्राध्यापकों के नाम सुझाए थे लेकिन राज्यपाल ने इनमें से छह नामों को मंजूर किया और शेष सब नामों को खारिज कर दिया. बोस सरकारी विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति भी हैं. अधिकारी ने बताया, आज पश्चिम बंगाल उच्च शिक्षा विभाग के वरिष्ठ विशेष सचिव ने कुलाधिपति से उच्चतम न्यायालय के आदेश पर उनके और मुख्यमंत्री के बीच बनी सहमति के आधार पर नियुक्ति करने का अनुरोध किया.

प्रतिबंधित पदार्थ बेचने पर भारतीय को सजा

वाशिंगटन । अमेरिका में 40 वर्षीय भारतीय नागरिक को डार्क वेब मार्केटप्लेस पर प्रतिबंधित पदार्थ बेचने के मामले में पांच साल कारावास की सजा सुनाई गई है और उससे लगभग 15 करोड़ अमेरिकी डॉलर जब्त किए जाने का आदेश दिया गया है. हल्द्वानी के बनमीत सिंह को अमेरिका के अनुरोध पर अप्रैल 2019 में लंदन में गिरफ्तार किया गया था. उसे मार्च 2023 में अमेरिका प्रत्यर्पित किया गया. उसने प्रतिबंधित पदार्थों को बचने और धनशोधन की साजिश के आरोपों को जनवरी में स्वीकार किया. प्रतिबंधित पदार्थ आम तौर पर ऐसी दवा या रसायन होता है,जिसका निर्माण और उपयोग सरकार द्वारा नियंत्रित किया जाता है.

चालकुडी लोकसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार बेन्नी बेहनन के लिए प्रचार करते हुए बोलीं

केंद्र लोकतांत्रिक प्रक्रिया को दरकिनार कर कानून बना रहा : प्रियंका

प्रियंका बोलीं
जब वह भारत के संस्थापक सिद्धांतों के विनाश के कगार पर होने की बात करती हैं तो कुछ लोग उनसे कहते हैं कि नया भारत बन रहा है

एजेंसी । त्रिशूर (केरल)

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने भाजपा शासित केंद्र सरकार पर शनिवार को आरोप लगाया कि वह लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को दरकिनार कर कानून बना रही है और उन्हें लोगों की इच्छा के विरुद्ध उन पर लागू कर रही है.

प्रियंका ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री के लोग भारत के उस संविधान को बदलने की बात बड़े अभिमान से करते हैं जो हमारे स्वतंत्रता सेनानियों और शहीदों के खून से लिखा गया. उन्होंने चालकुडी लोकसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार बेन्नी बेहनन के लिए प्रचार करते हुए कहा, वे (भाजपा) भारत के संविधान को अपने लालच और महत्वाकांक्षा का साधन मानते हैं, जैसे कि यह कोई कागज का टुकड़ा हो. प्रियंका ने कहा कि जब वह भारत के संस्थापक सिद्धांतों के विनाश के कगार पर होने की बात करती हैं तो कुछ लोग उनसे कहते हैं कि नया भारत बन रहा है. उन्होंने कहा, हमें जिस नए भारत के बारे में बताया जा रहा है, वह ऐसा भारत है जहां ताकत, सच्चाई पर हावी रहती है, लोकतांत्रिक प्रक्रिया को दरकिनार कर कानून बनाए जाते हैं और इन्हें लोगों पर उनकी इच्छा के विरुद्ध लागू किया जाता है. प्रियंका ने केंद्र पर कथित चीनी अतिक्रमण को लेकर लद्दाख में हो रहे विरोध प्रदर्शनों पर चुप रहने का भी आरोप लगाया और कहा कि किसानों की आवाज केवल तभी सुनी जाती है जब चुनाव करीब आते हैं. उन्होंने कहा, इस नए राष्ट्र में असहमति की आवाजें दबा दी जाती हैं. सरकार उन लोगों को परेशान करती है, उन पर आरोप लगाती है और उन्हें जेल में डाल देती है जो उसके खिलाफ बोलने की हिम्मत करते हैं.

आबकारी नीति 'घोटाला'

सिसोदिया की याचिकाओं पर आदेश सुरक्षित रखा

एजेंसी । नयी दिल्ली

दिल्ली की एक अदालत ने दिल्ली आबकारी नीति मामले में केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज भ्रष्टाचार और धनशोधन के मामलों में आप नेता मनीष सिसोदिया की जमानत याचिकाओं पर शनिवार को अपना आदेश सुरक्षित रख लिया.

सीबीआई और ईडी की विशेष न्यायाधीश कावेरी बवेजा ने केंद्रीय जांच एजेंसियों और सिसोदिया के वकील की दलीलें सुनने के बाद अपना आदेश 30 अप्रैल के लिए सुरक्षित रख लिया. आम आदमी पार्टी के नेता ने लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार करने के वास्ते दोनों मामलों में अंतरिम जमानत याचिका भी दायर की है. हालांकि सिसोदिया के वकील ने शनिवार को अदालत को बताया कि नियमित जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित किए जाने के कारण वह याचिका निरर्थक हो गई है.

'आपराधिक न्याय प्रणाली के प्रशासन में भारत का प्रगतिशील पथ' विषय पर सीजेआई बोले-

नए आपराधिक न्याय कानून हमारे समाज के लिए ऐतिहासिक क्षण

एजेंसी । नयी दिल्ली

प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई. चंद्रचूड़ ने नए आपराधिक न्याय कानूनों के अधिनियम को समाज के लिए ऐतिहासिक क्षण बताते हुए शनिवार को कहा कि भारत अपनी आपराधिक न्याय प्रणाली में महत्वपूर्ण बदलाव के लिए तैयार है. उन्होंने 'आपराधिक न्याय प्रणाली के प्रशासन में भारत का प्रगतिशील पथ' विषय पर यहां आयोजित एक सम्मेलन में कहा कि नए कानून तभी सफल होंगे जब वे लोग इन्हें अपनाएंगे, जिन पर इन्हें लागू करने का जिम्मा है.

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि नए अधिनियमित कानूनों के कारण आपराधिक न्याय संबंधी भारत के कानूनी ढांचे ने नए युग में प्रवेश किया है. उन्होंने कहा कि पीड़ितों के हितों की रक्षा करने और अपराधों की जांच एवं अभियोजन में कुशलता के लिए अत्यावश्यक सुधार किए गए हैं. उन्होंने कहा, भारत तीन नए आपराधिक कानूनों के भावी कार्यान्वयन के जरिए अपनी आपराधिक न्याय प्रणाली में एक महत्वपूर्ण बदलाव के लिए तैयार है. ये कानून हमारे समाज के लिए एक ऐतिहासिक क्षण को दर्शाते हैं क्योंकि कोई भी कानून, हमारे समाज के दिन-प्रतिदिन के आचरण को आपराधिक कानून जितना प्रभावित नहीं करता. सीजेआई ने कहा, संसद द्वारा इन कानूनों को अधिनियमित किया जाना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि भारत बदल रहा है एवं आगे बढ़ रहा है और मौजूदा चुनौतियों से निपटने के लिए नए कानूनी उपकरणों की जरूरत है. इस सम्मेलन में केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता भी मौजूद थे.

एक जुलाई से लागू होगा : देश की आपराधिक न्याय प्रणाली को पूरी तरह से बदलने के लिए नए अधिनियमित कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम एक जुलाई से लागू होंगे. हालांकि, हिट-एंड-रन' के मामलों से संबंधित प्रावधान को तुरंत लागू नहीं किया जाएगा. तीनों कानूनों को पिछले साल 21 दिसंबर को संसद की मंजूरी मिली थी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 25 दिसंबर को इन्हें स्वीकृति दी थी. सीजेआई ने भारतीय साक्ष्य संहिता पर राज्य सभा की स्थायी समिति की 248वीं रिपोर्ट का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय आपराधिक न्याय प्रणाली ने हमारे सामाजिक-आर्थिक परिवेश में प्रौद्योगिकी संबंधी बड़े परिवर्तनों के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए संघर्ष किया है और इन बदलावों ने समाज में होने वाले अपराधों के सामने आने की मौलिक रूप से फिर से कल्पना की है.

उन्होंने कहा, बीएनएसएस डिजिटल युग में अपराधों से निपटने के लिए एक समग्र दृष्टिकोण को शामिल करती है. यह सात साल से अधिक कारावास की सजा वाले अपराधों के लिए अपराध स्थल पर एक फॉरेंसिक विशेषज्ञ की उपस्थिति और खोज एवं बरामदगी की दृश्य-श्रव्य रिकॉर्डिंग का निर्देश देती है. तलाशी और जब्ती के दौरान प्रक्रिया संबंधी किसी भी गड़बड़ी के खिलाफ न्यायिक जांच नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करेगी.

मतदाताओं से मतदान अवश्य करने का किया आग्रह

प्रधान न्यायाधीश डीवाई. चंद्रचूड़ ने नागरिकों से आम चुनाव में मतदान करने का अवसर न चूकने का आग्रह करते हुए कहा है कि संवैधानिक लोकतंत्र में यह सबसे महत्वपूर्ण कर्तव्य है. न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने 2024 के लोकसभा चुनाव के मद्देनजर निर्वाचन आयोग के 'माई वोट माई वॉयस' मिशन के लिए एक वीडियो संदेश में कहा, हम दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के नागरिक हैं, जो कि हमारा देश है. उन्होंने कहा, संविधान नागरिक के रूप में हमें कई अधिकार देता है, लेकिन साथ ही यह भी अपेक्षा करता है कि हर कोई उसे सौंपा गया अपना कर्तव्य निभाए. संवैधानिक लोकतंत्र में नागरिकता के सबसे महत्वपूर्ण कर्तव्यों में से एक कर्तव्य वोट डालना है.

कांग्रेस ने मणिपुर में 47 मतदान केंद्रों पर पुनर्मतदान की मांग की

इंफाल । कांग्रेस ने मणिपुर की दो लोकसभा सीट के लिए शुक्रवार को हुए मतदान के दौरान चुनाव में धांधली और बूथ पर कब्जा करने का आरोप लगाते हुए 47 मतदान केंद्रों पर पुनर्मतदान कराए जाने की मांग की है. हिंसा प्रभावित मणिपुर में गोलीबारी, डराने-धमकाने तथा ईवीएम में तोड़फोड़ की घटनाओं के बीच 68 प्रतिशत से अधिक मतदान दर्ज किया गया. मणिपुर की दो लोकसभा सीट के लिए शुक्रवार को मतदान हुआ था. साठ-सदस्यीय मणिपुर विस के 32 निर्वाचन क्षेत्र इनर मणिपुर लोस सीट के तहत आते हैं, जबकि 28 विस क्षेत्र आउटर मणिपुर संसदीय क्षेत्र का हिस्सा हैं.

उत्तर कोरिया ने विमान रोधी मिसाइल का किया परीक्षण

एजेंसी । सियोल

उत्तर कोरिया ने शनिवार को कहा कि उसने पश्चिमी तटीय क्षेत्र में एक 'अत्यधिक बड़े' क्रूज मिसाइल मुखास्त्र और एक विमान रोधी मिसाइल का परीक्षण किया है. अमेरिका और दक्षिण कोरिया के साथ बढ़ते तनाव के बीच उत्तर कोरिया तेजी से अपनी सैन्य क्षमताओं को बढ़ा रहा है और हाल में उसने कई मिसाइल परीक्षण किए हैं.

उत्तर कोरिया की सरकारी मीडिया ने अपनी एक खबर में कहा कि शुक्रवार को 'ह्वासल-1 रा-3' रणनीतिक क्रूज मिसाइल के लिए तैयार किए गए मुखास्त्र का 'शक्ति परीक्षण' किया गया साथ ही 'प्योलजी-1-2' विमान रोधी मिसाइल का परीक्षण किया गया. उत्तर कोरिया की सरकारी समाचार समिति 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' द्वारा जारी की गई तस्वीरों में लॉन्चर ट्रक से कम से कम दो मिसाइलें दागी जाती दिखाई दे रही हैं. खबर में कहा गया कि शुक्रवार को किया परीक्षण देश की सैन्य विकास गतिविधियों का हिस्सा थे और इसका आसपास के हालात से कोई लेना देना नहीं है.

राजस्थान की सभी सीटें जीतेंगे : शाह

एजेंसी । जयपुर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को दावा किया कि राजस्थान तीसरी बार अपनी सभी 25 लोकसभा सीट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देकर 'हैट्रिक' लगाने जा रहा है. शाह ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वे अपने बेटे (वैभव गहलोत) के चुनाव अभियान में उलझकर रह गए हैं. स्थानीय नेताओं से बातचीत का हवाला देते हुए शाह ने दावा किया कि वैभव बड़े अंतर से चुनाव हारने जा रहे हैं. शाह ने शक्करगढ़ (भीलवाड़ा) में भाजपा की चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा, कल पहले चरण का चुनाव था. आपको परिणाम जानना है? 12 की 12 सीट मोदी जी की झोली में जा रही हैं. उन्होंने कहा, क्रिकेट की भाषा में कहूं, तो राजस्थान 'हैट्रिक' लगाकर तीसरी बार 25 की 25 सीट मोदी को देने जा रहा है. लोकसभा चुनाव के पहले चरण में राजस्थान में शुक्रवार को 12 लोकसभा सीट के लिए मतदान हुआ. राज्य में कुल 25 सीट हैं. साल 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में राज्य में सभी सीट भाजपा के खाते में गई थीं. शाह ने कहा, यह चुनाव स्पष्ट रूप से दो खेमों में बंटा हुआ है. एक ओर, 12 लाख करोड़ रुपये के घपले, घोटाले और भ्रष्टाचार करने वाली कांग्रेस पार्टी है. दूसरी ओर, ऐसे मोदी हैं, जिन पर 23 साल तक मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री रहने के बाद 25 पैसे का भी आरोप नहीं है. उन्होंने कांग्रेस नेताओं राहुल गांधी और प्रियंका गांधी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि वे हर तीन महीने में विदेश में छुट्टियां मनाने जाते हैं.

जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में आतंकवादियों के ठिकाने का भंडाफोड़

जम्मू । जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में शनिवार को आतंकवादियों के एक ठिकाने का भंडाफोड़ किया गया और वहां से कुछ संदिग्ध सामग्री जब्त की गई. पुलिस ने यह जानकारी दी. पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि खोजबीन और घेराबंदी अभियान के दौरान अरनास उपमंडल के दलास बरनेली क्षेत्र में आतंकवादियों के इस ठिकाने का भंडाफोड़ किया गया. आतंकी ठिकाने के बारे में विश्वसनीय जानकारी मिलने के बाद यह खोजबीन अभियान शुरू किया गया था. उन्होंने बताया कि आतंकी ठिकाने से दो डेटोनेटर, एके असॉल्ट राइफल के 12 कारतूस, एक बैटरी और कुछ तार बरामद किए गए. रियासी जिले की वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मोहिता शर्मा ने कहा कि इलाके में खोजबीन अभियान अब भी जारी है और अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है.

लोकसभा चुनाव

महाराष्ट्र में 50 प्रतिशत से अधिक सीटें जीतेंगे : पवार

एजेंसी । अहमदनगर

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) प्रमुख शरद पवार ने शनिवार को दावा किया कि महाराष्ट्र में विपक्षी गठबंधन महा विकास अघाड़ी (एमवीए) राज्य में 50 प्रतिशत से अधिक लोकसभा सीट जीतेगा. महाराष्ट्र में लोकसभा की 48 सीट हैं. एमवीए के घटक दलों के बीच हुए सीट-बंटवारे के अनुसार शिवसेना (यूबीटी) 21 सीट पर, कांग्रेस 17 सीट पर और राकांपा (शरदचंद्र पवार) 10 सीट पर चुनाव लड़ रही है. ये तीनों दल विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' में शामिल हैं और राज्य एक साथ मिलकर लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं. पवार ने यहां पत्रकारों से कहा कि कुछ सीट को लेकर 'इंडिया' गठबंधन के सहयोगियों के बीच असहमति हो सकती है, लेकिन इस पर ध्यान नहीं दिया जाना चाहिए. उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों का ध्यान एक स्थिर सरकार प्रदान करने के लिए चुनाव जीतने पर है.

कांग्रेस की पंजाब ईकाई के दो नेता भाजपा में शामिल

नयी दिल्ली । कांग्रेस की पंजाब इकाई के दो नेता शनिवार को भाजपा में शामिल हो गये. इनमें पार्टी के राष्ट्रीय सचिव तेजिंदर पाल सिंह बिट्टू भी शामिल हैं. बिट्टू ने भाजपा में शामिल होने से कुछ घंटे पहले कांग्रेस से इस्तीफे की घोषणा की थी. बिट्टू और कांग्रेस के दिवंगत नेता संतोख सिंह चौधरी की पत्नी करमजीत कौर चौधरी केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव और राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े की उपस्थिति में भाजपा में शामिल हुए. करमजीत कौर चौधरी ने पिछले साल अपने पति की मृत्यु के बाद जालंधर में लोकसभा उपचुनाव लड़ा था, लेकिन इसमें उन्हें हार का सामना करना पड़ा था. बिट्टू ने संवाददाताओं से कहा कि 35 साल से अधिक समय तक पार्टी में रहने के बाद वह कांग्रेस में घुटन महसूस कर रहे थे.

सरत रेड्डी ने भाजपा को 60 करोड़ रुपये दिए, कोई कार्रवाई नहीं हुई : संजय सिंह

- रेड्डी ने 15 नवंबर 2022 को भाजपा को चंदे के रूप में पांच करोड़ रुपये दिये

एजेंसी । नयी दिल्ली

आप के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने शनिवार को भाजपा पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उसने तथाकथित आबकारी घोटाला मामले में आरोपी व्यक्ति से 60 करोड़ रुपये लिए, लेकिन ईडी ने मामले में कोई कार्रवाई नहीं की.

सिंह ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि खुद उन्हें, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया समेत कई को बिना किसी सबूत के आबकारी घोटाला मामले में गिरफ्तार किया गया. सिंह ने आरोप लगाया, ईडी ने आबकारी घोटाला मामले में अपने आरोपपत्र में जिस सरत रेड्डी को मुख्य आरोपी बताया था, उसने चुनावी बॉण्ड के माध्यम से 60 करोड़ रुपये दिए. लेकिन एजेंसी ने इस मामले में किसी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की. सिंह ने दावा किया कि आबकारी घोटाला मामले में गिरफ्तारी के बाद रेड्डी ने 15 नवंबर, 2022 को भाजपा को चंदे के रूप में पांच करोड़ रुपये दिए. उन्होंने कहा कि छह महीने जेल में रहने के बाद, रेड्डी को 8 मई, 2023 को जमानत मिल गई और अगले कुछ दिन में उसने चुनावी बॉण्ड के माध्यम से भाजपा को 50 करोड़ रुपये दिए. सिंह ने यह दावा भी किया कि अपनी गिरफ्तारी से पहले, रेड्डी ने 2022 में भाजपा को पांच करोड़ रुपये का चंदा दिया था. उन्होंने आरोप लगाया कि 21 मार्च को चुनावी बॉण्ड का विवरण सार्वजनिक होने और यह खुलासा होने के तुरंत बाद ईडी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल के आवास पर छापा मार दिया कि भाजपा ने रेड्डी से पैसे लिए थे.

कॅरियर-काउंसिलिंग

कॉमर्शियल पायलट का पाठ्यक्रम कर बना सकते हैं कॅरियर

रजनीश प्रसाद | कॉमर्शियल पायलट वे होते हैं, जो एयरलाइन कंपनियों के किसी खास प्लेन को उड़ाते हैं. हालांकि इसके लिए एयरलाइन अथॉरिटी से कॉमर्शियल पायलट का सर्टिफिकेट प्राप्त करनेवाले को प्लेन उड़ाने की अनुमति होती है. एयर इंडिया, इंडिगो, जेट एयरवेज जैसी भारतीय एयरलाइंस कंपनियों के विमान उड़ाने वाले सभी कॉमर्शियल पायलट होते है. आमतौर पर, कॉमर्शियल एयरलाइंस कंपनियां कम से कम दो व्यक्तियों को पायलट क्रू के रूप में नियुक्त करती हैं, अर्थात एक कैप्टन और पहला अफसर या को-पायलट.

कॉमर्शियल पायलट बनना क्यों चुनें

- कॉमर्शियल पायलट बनने के बाद व्यक्ति का अनुभव बहुत ही अलग होता है. उसे दुनिया का एक अलग और सबसे खूबसूरत दृश्य देखने को मिलता है. उसे आकाश में उड़ने का नया अनुभव प्राप्त होता है.
- एक पायलट रूप में व्यक्ति विभिन्न जगहों पर जाता है, फिर चाहे वह अपने देश में हो या विदेश में, अर्थात उन्हें दुनिया भर में घूमने का अवसर मिलता है.
- कॉमर्शियल पायलट बहुत मेहनत करते हैं, यही वजह है कि एयरलाइंस कंपनियां उन्हें आमतौर पर 30 दिनों की छुट्टी से लेकर एक साल में 60 दिनों की छुट्टी तक के कई अवकाश प्रदान करती हैं.
- पायलट का वेतन इंडियन एयरफोर्स में लगभग 86-90 हजार प्रति माह तक हो सकता है. प्रोन्नति होने के बाद 1.50 से 2 लाख के आसपास सैलरी मिलती है.

कॉमर्शियल पायलट बनने के लिए स्किल्स

- अच्छा आईक्यू होना चाहिए
- समस्या सुलझाने की क्षमता
- उत्तम नेत्र ज्योति
- टीम वर्क स्किल
- मजबूत फोकस और मल्टी टास्किंग
- शारीरिक रूप से फिट होना चाहिए
- निर्णय लेने की क्षमता
- कम्युनिकेशन स्किल
- लीडरशिप क्वालिटी

कॉमर्शियल पायलट बनने के लिए पाठ्यक्रम

- एयर नेवीगेशन
- मास एंड बैलेंस एरोप्लेन
- परफारमेंस
- फ्लाइट प्लानिंग एंड मॉनिटरिंग
- रेडियो नेविगेशन
- इंस्ट्रूमेंटेशन
- एविएशन मेटेरियोलॉजी
- एयर रेगुलेशन
- ह्यूमन परफॉर्मेंस
- कम्यूनिकेशंस
- एयरक्राफ्ट एंड इंजन
- प्रिंसिपल ऑफ फ्लाइट

कॉमर्शियल पायलट कोर्स के लिए भारतीय कॉलेज

- इंदिरा गांधी नेशनल फ्लाइंग ऐकेडमी
- बॉम्बे फ्लाइंग क्लब
- राजीव गांधी एकेडमी ऑफ एविएशन टेक्नोलॉजी
- मध्य प्रदेश फ्लाइंग क्लब
- नेशनल फ्लाइंग ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट
- अहमदाबाद एविएशन एंड एरोनॉटिक्स लिमिटेड
- सीएई ऑक्सफोर्ड एविएशन एकेडमी
- इंडिगो कैडेट ट्रेनिंग प्रोग्राम
- गवर्नमेंट एविएशन ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट
- पुडुचेरी ठाकुर कॉलेज ऑफ एविएशन
- गवर्नमेंट फ्लाइंग क्लब
- ओरिएंट फ्लाइंग स्कूल

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - सुरजीत सिंह, स्थानीय संपादक - संजय सिंह*. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - JHAHIN/2023/84487 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)